Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज
Published from Ranchi
दिग्विजय दिवस आज

Ranchi • Wednesday, 11 September 2024 • Year : 02 • Issue : 234 • Ranchi Edition • Page : 12 • Price : ₹3 • www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

सेंसेक्स	:	81,921.29
निफ्टी	:	25,041.10

SARAFA

सोना	:	6,795
चांदी	:	91.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

यूक्रेन का रूस पर 144 ड्रोन से हमला

NEW DELHI : मंगलवार को यूक्रेन ने रूस पर 144 ड्रोन से हमला किया। हमले में कई रिहायशी इमारतों को भी निशाना बनाया गया। एजेंस के मुताबिक रूस की राजधानी मॉस्को के आस-पास करीब 20 ड्रोन मार गिराए गए। इस हमले में एक महिला की मौत भी हो गई। हमले में दर्जनों घर नष्ट हो गए। इस हमले के चलते मॉस्को और उसके आसपास के एयरपोर्ट्स से 50 से ज्यादा उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा। रूसी अधिकारियों के मुताबिक मॉस्को के 4 में से 3 एयरपोर्ट्स को 6 घंटे से ज्यादा समय तक बंद रहना पड़ा। रूस ने अन्य 8 प्रांतों में 124 ड्रोन भी मार गिराए हैं। वहीं इस हमले का पलटवार करते हुए रूस ने भी यूक्रेन पर 46 ड्रोन से हमला किया है। हालांकि यूक्रेन के मुताबिक उसने इनमें से 38 ड्रोन मार गिराया। इससे पहले यूक्रेन ने 31 अगस्त को रूस पर 150 से ज्यादा ड्रोन से हमला किया था। ढाई साल से जारी रूस-यूक्रेन जंग में पहली बार यूक्रेन ने रूस के खिलाफ इतनी ज्यादा संख्या में ड्रोन से हमला किया था ।

आईफोन-16 और एपल वॉच सीरीज 10 लॉन्च

NEW DELHI : एपल ने आईफोन-16 लॉन्च कर दिया है। इस बार आईफोन में सबसे बड़ा बदलाव एपल इंटेलिजेंस है। इसके अलावा कैमरा कंट्रोल के लिए साइड में नया बटन दिया है। यह भारत में 20 सितंबर से मिलना शुरू होगा। इसकी शुरूआती कीमत 79,900 रुपये है जो 1,84,900 रुपये तक जाती है। इसे ऑनलाइन या इन स्टोर दोनों तरीकों से खरीद सकते हैं। आईफोन-16 और आईफोन-15 की कीमत में महज 10 हजार रुपये का अंतर है। कैमरा शेप के अलावा आईफोन 16 का साइज, शेप और डिस्प्ले लगभग आईफोन 15 जैसा ही है। अगर आप लेटेस्ट प्रोसेसर और एआई फीचर्स नहीं चाहिए तो आईफोन 15 लेना सही रहेगा, क्योंकि ये दिवाली सेल में 55 हजार रुपए के आसपास मिल सकता है।

हमारे विधायकों को खरीदने के लिए घूम रहे केंद्रीय मंत्री : सीएम

PHOTON NEWS SARAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिले के डोबो स्थित काजू बगान मैदान में मंगलवार को 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' का कोल्हान प्रमंडल स्तरीय कार्यक्रम हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शामिल हुए। इस मौके पर अपने संबोधन में सीएम ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र की सरकार झारखंड में चुनाव जीतने के लिए नहीं, बल्कि जीते हुए विधायकों को किस तरह खरीदा जाए, इस पर काम करती है। हेमंत ने कहा कि एक केंद्रीय मंत्री आपके कोल्हान में घूम रहे हैं। उनसे पूछिएगा मनरेगा में दूसरे राज्यों के मुकाबले सबसे कम मजदूरी झारखंड को क्यों दे रहे हैं। हेमंत ने कहा कि वे यहां विधायकों को खरीदने के लिए घूम रहे हैं। जनता इनको चुनती नहीं है, ये पैसे से सरकार बनाते हैं। इन्हें सबक सिखाने की जरूरत है।

डबल इंजन की सरकार के पास पेंशन देने के लिए पैसे नहीं

हेमंत ने कार्यक्रम में बांटी करोड़ों की परिसंपत्तियां

सीएम ने कहा कि हम सिर्फ इसलिए पूरे प्रदेश का भ्रमण कर रहे हैं, ताकि हम देख सकें कि जनहित में जो काम किए जा रहे हैं, वह लोगों तक पहुंच पा रहा है या नहीं। एक समय था जब राज्य के लोग पेंशन के लिए भटकते थे। राज्य सरकार ने राज्य के वृद्ध लोगों के लिए पेंशन योजना लागू कर दी है। आज राज्य में सभी को पेंशन का लाभ मिल रहा है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने मंच से करोड़ों की योजनाओं का शिलान्यास किया व लाभुकों में परिसंपत्ति का वितरण किया। हेमंत सोरेन ने कहा कि डबल इंजन की सरकार के पास पेंशन देने के लिए पैसा नहीं था, लेकिन व्यापारियों के लिए करोड़ों रुपये थे।

किसानों ने केंद्र सरकार को दिखा दिया आईना

सीएम ने कहा कि अपनी मांगों को लेकर किसान केंद्र सरकार के खिलाफ दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे थे, पर इस बीच सरकार उन्हें देखने तक नहीं आई। इसी का अंजाम लोकसभा में देखने को मिला, जहां किसानों ने केंद्र सरकार को आईना दिखा दिया। केंद्र सरकार अन्य पार्टियों के साथ मिलकर बैसाखी के सहारे चल रही है। कोरोना काल में केंद्र सरकार ने लॉकडाउन लगाकर सभी को घरों में बंद कर दिया था। कोरोना काल में राज्य सरकार ने सभी की सेवा की। इस दौरान सरकार ने दो मंत्रियों को खो दिया। केंद्र सरकार राज्य सरकार को गिराने के काम में लगी रहती है।

555.83 करोड़ की योजनाओं की सौगात

सीएम ने कहा कि झारखंड सबसे पिछड़े राज्यों में गिना जाता है, पर कई लोग इसे सोने की चिड़िया भी कहते है। देश के बड़े व्यापारी ही इसे सोने की चिड़िया कहते हैं, जिन्होंने राज्य को लूटने का काम किया। ऐसे व्यापारियों की गिद्ध नजर हमारे राज्य पर है। सीएम ने कहा कि जब हम काम करें, यहां के हक के लिए आवाज उठाया तो मेरे खिलाफ सीबीआई-ईडी लगा दिया गया। सीएम ने जमशेदपुर को 555 करोड़ 83 लाख 80 हजार की योजनाओं की सौगात दी। जिसमें पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर 303 करोड़ 54 लाख 84 हजार की योजनाएं और पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा से 252 28 लाख 96 हजार की योजनाएं शामिल हैं।

चुनाव आयोग से राज्य सरकार ने पत्र लिखकर की शिकायत

शिवराज व हिमंता के खिलाफ हेमंत सरकार ने खोला मोर्चा

PHOTON NEWS RANCHI : आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड में सियासी गतिविधियां तेज हो चुकी हैं। इस बीच बड़ा कदम उठाते हुए हेमंत सरकार ने भाजपा के विधानसभा चुनाव प्रभारी केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान व सहप्रभारी तथा असम के मुख्यमंत्री हिमंता विस्वा सरमा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। राज्य सरकार ने पत्र लिखकर उनकी शिकायत चुनाव आयोग से की है। सरकार की प्रधान सचिव वंदना डाडेल ने दो सितंबर को पत्र लिखा है। पत्र में लिखा गया है कि हिमंता बिस्वा सरमा और शिवराज सिंह चौहान झारखंड के विभिन्न समुदायों के बीच में नफरत फैला रहे हैं। साथ ही राज्य के शीर्ष अफसरों को धमकी दे रहे हैं। हिमंता बिस्वा सरमा ने झूठे बयान दिए हैं। क्या यह राज्य के शीर्ष अफसरों और सरकारी पदाधिकारियों का चरित्र हनन नहीं है। कहां गया है कि झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए शिवराज और हिमंता लगातार झारखंड आ रहे हैं। यहां दोनों नेता विभिन्न कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं और लोगों से मिल रहे हैं। इस दौरान दोनों नेताओं की प्रेस कांफ्रेंस और सभाएं भी हो रही हैं। इसके माध्यम से राज्य में शांति और सुव्यवस्था को बिगड़ने की कोशिश की जा रही है।

- सरकार की प्रधान सचिव वंदना डाडेल ने लिखा है लेटर
- समाज में नफरत फैलाने का लगाया है आरोप
- आला अफसरों को दी जा रही है धमकी, दिए जा रहे झूठे बयान
- शांति व सुव्यवस्था को भंग करने की रची जा रही साजिश
- राज्य के अधिकारियों को डराने की कोशिश कर रही बीजेपी

आचार संहिता लागू नहीं, इसलिए कुछ नहीं कर सकते : चुनाव आयोग

जानकारी के अनुसार, झारखंड सरकार ने चुनाव आयोग से मांग की है कि दोनों नेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। बताया जा रहा है कि इस संबंध में आयोग का कहना है कि झारखंड में आदर्श आचार संहिता लागू नहीं है। लिहाजा वह इस मामले में कुछ नहीं कर सकते। राज्य सरकार की तरफ से लिखे गये पत्र में कहा गया है कि अभी तक राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू नहीं हुई है। लेकिन, भाजपा ने 17 जून को ही शिवराज सिंह चौहान को प्रभारी और हिमंता बिस्वा सरमा को सह प्रभारी नियुक्त कर दिया। इसके बाद से दोनों नेता हर हफ्ते झारखंड दौरे पर आते हैं। दोनों नेता जेड-प्लस सुरक्षा प्राप्त व्यक्ति है। शिवराज सिंह केंद्रीय मंत्री हैं, जबकि हिमंता बिस्वा सरमा असम के मुख्यमंत्री। दोनों नेताओं की सुरक्षा में बड़े पैमाने पर पुलिस व प्रशासनिक अफसरों की तैनाती की जाती है।

अधिकारियों के खिलाफ लगातार बयान दे रहे भाजपा के दोनों नेता

पत्र के मुताबिक, दोनों नेताओं के दौरे के दौरान यह पाया गया है कि उनके भाषण व बयान उत्तेजक, शत्रुतापूर्ण और झारखंड के प्रशासन के खिलाफ होते हैं। दोनों नेता डीजीपी, एसएसपी, एसपी जैसे शीर्ष अधिकारियों की गतिविधियों के खिलाफ बयान देते हैं। दोनों नेता कई गांवों में दौरा और रैलियां कर रहे हैं और इस तरह के बयान देते हैं। इस कारण सरकारी अधिकारी में प्रतिशोध का डर है और वह कर्तव्य का पालन करने में हतोत्साहित हो रहे हैं। पत्र के साथ हिमंता बिस्वा सरमा और शिवराज सिंह चौहान समेत अन्य भाजपा नेताओं द्वारा सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट की स्क्रीनशॉट भी चुनाव आयेग को भेजी गई है। पत्र में यह भी कहा गया है कि भाजपा नेताओं के बयान सांप्रदायिक तनाव पैदा करने वाले हैं।

अब राष्ट्रीय सुरक्षा का अहम पहलू बन गई है साइबर सुरक्षा : गृह मंत्री

AGENCY NEW DELHI : मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि साइबर सुरक्षा अब केवल डिजिटल दुनिया तक सीमित न रहकर राष्ट्रीय सुरक्षा का अहम पहलू भी बन गई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने साइबर अपराध से निपटने के लिए अगले पांच वर्षों में करीब 5,000 'साइबर कमांडो' को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा है। केंद्रीय मंत्री शाह ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आई4सी के प्रथम स्थापना दिवस समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में ये बातें कहीं। उन्होंने साइबर अपराध की रोकथाम के लिए प्रमुख पहलों का शुभारंभ भी किया। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि साइबर सुरक्षा के बिना किसी भी देश का विकास असंभव है। तकनीक मानव जीवन के लिए आशीर्वाद साबित होती है और आज सभी नई पहलों में तकनीक का बहुत उपयोग हो रहा है। लेकिन, तकनीक के बढ़ते उपयोग से कई खतरे भी पैदा हो रहे हैं, इसीलिए साइबर सुरक्षा अत्यंत अहम है। उन्होंने कहा कि आई4सी जैसे प्लेटफॉर्म इस प्रकार के खतरों से निपटने में बहुत बड़ा योगदान कर सकते हैं।

- विज्ञान भवन में आई4सी के प्रथम स्थापना दिवस समारोह को किया संबोधित
- कहा- अगले 5 सालों में लगभग 5 हजार साइबर कमांडो किए जाएंगे तैयार

झारखंड के डीजीपी को मिला अवार्ड

RANCHI : मंगलवार को झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता और डाटा साइंटिस्ट गुंजन कुमार को गृह मंत्री अमित शाह ने सम्मानित किया। दिल्ली में आयोजित विज्ञान भवन के स्थापना दिवस पर ये पुरस्कार दिया गया। प्रतिबिंब एप के जरिये साइबर अपराधियों पर नकेल कसने की वजह से ये सम्मान दिया गया। ऐप लॉन्च होने के बाद से ही ये पुलिस सबसे बड़ा हथियार बन गया है। उल्लेखनीय है साइबर अपराधियों को ट्रैक करने के लिए सीआइडी डीजी अनुराग गुप्ता ने प्रतिबिंब ऐप तैयार कराया था। प्रतिबिंब ऐप के लॉन्च होने के बाद न सिर्फ झारखंड के साइबर अपराधी फंस रहे हैं, बल्कि दूसरे राज्य के फ्रॉड भी खुलासा हो रहा है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण कुछ माह पूर्व गिरिडीह से अपराधियों का पकड़ा जाना है। उस वक्त जांच के दौरान ये खुलासा हुआ था कि साइबर अपराधियों ने रांची में रहने वाले बंगाल कैडर के एक आइएएस अधिकारी से ठगी की घटना को अंजाम दिया था। साइबर अपराधियों को ट्रैक करने में इस ऐप की सुविधा दूसरे राज्यों की पुलिस को भी दी जा रही है।

मणिपुर में राजभवन जा रहे छात्रों की सुरक्षाबलों से झड़प, किया पथराव

AGENCY IMPHAL : मंगलवार को मणिपुर में लगातार दूसरे दिन छात्रों का हिंसक प्रदर्शन किया। राजभवन की ओर मार्च कर रहे स्टूडेंट्स की सुरक्षाबलों से झड़प हो गई। छात्रों ने सुरक्षाबलों पर पथराव किया और गुलेल से छर्रे मारे। इसके बाद प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले दागे गए। 9 सितंबर को भी स्टूडेंट्स ने राजभवन पर पत्थरबाजी की थी, जिसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले और रबर बुलेट्स दागी थीं। 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। 9 सितंबर की रात मैतेई समुदाय की महिलाओं ने ड्रोन हमलों के विरोध में मशाल जुलूस निकाला था। राजभवन और मुख्यमंत्री आवास पर प्रदर्शन किया था। प्रशासन ने इंफाल ईस्ट और इंफाल वेस्ट में कर्फ्यू लगा दिया है। राज्य में 15 सितंबर की शाम 3 बजे तक इंटरनेट बैन कर दिया गया है। छात्रों का नेतृत्व कर रहे एम. सनाथोई चानू ने बताया- हमने डीजीपी, राज्य सरकार के सुरक्षा सलाहकार को हटाने की मांग की है। सीआरपीएफ के पूर्व डीजी कुलदीप सिंह के नेतृत्व में बनी यूनिफाइड कमांड राज्य सरकार को सौंपने की मांग की है। इंफाल में 9 सितंबर को सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शन कर रहे स्टूडेंट्स ने राजभवन पर पत्थरबाजी की थी। मैतेई समुदाय के ये छात्र मणिपुर में अचानक बढ़ी हिंसक घटनाओं को लेकर 8 सितंबर से प्रदर्शन कर रहे हैं। 8 सितंबर को किशमपट के टिडिम रोड पर 3 किलोमीटर तक मार्च के बाद प्रदर्शनकारी राजभवन और सीएम हाउस तक पहुंच गए। ये गवर्नर और सीएम को ज्ञापन सौंपना चाहते थे। सुरक्षाबलों ने ज्ञापन सौंपने की मांग पूरी कर दी, इसके बाद भी स्टूडेंट्स सड़क पर प्रदर्शन करते रहे।

- प्रदर्शनकारियों ने रैफ के जवानों पर लोहे के छर्रे दागे
- 2 जिलों में लगाया गया कर्फ्यू
- राज्य में 6 दिनों तक इंटरनेट पर लगी बैन

अमेरिका दौरे पर पहुंचे नेता प्रतिपक्ष ने दिया बयान, मायावती ने की निंदा

खत्म नहीं किया जा सकता आरक्षण : राहुल गांधी

AGENCY NEW DELHI : मंगलवार को अमेरिका दौरे पर पहुंचे राहुल गांधी ने आरक्षण पर बयान दिया। उन्होंने स्पष्ट किया है कि अभी आरक्षण खत्म नहीं किया जा सकता है। जब देश में सभी को समान अवसर मिलने लगेंगे, तभी इसपर सोचा जा सकता है। फिलहाल भारत में ऐसी स्थिति नहीं है। दरअसल, वॉशिंगटन डीसी के जॉर्ज टाउन यूनिवर्सिटी में राहुल से पूछा गया था कि भारत में आरक्षण कब तक चलेगा। इसके जवाब में उन्होंने ये बातें कहीं। इसके बाद भारत में मायावती ने उनके बयान की निंदा की है। उन्होंने कहा, राहुल के नाटक से सतर्क रहें, वे आरक्षण को खत्म करने की साजिश में जुटे हैं। अमेरिका में दिए राहुल के एक और बयान पर विरोधियों ने उनकी निंदा की है। राहुल ने कहा था, भारत में सिख समुदाय के बीच इस बात की चिंता है कि उन्हें पगड़ी, कड़ा पहनने की इजाजत दी जाएगी या नहीं। क्या वे गुरुद्वारे जा सकेंगे। ये चिंता सिर्फ सिखों की नहीं बल्कि सभी धर्मों के लिए है। इस पर भाजपा नेता हरदीप सिंह पुरी ने कहा, सिखों को भारत में तभी डर लगा था जब राहुल का परिवार सत्ता में था।

विस्तार से वित्तीय आंकड़ों की ओर दिलाया ध्यान

राहुल ने कहा कि कांग्रेस आरक्षण खत्म करने के बारे में तब सोचेगी, जब सही समय होगा। जब आप वित्तीय आंकड़ों को देखते हैं, तो आदिवासियों को 100 रुपये में से 10 पैसे मिलते हैं, दलितों को 100 रुपये में से 5 रुपये मिलते हैं और ओबीसी को भी लगभग इतनी ही रकम मिलती है। भारत के बिजनेस लीडर्स की लिस्ट देखें। मुझे लगता है कि टॉप 200 में से एक ओबीसी है, जबकि वे भारत में 50 प्रतिशत हैं, लेकिन हम इस बीमारी का इलाज नहीं कर रहे हैं। भारत के दलित, ओबीसी, आदिवासी को उनका हक नहीं मिल रहा है।

एयरफोर्स के विंग कमांडर पर जूनियर से रेप का आरोप

NEW DELHI : इंडियन एयरफोर्स की महिला फ्लाइंग अफसर ने विंग कमांडर पर रेप का आरोप लगाया। जम्मू-कश्मीर के बडगाम में मामले को लेकर एफआईआर दर्ज कराई गई है। दोनों अफसर श्रीनगर में ही पोस्टेड हैं। एयरफोर्स ने बताया कि बडगाम के पुलिस स्टेशन ने हमें अप्रोच किया। हम केस में अथॉरिटीज के साथ सहयोग कर रहे हैं। हमें इस केस की जानकारी है। रिपोर्ट के मुताबिक, एफआईआर में महिला अफसर ने कहा कि वह पिछले दो साल से विंग कमांडर के हाथों हैरेसमेंट, सेक्शुअल असॉल्ट और मेंटल टॉर्चर झेल रही है। 31 दिसंबर 2023 को ऑफिसर मेस में हुई न्यू ईयर पार्टी में गिफ्ट देने के बहाने विंग कमांडर उसे अपने कमरे में ले गया और वहां उसके साथ रेप किया।

स्ट्रांग डिफेंस कोच्चि में 'मालपे और मुल्की' लॉन्च, दुश्मनों की पनडुब्बियों का पता लगाना होगा आसान

नौसेना की बढ़ी ताकत, अब दहाड़ेंगे साइलेंट हंटर्स

AGENCY NEW DELHI : कदम-दर-कदम भारतीय रक्षा शक्ति आगे बढ़ रही है। इसी कड़ी में मंगलवार को भारतीय नौसेना के लिए एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट 'मालपे और मुल्की' को एक साथ कोच्चि में लॉन्च किया गया। समुद्री परंपराओं को देखते हुए दोनों जहाजों को दक्षिणी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ वाइस एडमिरल वी श्रीनिवास की उपस्थिति में उनकी पत्नी विजया श्रीनिवास ने अथर्ववेद के मंत्रोच्चार के साथ लॉन्च किया। भारतीय नौसेना को ये 'साइलेंट हंटर्स' मिलने पर तटीय सीमाओं पर दुश्मनों की पनडुब्बियों का पता लगाने में आसानी होगी। गौरतलब है कि रक्षा मंत्रालय ने मेसर्स कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) के साथ 30 अप्रैल, 2019 को आठ एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। इसी प्रोजेक्ट के तहत भारतीय नौसेना के लिए बनाए गए चौथे और पांचवें जहाज मालपे और मुल्की को सीएसएल, कोच्चि में लॉन्च किया गया।

- जहाजों को स्वदेशी रूप से विकसित अत्याधुनिक अंडरवाटर सेंसर से किया जाएगा लैस
- वर्तमान में भारतीय नौसेना को मजबूत करने के लिए 16 जहाजों का किया जा रहा निर्माण

खदान बिछाने के काम के लिए तैयार

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, माहे श्रेणी के एएसडब्ल्यू शैलो वाटर क्राफ्ट के नाम भारत के तट पर सामरिक महत्व के बंदरगाहों के नाम पर रखे गए हैं। इन जहाजों को स्वदेशी रूप से विकसित अत्याधुनिक अंडरवाटर सेंसर से लैस किया जाएगा। इन जहाजों को तटीय जल में पनडुब्बी रोधी अभियानों के साथ-साथ कम तीव्रता के समुद्री संचालन (एलआईएमओ) तथा खदान बिछाने के काम के लिए तैयार किया गया है।

माहे, मालवन व मंगरोल सीएसएल में पहले ही किए जा चुके हैं तैनात

ये जहाज 1800 समुद्री मील तक की सहनशक्ति के साथ 25 समुद्री मील की अधिकतम गति प्राप्त कर सकते हैं। इन जहाजों में 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री होगी, जिससे देश के भीतर रोजगार की भी क्षमता बढ़ेगी। इस प्रोजेक्ट के तीन जहाज माहे, मालवन और मंगरोल 30 नवंबर 2023 को सीएसएल में लॉन्च किए गए थे। अब दो जहाज एक साथ लॉन्च किये जाने के बाद यह कार्यक्रम भारतीय शिपयार्ड की 'मेक इन इंडिया' क्षमता को दिखाता है। भारतीय नौसेना के लिए कुल 16 जहाजों का निर्माण किया जा रहा है। भारतीय नौसेना की योजना 2026 तक सभी 16 जहाजों को सक्रिय सेवा में रखने की है। एएसडब्ल्यू एसडब्ल्यूसी जहाज 78 मीटर लंबे हैं और 25 समुद्री मील अधिकतम गति सहित इनका विस्थापन लगभग 900 टन है।

नक्सलियों ने ठेकेदार को पीट पीटकर कर दिया अधमरा

सरकारी सामुदायिक भवन पर अवैध कब्जे का लगाया आरोप, दी थी धमकी

PHOTON NEWS PALAMU : जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के घाघरा गांव में बीती रात टीपीसी नक्सलियों ने 60 वर्षीय ग्रामीण सह ठीकेदार राम प्रसाद यादव पर जानलेवा हमला किया। नक्सलियों ने उन्हें घर से अगवा कर बगल के जंगल में ले जाकर लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटा। इस हिंसक हमले में प्रसाद यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। उनका दायां हाथ एवं बायां पैर टूट गया है। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमआरएमसीएच) रेफर कर दिया गया, जहां उनकी स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है। सूत्रों के अनुसार, यह हमला नक्सलियों द्वारा राम प्रसाद यादव पर सरकारी सामुदायिक भवन

अस्पताल में इलाजरत ठेकेदार ● फोटोन न्यूज

पर अवैध कब्जा हटाने की पुरानी मांग को लेकर किया गया। इससे पहले भी तीन महीने पहले टीपीसी उग्रवादियों ने राम प्रसाद यादव को इसी मुद्दे पर चेतावनी देते हुए पीटा था, परंतु कब्जा न हटाने के चलते नक्सलियों ने एक बार फिर उन पर हमला किया। घायल प्रसाद यादव ने कहा कि हमलावर 5-6 नक्सली थे, जिन्होंने उन्हें बंधक बनाकर जंगल में ले जाकर मारपीट की। जब उनकी पत्नी ने इसका विरोध किया तो उसे भी थप्पड़ मारा गया। इधर, एमआरएमसीएच में इलाज के दौरान राम प्रसाद ने जानकारी दी की वर्ष 2023 में गांव में ही 15 लाख की लागत से तालाब का निर्माण कराया था। इसमें 5 प्रतिशत पीसी की मांग की जा रही थी। इलाके में अब नक्सली नहीं हैं। ऐसे में धमकी को नजरअंदाज किया गया। इसी बीच अचानक उसके घर पर नक्सली पहुंचे और उसे पकड़कर उसकी पिटाई कर दी। उन्होंने कहा कि पिटाई करने वालों की पहचान नहीं कर पाए। इस घटना से उनका परिवार दहशत में है और सुरक्षा को लेकर चिंतित है। ग्रामीणों ने प्रशासन से सुरक्षा की मांग की है। घटना की सूचना मिलने पर हुसैनाबाद पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

केंद्रीय विद्यालय के छात्र की पिटाई मामले में हुई जांच

CHAKRADHARPUR : केंद्रीय विद्यालय, चक्रधरपुर में छात्र की पिटाई मामले में मंगलवार को केंद्रीय विद्यालय संगठन ने जांच की। शिक्षक की पिटाई से छात्र की तबीयत बिगड़ गई थी। इस मामले में केंद्रीय विद्यालय संगठन ने सोमवार को ही जांच कमेटी का गठन कर दिया था। कमेटी में अन्य केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य व संगठन के अधिकारी मौजूद थे। कमेटी स्कूल का दौरा किया, जिसमें प्रिंसिपल, आरोपी शिक्षक शिवम चावली व पीड़ित छात्र अनीस शर्मा और उसके माता-पिता से घटना की जानकारी ली। उनका पक्ष भी लिया गया। इसके बाद स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों से भी शिक्षक के व्यवहार को लेकर जानकारी ली गई। टीम द्वारा रिपोर्ट तैयार कर केवी संगठन के वरीय पदाधिकारियों को सौंपा जाएगा।

दुमका में गांधी मैदान का गेट गिरने से बच्चे की मौत

घटनास्थल पर हंगामा करते लोग ● फोटोन न्यूज

DUMKA : शहर के गांधी मैदान में एक दुखद हादसा सामने आया है, जहां मैदान का जर्जर गेट गिरने से 12 वर्षीय आशीष रजक की दबने से मौत हो गई। आशीष और उसके दो अन्य साथी गेट के समीप खेल रहे थे, जब यह हादसा हुआ। घटना के दौरान आशीष गेट पर झूल रहा था, जिसके बाद गेट गिर पड़ा और उसकी गेट से दबकर मौत हो गई। आशीष गरीब परिवार से था और अपने माता-पिता का एकलौता पुत्र था। इस हादसे के बाद आक्रोशित परिजनों ने गांधी मैदान की सड़क को जाम कर विरोध-प्रदर्शन किया। परिजनों और स्थानीय लोगों ने नगर पालिका पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए गेट के निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं। गांधी मैदान का गेट लंबे समय से जर्जर अवस्था में था। वहीं, नगर पालिका के सहायक अभियंता संजीव उरांव ने बताया कि घटना की सूचना मिली है गांधी मैदान में कुछ दिन पूर्व रिनोवेशन का काम किया गया था लेकिन गेट का काम नगर पालिका के अंदर नही आता है आने वाले समय में उसको भी ठीक कराने की कोशिश करेंगे।

जीवन बीमा दावा मामले में महिला को 6 लाख रुपये का मिला मुआवजा

CHAKRADHARPUR : चाईबासा के जिला उपभोक्ता अदालत ने चक्रधरपुर निवासी एल. अन्नपूर्णा को जीवन बीमा दावा मामले में 6 लाख रुपये मुआवता व मानसिक उत्पीड़न के लिए 75,000 रुपये अतिरिक्त भुगतान करने का आदेश दिया। ने एलआईसी के खिलाफ अपनी 11 पॉलिसियों के लिए दावा किया था, जिसमें उनके दिवंगत पति, एल. सीताराम अंजनेयुलु, ने जीवन बीमा योजना ली थी। पति की मृत्यु के बाद. एल. अन्नपूर्णा को पॉलिसियों के लाभों से वंचित किया गया, जिसके कारण उन्हें मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। अन्नपूर्णा ने एलआईसी चक्रधरपुर शाखा, उनके एजेंट अंजना देवी और रमेश कुमार शर्मा के खिलाफ मामला दर्ज किया। जिसमें उन्होंने 15 लाख रुपये के बीमा दावे के साथ-साथ 4 लाख रुपये मानसिक उत्पीड़न के लिए मांग की थी। एलआईसी एजेंट ने प्रीमियम की राशि ली, लेकिन उसे एलआईसी में जमा नहीं किया, और शाखा प्रबंधक ने दावा राशि प्राप्त करने के लिए रिश्वत मांगी।

BRIEF NEWS

राज्यपाल ने हूल क्रांति के अमर महानायकों को दी श्रद्धांजलि

SAHIBGANJ : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंगलवार को साहिबगंज में सिदो कान्हू मुर्मू पार्क, अमर शहीद सिदो- कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राज्यपाल ने शहीदों के वंशजों से भेंट की।

आईसीएसई नेशनल कराटे चैंपियनशिप में भाग लेगा खूंटी का अर्पण भेंगरा

KHUNTI : उसुर्लाइन इंग्लिश मीडियम स्कूल के होनहार कराटेकार अर्पण भेंगरा आईसीएसई स्कूल नेशनल कराटे चैंपियनशिप में भाग लेगा। झांसी (यूपी) के ब्लू वेल्स पब्लिक स्कूल में 12, 13 एवं 14 सितंबर को आयोजित होने वाली चैंपियनशिप के लिए अर्पण भेंगरा मंगलवार को खूंटी से झांसी के लिए रवाना हुआ।

खूंटी में कार ने ऑटो को मारी टक्कर, ऑटो चालक की मौत

KHUNTI : खूंटी-रांची रोड पर फुदी गांव के पास मंगलवार अपराह्न लगभग चार बजे एक तेज रफ्तार अर्टिका कार ने एक ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में ऑटो चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान खूंटी थानांतर्गत डुगडुगिया गांव के रामपाल प्रधान उर्फ बुधु प्रधान (40) के रूप में हुई है। दुर्घटना के बाद मौके से फरार हुए अर्टिका कार को पुलिस ने जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया है। बताया गया कि ऑटो चालक कालामाटी से फुदी की ओर आ रहा था। इसी बीच तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी।

बंगभाषियों की उपेक्षा करने वाली सरकार अब परिणाम भुगतने को रहे तैयार : समिति

बांग्ला के अस्तित्व व सम्मान के लिए सड़क पर उतरे बंगभाषी, डीसी ऑफिस के समक्ष धरना

PHOTON NEWS JSR : झारखंड में बांग्ला भाषा व संस्कृति के अस्तित्व और सम्मान की रक्षा के लिए बंगभाषियों ने मंगलवार को जोरदार प्रदर्शन किया। झारखंड बंगभाषी उन्नयन समिति के बैनर तले साकची स्थित नेताजी सुभाष (आमबगान) मैदान से रैली निकली, जो उपायुक्त कार्यालय तक पहुंच कर धरना में तब्दील हो गई। धरना को संबोधित करते हुए बंगभाषी संगठनों के नेताओं ने राज्य में बांग्ला भाषा के साथ सौतेला व्यवहार किए जाने का आरोप लगाते हुए इसकी निंदा की। इसके साथ ही राज्य सरकार एवं प्रशासन को इसके परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। उन्होंने बांग्ला भाषा में शिक्षकों की नियुक्ति, पुस्तकों की छपाई, बांग्ला अकादमी का गठन करने की मांगें अब तक पूरी नहीं होने पर राज्य की हेमंत सरकार के प्रति असंतोष जताया। नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य में बांग्ला भाषियों की भावना के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है और आगामी विधानसभा चुनाव में इसका खामियाजा भुगतने के लिए सत्ताधारी दल को तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि राज्य अल्पसंख्यक आयोग में बांग्ला भाषी उपाध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति न करना बंगभाषियों के साथ अन्याय है।

डीसी ऑफिस के समक्ष प्रदर्शन करते बंगभाषी ● फोटोन न्यूज

वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि झारखंड के गठन में बंगभाषियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और अब उनकी भाषा व संस्कृति के अपमान को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि राज्य सरकार को अब इसका परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।

धनबाद में भी हुआ प्रदर्शन

समिति की ओर से बताया गया कि मंगलवार को ही धनबाद के रणधीर वर्मा चौक पर भी एकदिवसीय महाधरना दिया गया। समिति ने घोषणा की कि आंदोलन के अगले चरण में रांची में रैली और प्रदर्शन किया जाएगा। इसके माध्यम से राज्य के सभी राजनीतिक दलों को यह स्पष्ट संदेश दिया जाएगा कि बंगभाषियों की उपेक्षा अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सैलून संचालक की अपनी दुकान में मिली फंदे पर लटकी लाश

DHANBAD : निरसा के अंसार मोहल्ला निवासी सैलून संचालक 26 वर्षीय मोहम्मद तालिब की लाश उसकी ही दुकान में फंदे पर लटकी लाश मिली। बताया जाता है कि सोमवार रात को सिनेमा मोड़ स्थित अपने सैलून में उसका शव देखा गया। इसके बाद स्थानीय लोगों के सहयोग से परिजन उसे फंदे से उतारकर अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पाकर पुलिस ने शव को मंगलवार को पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेजा है। उसने आत्महत्या क्यों की, इस संबंध में परिजन व दोस्त भी नहीं बता पा रहे हैं। तालिब की लगभग छह महीने पहले शादी हुई थी। परिनों ने बताया कि तालिब जब 9 बजे रात तक घर नहीं पहुंचा तो उसके पिता मो. अतीक ने उसके मोबाइल पर कई बार फोन किया। जब किसी ने फोन नहीं उठाया, तो वे अपने पुत्र को खोजते हुए उसके सैलून पहुंचे। सैलून का शटर आधा से ज्यादा बंद था। उन्होंने सैलून के अंदर झांका तो पाया कि उनका लड़का रस्सी के सहारे फंदे पर लटका था।

जिला परिषद कार्यालय के बाहर प्रदर्शन, अंदर चल रही थी बैठक

जिला परिषद कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते लोग ● फोटोन न्यूज

CHAIBASA : जिला परिषद कार्यालय में मंगलवार को बैठक चल रही थी, जबकि बाहर आदिवासी किसान मजदूर पार्टी के बैनर तले प्रदर्शन हो रहा था। संस्था ने जिला परिषद की सामान्य बैठक में तीन जिला परिषद सदस्य और टोंटों उप प्रमुख ने जिला परिषद कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नाम 6 सूत्री मांग पत्र उपविकास आयुक्त को सौंपा। ज्ञापन में पंचायत प्रतिनिधियों को पेसा कानून के तहत पूर्ण अधिकार और डीएमएफटी फंड से वार्ड सदस्य को 20 लाख मुखिया पंचायत समिति सदस्य को 2 करोड़ और जिला परिषद सदस्य को 5 करोड़ सालाना फंड देने की मांग की गई। जिला परिषद सदस्य सह केंद्रीय अध्यक्ष जॉन मिरन मुंडा ने कहा कि पंचायत चुनाव हुए 10 साल बीत गए, लेकिन पंचायत प्रतिनिधियों को पूर्ण अधिकार नहीं दिया गया।

बजरंगबली मंदिर में मांस का टुकड़ा फेंका, तनाव

DHANBAD : चिरकुंडा थाना क्षेत्र की बाबूडंगाल सीएमडब्लूयू कालोनी में मंगलवार को बजरंगबली मंदिर में मांस का टुकड़ा फेंक देने से स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए हैं। लोगों ने जमकर हंगामा किया। वे लोग इस मामले में दोषी लोगों पर कार्रवाई करने की मांग पुलिस से कर रहे हैं। घटना की सूचना पाकर निरसा एसडीपीओ रजत माणिक बाखला, एग्यारकुंड के अंचलाधिकारी कृष्णा मरांडी, कालूबथान, गल्फरबाड़ी सहित सर्किल के पुलिस अधिकारी पहुंचे। वे लोग आक्रोशित लोगों को समझाने में लगे हैं। इस घटना को लेकर इलाके में तनाव की स्थिति है।

स्वरोजगार के लिए किसानों को दिया गया पशुपालन का प्रशिक्षण

प्रशिक्षण देते संस्था के प्रतिनिधि ● फोटोन न्यूज

KHUNTI : लीड्स और डब्ल्यूएचएच की प्रवासी मजदूर परियोजना के अंतर्गत मुरहू के सूटी गांव में स्वरोजगार के लिए 50 ग्रामीणों का पशुपालन पर दो दिवसीय प्रशिक्षण मंगलवार को संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को पशुओं की सही देखभाल, खान-पान, आवास, बीमारियों और दवाओं के साथ ही सरकार की योजनाएं जैसे बकरी पालन, मुर्गी पालन, गाय पालन और इनमें मिलने वाली सब्सिडी के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान जेएसएलपीएस के पशुपालन ट्रैनर दुर्गा साहू के द्वारा 60 बकरियों का टीकाकरण भी किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे बिनोद कुमार राम और ग्रेस तीडू की भूमिका अहम रही। बताया गया कि आगे भी इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम मुरहू के अलग अलग गांवों में करने की योजना है।

स्कूल में घुस कर पांचवीं की छात्रा से की छेड़खानी

DHANBAD : धनसार थाना क्षेत्र के एक सरकारी स्कूल में पांचवीं की छात्रा से छेड़खानी का मामला सामने आया है। घटना के बाद आरोपित युवक फरार हो गया, लेकिन पुलिस ने युवक की तलाश शुरू कर दी है। बताया जाता है कि मध्याह्न भोजन के दौरान छात्रा खाना खाने के बाद स्कूल के अंदर बने एक कमरे के पीछे चली गई। उसी वक्त उसके साथ छेड़खानी की घटना घटी। छेड़खानी के कारण छात्रा का शर्ट भी फट गया, जबकि छात्रा के शोर मचाने पर अन्य छात्राएं भी पहुंचीं। इसके बाद युवक फरार हो गया। आरोपित युवक चांदमारी का रहने वाला बताया जाता है। वहीं मामले को लेकर प्राचार्य ने बताया कि युवक स्कूल के अंदर कैसे आया, यह किसी को पता नहीं चल पाया है। यह स्कूल चारदीवारी से घिरा हुआ है। स्कूल के अंदर आने जाने के लिए एक ही मुख्य दरवाजा है। वहीं इन दिनों स्कूल के अंदर पूजा पंडाल बनाया जा रहा है।

धनबाद में पशुओं के लिए एंबुलेंस सेवा शुरू, 1962 डायल पर मिलेगी सुविधा

PHOTON NEWS DHANBAD : धनबाद में पशुओं के लिए एंबुलेंस सेवा शुरू की गई है। एंबुलेंस सेवा का उद्घाटन मंगलवार को मुख्यालय रांची में किया गया। धनबाद को 9 पशु एंबुलेंस मिले हैं। एक एंबुलेंस सिविल सर्जन कार्यालय के पास तैनात है। बाकी अन्य पशु एंबुलेंस प्रखंडों को भेजे गए हैं।

इसे लेकर झारखंड स्टेट इंप्लीमेंटिंग एजेंसी फॉर कैटल एंड बफैलो डेवलपमेंट, रांची और इएमआरआइ ग्रीन हेल्थ सर्विसेज के बीच समझौता हुआ है। ग्रीन हेल्थ सर्विसेज के मैनेजर संजय कुमार ने बताया कि धनबाद में यह सेवा शुरू हो गई है, लोग इस सेवा के लिए 1962 डायल कर सकते हैं। इससे पशुओं का इलाज तत्काल हो पाएगा।

समाहरणालय परिसर में खड़ी एंबुलेंस ● फोटोन न्यूज

केंद्र व राज्य के सहयोग से मिलेगी सुविधाएं

- पशुधन की सामान्य स्वास्थ्य स्थिति की जांच एवं इलाज करना।
- बीमारी का पता लगाने के लिए ऑन द स्पॉट निशुल्क निदान सेवा प्रदान करना।
- क्षेत्र में प्रचलित सामान्य बीमारियों का पता लगाना।
- घर-घर एंबुलेटरी सेवा (निवारक, उपचारात्मक और जागरूकता) प्रदान करना।
- उत्पादकता में सुधार के लिए लोगों को उचित आधुनिक तकनीक अपनाने के लिए शिक्षित करना।
- पशुधन और कुक्कुट रोगों की निगरानी करना।
- रोग के प्रकोप को नियंत्रित करना।
- विभागीय योजनाओं को लोकप्रिय बनाना
- पशुधन निवारक स्वास्थ्य देखभाल और उपलब्ध अन्य विभागीय सेवाओं के बारे में जागरूकता पैदा करना।

राज्यभर में शुरू हुआ पुलिस जन शिकायत समाधान कार्यक्रम, थाना स्तर पर भी पदाधिकारी रहेंगे मौजूद

पलामू में आईजी व एसपी ने सुनीं शिकायतें, पदाधिकारियों को दिए निर्देश

PHOTON NEWS PALAMU : पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर पलामू जिले में भी जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को किया गया। जिले के चारों पुलिस अनुमंडल स्तर पर अलग अलग क्षेत्र में पूर्वाहन 11 बजे से इस कार्यक्रम की शुरूआत हुई। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में कंट्रोल रूम बनाया गया था। सभी शिकायतें अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने सुनी और निदान करने की कोशिश की। ऑफलाइन और ऑनलाइन शिकायत सुनी गई। निर्धारित समय में शिकायतों पर एक्शन की जानकारी दी जाएगी। डालटनगंज पुलिस अनुमंडल स्तर पर जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन मेदिनीनगर के बेलवाटिका के गुरु तेग बहादुर हाल में किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पलामू रेंज के पुलिस महानिरीक्षक नरेंद्र कुमार सिंह, एसपी रिष्मा रमेशन, एसडीपीओ सदर मणिभूषण प्रसाद, शहर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर देवव्रत पोद्दार, एलआरडीसी प्यारेलाल समेत पुलिस और सिविल प्रशासन के कई पदाधिकारी शामिल हुए। मौके पर आईजी ने कहा कि शिविर का उद्देश्य शिकायतों का समाधान करना है। समाधान के लिए और प्रक्रिया की जानकारी के लिए थाना और सबडिवीजन कार्यालय में जाकर जानकारी ली जा सकती है। उन्होंने कहा कि शिविर के माध्यम से जनता को यह जानकारी भी देना है कि उनकी समस्या का समाधान कहां जाने पर तत्काल हो सकता है। कई लोगों को यह जानकारी नहीं रहती कि उनकी समस्या का समाधान किस स्तर पर और कहां होगा? एक हेल्प डेस्क भी बनाया गया है, जो लोग शिकायत लिखकर नहीं ला पाए हैं वह वहां अपनी शिकायत लिखवा सकते हैं। जो भी पदाधिकारी केयरलैस पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। शिविर में पाटन, मेदिनीनगर, शहर और सदर, चैनपुर, रामगढ़ आदि क्षेत्रों से लोगों ने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। इसी तरह जन शिकायत समाधान कार्यक्रम जिले के लेस्लीगंज, छतरपुर, विश्रामपुर, और हुसैनाबाद पुलिस अनुमंडल स्तर पर आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत करते पुलिस महानिरीक्षक नरेंद्र कुमार सिंह व साथ में एसपी रीष्मा रमेशन ● फोटोन न्यूज

धनबाद पुलिस ने जिले भर में शुरू किया अभियान, सुनीं समस्याएं

हीरापुर स्थित स्कूल में समस्या सुनते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

DHANBAD : धनबाद पुलिस ने मंगलवार से जन शिकायत समाधान कार्यक्रम शुरू किया है, जिसके तहत पहले दिन पांच जगहों पर शिविर लगाए गए। शिविर का आयोजन पुलिस अनुमंडल स्तर पर किया जा रहा है। धनबाद शहर के हीरापुर स्थित अभय सुंदरी स्कूल में शिविर लगाया गया है। यहां पुलिस उपाधीक्षक विधि व्यवस्था दीपक कुमार के नेतृत्व में धनबाद, बैंक मोड़, केंदुआडीह, पुटकी थाना के अलावा गोंदूडीह, मुनीडीह ओपी थाना पुलिस की ओर से शिकायतें सुनी जा रही हैं। सुबह करीब 10 बजे शिविर में आधा दर्जन लोग अपनी शिकायतें लेकर पहुंच चुके थे। सुबह में बारिश हो रही है, जिससे शिविर में कम लोग आए। डीएसपी विधि व्यवस्था दीपक कुमार ने बताया कि यह शिविर दिन भर चलेगा। इसमें पुलिस से संबंधित मामलों का त्वरित निष्पादन किया जाएगा। इसके अलावा आम शिकायतों को लेकर आवेदन आते हैं तो उस पर भी कार्रवाई की जाएगी।

चतरा में जन शिकायत समाधान शिविर में सुलझाए गए 14 मामले

शिविर में पहुंचे लोगों की शिकायत सुनते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

CHATRA : आम लोगों के समस्याओं के समाधान को लेकर इन दिनों झारखंड पुलिस चतरा जिले के विभिन्न प्रखंडों में शिविर आयोजित कर आए मामलों का निष्पादन कर रही है। पुलिस द्वारा मंगलवार को टंडवा थाना के राहम मे जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में 14 मामले सुलझाये गये, जिसका नेतृत्व डीएसपी प्रभात रंजन बरवार ने किया। जिले में जन शिकायत समाधान को लेकर गांव के लोगों को न तो थाना जाना पड़ रहा है और न ही अंचल कार्यालय। बताया गया कि जनहित कार्यक्रम में घरेलू हिंसा और जमीन विवाद के ज्यादा मामले आये।

हजारीबाग में आए 393 आवेदन

HAZARIBAG : नागरिकों की शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निवारण और पुलिस एवं नागरिकों के बीच अविश्वास एवं दूरी समाप्त करने के उद्देश्य से जन शिकायत समाधान शिविर लगाया जा रहा है। पहले दिन समाहरणालय परिसर में लगे शिविर में 393 आवेदन आए, जिसमें जमीन विवाद के 150, पारिवारिक विवाद के 90 व अन्य 153 थे। इसमें 97 आवेदनों का तत्काल निष्पादन कर दिया गया।

BRIEF NEWS

मुख्यमंत्री ने परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद को दी श्रद्धांजलि

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने मंगलवार को परमवीर चक्र विजेता अमर शहीद वीर अब्दुल हमीद के शहादत दिवस पर कांटाटोली चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने परमवीर अब्दुल हमीद चौक, कांटाटोली के जीर्णोद्धार कार्य का शिलान्यास भी किया। इस अवसर पर राज्यसभा सदस्य महुआ माजी, विधायक कल्पना सोरेन सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पार्षद हत्याकांड में आरोपियों की कुर्की जब्ती करेगी पुलिस

RANCHI : रांची पुलिस पार्षद वेद प्रकाश हत्याकांड के आरोपितों धीरज मिश्रा और सत्यम पाठक के खिलाफ कुर्की जब्ती की कार्रवाई शुरू करेगी। इस मामले के जांच अधिकारी ने रांची सिविल कोर्ट के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की कोर्ट में दोनों आरोपितों के खिलाफ इश्तहार जारी करने का आग्रह किया है। इससे पहले कोर्ट दोनों आरोपितों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर चुका है। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने धुर्वा में वेद प्रकाश को गोली मार दी गयी थी। लंबे इलाज के बाद दिल्ली में वेद प्रकाश की तीन अगस्त को मृत्यु हो गयी थी। इस केस के एक आरोपित को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है जबकि अन्य आरोपित फरार है।

नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म मामले में दो हिरासत में

RANCHI : तमाड़ थाना क्षेत्र की नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने के मामले में तमाड़ थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई। दर्ज प्राथमिक के अनुसार नाबालिग का अपहरण कर लखनऊ ले जाकर छोड़ दिया गया था। स्थानीय पुलिस ने पीड़िता को वहां से महिला सुरक्षा गृह में रखवा दिया। बाद में एक एनजीओ के प्रयास से पीड़िता को सोमवार को घर लाया गया। वहीं महिला थाना प्रभारी के साथ रांची के ग्रामीण एसपी ने पूछताछ कर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पीड़िता के बयान पर दो नाबालिग को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। सोमवार की दोपहर को पीड़िता को मेडिकल टेस्ट के लिए भेजा गया। रिपोर्ट आने के बाद दुष्कर्म के मामले का पता चल सकेगा। बता दें पीड़िता तमाड़ के एक स्कूल में पढ़ाई करती है। वह 16 अगस्त को अपने घर से स्कूल के लिए निकली थी। फिर लापता हो गई।

यौन उत्पीड़न के दोषी कैफी को मिली सजा

RANCHI : रांची सिविल कोर्ट ने नाबालिग का यौन उत्पीड़न करने के आरोपी कैफी खान को दोषी करार देते हुए सजा का एलान किया है। पोक्सो कोर्ट के विशेष न्यायाधीश आसिफ इकबाल की अदालत ने कैफी खान को तीन वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही कोर्ट ने उस पर 10 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया है। अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि जुमार्ना की राशि नहीं देने पर कैफी को तीन महीने की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

सहकारिता महासम्मेलन 2024 का उद्घाटन, 236 चलंत पशु चिकित्सालय वाहनों का शुभारंभ

सीएम हेमंत सोरेन बोले- किसानों की समृद्धि के लिए दो लाख तक का कृषि ऋण माफ

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि उनकी सरकार और कृषि विभाग का उद्देश्य राज्य में किसानों को आर्थिक रूप से मजबूती प्रदान करना है। सरकार उनके साथ खड़ी है। यही वजह है कि दो लाख तक का कृषि ऋण माफ करने का निर्णय लिया गया है। ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले अधिकतर लोगों का जुड़ाव खेती-बाड़ी के कार्यों से है।

पिछले 4 वर्षों में राज्य सरकार द्वारा किसान वर्ग के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं का संचालन और नीति निर्धारण किया गया है, जो आने वाले समय में मील का पत्थर साबित होगा। जब गांव समृद्ध होंगे तभी राज्य समृद्ध होगा। उनकी सरकार राज्य के गांवों की जड़ों को मजबूत करने पर लगी है। जब गांव की जड़ें मजबूत होंगी तब स्थायी तौर पर राज्य भी मजबूत होगा। वे डिबडीह में आयोजित प्रमंडलस्तरीय सहकारिता महासम्मेलन, रांची-2024 के उद्घाटन एवं 236 चलंत पशु चिकित्सालय वाहन के शुभारंभ के मौके पर बोल रहे थे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य में उनकी सरकार के गठन के चंद दिनों बाद से ही कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। तमाम चुनौतियों से लड़ते-लड़ते पिछले चार वर्षों में राज्य के गरीब, वृद्धजन, महिलाएं, किसान, आदिवासी, दलित, शोषित, पिछड़े सभी वर्गों के उत्थान के लिए उनकी सरकार ने जो लकीर खींची है, वह बहुत मजबूत, लंबी और गाढ़ी है, उसे मिटा पाना मुश्किल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार सदैव यहां के किसान परिवारों के साथ खड़ी है। राज्य सरकार द्वारा कृषकों के 2 लाख रुपए तक के कृषि ऋण माफी का निर्णय लिया गया है। राज्य सरकार अब कृषि कार्य के लिए किसान परिवारों को बेहतर गुणवत्ता वाले पशु प्रदान कर रही है। राज्य सरकार ने पहली बार ऐसी नीति बनाई जिसमें कृषकों को प्रदान किए जाने वाले सभी पशुओं का इंश्योरेंस किया जाता है, ताकि पशुओं के मरने पर उन्हें बीमा की राशि उपलब्ध कराई जा सके। राज्य में बड़े पैमाने पर लोग मछली पालन के व्यवसाय से भी जुड़े हैं। राज्य सरकार यहां विभिन्न पशुपालन योजनाओं को बढ़ावा दे रही है। इस अवसर पर कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह, सांसद सुखदेव भगत, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, विधायक कल्पना सोरेन, झारखंड गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते सीएम हेमंत सोरेन, साथ में अन्य। ● फोटोन न्यूज

खेत-खलिहान और पशुधन ग्रामीणों के बैंक एवं एटीएम

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि ग्रामीणों का मूलधन खेत-खलिहान और पशुधन होता है। आप इसे यह कह सकते हैं कि किसानों का बैंक और एटीएम कार्ड खेत-खलिहान और पशुधन ही है। ग्रामीण किसान परिवारों की हर जरूरत इसी से पूरी होती है। उनकी सरकार ने वनोपज को बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य को पूरा कर रही है। ग्रामीणों को वन उपज का सही मूल्य मिल सके, इसके लिए भी उनकी सरकार संकल्पित है। खेती-कृषि, विभिन्न पशुपालन तथा वनोपज को एक उचित प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया जाए तो आने वाली कई समस्याओं से किसानों को बचाया जा सकेगा।

कृषि की वैकल्पिक व्यवस्था पर विशेष बल

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि हमारा देश कृषि प्रधान देश है। इस देश में किसान वर्ग के लिए जो नीतियां बनायी गयी हैं, उसका फलाफल बहुत कारगर साबित नहीं हुआ है। बड़े पैमाने पर किसान वर्ग के लोग अब खेतिहर मजदूर के रूप में गिने जा रहे हैं। भौतिकवादी युग में विकास के विभिन्न मापदंड, सही नीति निर्धारण की कमी तथा जलवायु परिवर्तन किसानों को मजदूर बनने पर मजबूर कर रही है। यह एक बहुत गंभीर और चिंतनीय विषय है। उनकी सरकार ने राज्य में किसान वर्गों के लिए खेती की वैकल्पिक व्यवस्था पर विशेष बल दिया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा मछली पालन, गाय पालन, मुर्गी पालन, दुग्ध उत्पादन सहित विभिन्न पशुपालन के माध्यम से जोड़कर कृषकों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए निरंतर योजनाएं संचालित की जा रही है। कृषकों से अपील की कि वे पशुपालन से संबंधित विभिन्न योजनाओं का लाभ जरूर लें। झारखंड में परंपरागत खेती-कृषि के साथ-साथ पशुपालन की परंपरा भी रही है। इन सभी परंपराओं का अनुकरण करते हुए हमसभी लोग आज यहां तक पहुंचे हैं।

मुख्यमंत्री ने अपने बड़े भाई दुर्गा सोरेन को दी श्रद्धांजलि, कहा-हमेशा गरीबों के लिए खड़े रहे

श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद हेमंत, कल्पना सोरेन व अन्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आज अपने बड़े भाई दुर्गा सोरेन और झारखंड आंदोलन के नेता दुर्गा सोरेन की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम हेमंत सोरेन ने लोवाडीह, नामकोम स्थित दुर्गा सोरेन स्मारक पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उन्हें पुष्प अर्पित किए। इस दौरान सीएम हेमंत सोरेन के साथ उनकी पत्नी और गांडेय विधायक कल्पना सोरेन और राज्यसभा सांसद महुआ माजी मौजूद रहीं। इस दौरान सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड राज्य आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने वाले महान क्रांतिकारी दादा स्व दुर्गा सोरेन की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन। उनका जीवन प्रेरणादायक रहा है। दुर्गा सोरेन अपने पूरे जीवन काल में गरीबों, वंचितो और शोषितो के लिए हमेशा खड़े रहे हैं। झारखण्ड अलग राज्य आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने वाले महान क्रांतिकारी आदरणीय दादा स्व दुर्गा सोरेन जी की जयंती पर शत-शत नमन।गरीब, वंचित और शोषित वर्ग के लिए हमेशा खड़े रहने वाले मेरे अभिभावक दादा का जीवन हम सभी के लिए हमेशा प्रेरणादायक रहा है।

रतन हाइट्स के जमीन मालिक को सुप्रीम कोर्ट से झटका, खारिज हो गया एसएलपी

PHOTON NEWS RANCHI : मोरहाबादी स्थित रतन हाइट्स के जमीन मालिक को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने रतन हाइट्स के जमीन मालिक अशोक कुमार वालमजी परमार एवं अन्य की ओर हाई कोर्ट के खंडपीठ एवं एकल पीठ के आदेश को चुनौती देने वाली एसएलपी को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के खंडपीठ एवं एकल पीठ के आदेश को सही बताते हुए कहा कि इस एसएलपी को सुनने का कोई ग्राउंड नहीं बनता है।

दरअसल, हाई कोर्ट की खंडपीठ ने मोरहाबादी स्थित रतन हाइट्स का मामले में हाई कोर्ट के एकल पीठ के आदेश के खिलाफ बिल्डर वीकेएस रियलिटी की अपील को खारिज कर दिया था। यहां बता दे सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट की खंडपीठ में प्रतिवादी फ्लैट ओनर की ओर से अधिवक्ता सुमित गड़ोदिया ने बताया था कि मामले में एकल पीठ ने उनके पक्ष में फैसला दिया है, लेकिन बिल्डर एवं लैंड ओनर ने कोर्ट के आदेश का पालन नहीं किया है। कोर्ट को यह भी बताया गया कि एकल पीठ के आदेश के बावजूद भी बिल्डर ने रतन हाइट के बहु मंजिला इमारत के बगल में स्थित गड्ढे को नहीं भरा है। जिससे इस बहुमंजिला इमारत का अस्तित्व खतरे में है, यहां रहने वाले लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। रतन हाईट्स बिल्डिंग रेसिडेंशियल सोसाइटी की याचिका पर हाई कोर्ट की एकल पीठ ने इस जुलाई 2023 में अपना फैसला सुनते हुए नगर आयुक्त द्वारा संशोधित नक्शा पास किए जाने के आदेश एवं संशोधित नक्शे को रद्द कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि 46 कट्ठा पर जो कॉमन एरिया था वह कॉमन एरिया ही रहेगा। कोर्ट ने लैंड ओनर और बिल्डर वीकेएस रियलिटी को गड्ढा भरने और यदि उसमें कोई कंस्ट्रक्शन किया है तो उसे हटाने, रिटेनिंग वॉल हटाने और उस जमीन को एक माह में सोसाइटी को हैंड ओवर करने का दिया निर्देश दिया था। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि 86 कट्ठा का नक्शा पास हुआ था वह सही था, उसमें कॉमन एरिया डिसाइडेड था। इसलिए 86 कट्ठा में से 46 कट्ठा को अलग कर उसका संशोधित नक्शा पास करना गलत है।

जिनके कारण जलापूर्ति योजना में विलंब हुआ, उनपर कार्रवाई करे सरकार : हाईकोर्ट

झारखंड हाइकोर्ट ने साहिबगंज में पाइपलाइन जलापूर्ति योजना पूरी होने में देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश राज्य सरकार को दिया है। हाई कोर्ट की खंडपीठ ने इस संबंध में राज्य सरकार से एक्शन टेकन रिपोर्ट मांगा है। साथ ही अगली सुनवाई में साहिबगंज में पेयजल आपूर्ति के संबंध में प्रगति रिपोर्ट मांगी है। खंडपीठ ने मौखिक कहा कि चाहे एग्जीक्यूटिव इंजीनियर हो या चीफ इंजीनियर या इंजीनियर इन चीफ या फिर ठेकेदार हो जिनके कारण साहिबगंज में जलापूर्ति योजना पूरी नहीं हो पाई है उन पर कार्रवाई करें। इससे पहले राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन ने कोर्ट को बताया गया कि गलत शपथ पत्र दाखिल करने वाले एग्जीक्यूटिव इंजीनियर को शो कॉज नोटिस जारी किया गया है।कोर्ट ने मौखिक कहा कि पानी लोगों की मूलभूत जरूरत होती है इसके बिना सामाजिक दायित्व पूरा होना असंभव है। गुड गवर्नेंस के तहत राज्य सरकार को प्राथमिकता के आधार पर साहिबगंज हो या पाकुड़ हो या मेदिनीनगर हो, यहां के लोगों को पेयजल उपलब्ध कराना होगा।

न्यू आनंद नगर हरमू में बप्पा का हुआ मूर्ति विसर्जन

RANCHI : मंगलवार को नारायणी गरुड़ सेना गणेश पूजा समिति न्यू आनंद नगर हरमू में 10 सितंबर दिन मंगलवार को समय 3:00 बजे से महाभोग का आयोजन किया गया और शाम में 7:00 बजे बप्पा का विसर्जन निकल गया। मुख्य रूप से साहिल साहू, अमित कुमार, अनिमेष सिंह, आर्दश सिंह सकूल कुमार, साजन सेठ, गौरव वर्मा, हर्ष कुमार, गोलू पांडे, रोहन कुमार, अनीश साहू उपस्थित थे।

सामूहिक अवकाश पर गए सचिवालय सेवा के अफसर

PHOTON NEWS RANCHI : कार्मिक प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग के सचिव प्रवीण टोप्पो के साथ झारखंड सचिवालय सेवा संघ के विभिन्न मांगों पर वार्ता के बाद सहमति नहीं बनने के बाद झारखंड सचिवालय सेवा संघ मंगलवार 10 सितंबर से तीन दिवसीय सामूहिक अवकाश पर चले गये हैं। यह अवकाश 12 सितंबर गुरूवार तक रहेगा। सचिवालय सेवा संघ के अध्यक्ष ध्रुव प्रसाद व महासचिव सिदार्थ बेसरा ने कहा कि संघ के प्रत्येक सदस्य की यह जिम्मेदारी है कि यह कार्यक्रम पूर्ण -रूपेण सफल हो। हम सब मिल कर यह सुनिश्चित करेंगे कि हमारे हक-हुकूक की आवाज सरकार के कानों तक पहुंचे। इतिहास साक्षी है कि अपने सम्मान के लिए झारखण्ड सचिवालय सेवा संघ ने लंबा संघर्ष किया है और सदैव विजयी हुआ है। यह इतिहास दोहराने का अवसर है।

18 को होगा पासवा का शिक्षक सम्मान समारोह

RANCHI : प्राइवेट स्कूल एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) के 12वें शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन 18 सितंबर को होगा। आयोजन सोशल डेवलपमेंट सेंटर पुरुलिया रोड रांची नियर मिशन चौक में होना होगा। इसमें पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सैयद शमाइल अहमद बतौर मुख्य अतिथि शामिल हो रहे हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के मंत्री होंगे। उन्हीं के हाथों से शहर के एक हजार से अधिक शिक्षकों को सम्मानित करने का प्रोग्राम है। उक्त जानकारी पासवा के महासचिव मसूद कच्छी ने दी है।

किशन सिन्हा ने थाने में 6 सितंबर को ऋषभ वर्मा के खिलाफ दर्ज कराई थी शिकायत

स्टार्टअप कंपनी 'जूआ' के खिलाफ मामला दर्ज

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची के अरगोड़ा थाना क्षेत्र में एक कंपनी द्वारा ठगी किए जाने के मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। नवाटोली, पंडरा, रातू रोड के किशन सिन्हा ने इस मामले में थाने में 6 सितंबर को ऋषभ वर्मा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी।

अरगोड़ा थाना प्रभारी को दी गई अपनी शिकायत में किशन सिन्हा ने बताया है कि साल 2016 में ऋषभ वर्मा ने जूआ बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी दिल्ली में शुरू की थी। पहली बार वह कंपनी के सिलसिले में मुझे 2019 के सितंबर में

- बड़े-बड़े सपने दिखाकर कंपनी से जोड़ा और काम करवाने के बाद नहीं दिया वेतन

मिला और बड़े-बड़े सपने दिखाकर कंपनी में पार्टनर बनाने का लालच दिया। उसने रांची में कंपनी का काम शुरू किया। कंपनी में उसने बिना पेपर वर्क किए सितंबर 2022 तक काम करवाया। बहुत दबाव देने पर एक और नई कंपनी बनाकर उसमें मुझे 10% का हिस्सेदार बनाया। इसके बाद धोखा देकर उसने इसी साल फरवरीमें एक और नई कंपनी बनाई। इसका पता हरमू हाउसिंग कॉलोनी में रखा। मुझे और पुरानी कंपनी के सभी कर्मचारियों को धोखा देकर उसने काम करवाया, लेकिन पैसे नहीं दिए। दबाव बनाने पर उसने सबका नंबर धीरे-धीरे ब्लॉक करना शुरू कर दिया। जब कर्मचारियों को पता चला कि सबको कंपनी से निकाल दिया गया है, तब सबने अपना पूरा बकाया मांगना शुरू कर दिया। उसने कर्मचारियों से कहा कि किसी का कोई जॉइनिंग लेटर ही नहीं है, तो कंपनी में काम कैसे किया। कंपनी में काम करने वाले जिन कर्मचारियों का बकाया है, उनमें शशि शब्बीर हुसैन, मोहन कुमार, गौरव कुमार, भीम कुमार, उदय कुमार विकास केरकेट्टा, सुमित कुमार, विश्वजीत राम, संतोष कुमार, अक्षत गुप्ता, नितेश कुमार अमित चौधरी आदि शामिल हैं। ऋषभ वर्मा की कंपनी में नेहा कुमारी नाम की एक स्टाफ है, जो खुद को कंपनी की मालिक बताती है और आए दिन सबको धमकी देती रहती है। अरगोड़ा थाना प्रभारी ने बताया कि किशन सिन्हा ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया है। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस जांच में जुटी है। जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान का पड़ेगा असर, अब तक 14 प्रतिशत कम हुई बारिश

झारखंड के 6 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट

PHOTON NEWS RANCHI : रांची में बुधवार को बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विज्ञान केन्द्र रांची (आईएमडी) ने भारी बारिश की संभावना को देखते हुए 10 और 11 सितंबर को ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं 12 सितंबर के लिए यलो अलर्ट जारी किया है।

बारिश के साथ कई क्षेत्रों में आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है। रांची में भी अगले 14 सितंबर तक हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की बात कही गई है। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान सोमवार की देर शाम ओडिशा तट को पार करते हुए आगे बढ़ गया है। इसका असर झारखंड पर भी दिख रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में अबतक 14 % कम बारिश हुई है। गढ़वा, पलामू, लातेहार, लोहरदगा, गुमला और सिमडेगा में भारी बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने कहा है कि इन 6 जिलों में 7 से 11 सेंटीमीटर तक वर्षा हो सकती है। इधर, रांची में रविवार दोपहर से ही मौसम का मिजाज बदला हुआ है। सोमवार की शाम तक रूक-रूक कर अलग-अलग क्षेत्रों में बारिश हुई है। मौसम के बदले तेवर की बात करें तो सोमवार को सुबह की शुरूआत बादल छाने के साथ हल्की बारिश से हुई। दोपहर में हल्की धूप भी निकली, लेकिन कुछ क्षेत्रों में बारिश भी हुई। इसके बाद शाम में तेज बारिश हुई। पिछले 24 घंटे में रांची सहित राज्य के लगभग सभी जिलों के तापमान में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। सबसे अधिक 9 एमएम बारिश सरायकेला में और सबसे अधिक 35.9 डिग्री सेल्सियस तापमान गोड्डा का दर्ज किया गया। देश में सामान्य से अधिक पर झारखंड में अभी भी 14 प्रतिशत कम बारिश हुई है। मौसम विभाग की माने तो अगले दो दिनों तक बन रहे सकुर्लेशन से अच्छी बारिश की संभावना है। ऐसे में कुछ हद तक कमी की भरपाई हो सकती है। इस माह के अंत तक एक-दो और सिस्टम बना तो बारिश की कमी पूरी हो सकती है। अभी तक राज्य में 743.2 एमएम बारिश हुई है, जो सामान्य से 14 प्रतिशत कम है।

वेटनरी कॉलेज के छात्रों ने जमकर किया प्रदर्शन, गेट में जड़ दिया ताला

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को वेटनरी कॉलेज रांची के छात्रों ने कॉलेज में ताला जड़ दिया है। छात्र अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने आरोप लगाया है कि सरकार उनके साथ दिहाड़ी मजदूरों से भी बुरा व्यवहार कर रही है। वहीं विश्वविद्यालय की तरफ से सिर्फ आश्वासन दिया जाता है।

छात्रों ने कहा कि इस बार मात्र 400 रुपये प्रति माह स्टाइपेंड देने का ऑफर दिया गया है। छात्रों का कहना है कि इस हिसाब से प्रतिदिन के मात्र 13 रुपये होते हैं। जबकि दिहाड़ी मजदूर भी इससे ज्यादा कमाते हैं। लिहाजा, प्रतिमाह कम से कम इंटर्नशिप स्टाइपेंड 15 हजार रुपये प्रति माह दिया जाए। इस दौरान छात्रों ने बताया कि 2016 बैच के स्टूडेंट्स को इंटर्नशिप राशि नहीं दी गई थी। इस दौरान छात्रों ने बताया कि पश्चिम बंगाल में 20 हजार रुपये प्रति माह, बिहार में 17 हजार रुपये प्रति माह, केरल में 20 हजार रुपये प्रति माह, बीएचयू में 23,500 रुपये प्रति माह, छत्तीसगढ़ में 13 हजार रुपये स्टाइपेंड दिए जाते हैं। रांची वेटरनरी कॉलेज के छात्रों ने कहा कि यहां पीजी के छात्रों को फेलोशिप के तौर पर 1500 रुपये दिए जाते हैं। छात्रों ने कहा कि फेलोशिप की राशि बढ़ाकर कम से कम 8,500 रुपये किया जाए। छात्रों ने बताया कि पूर्व में 2015 तक सेमेस्टर सिस्टम था। तब छह माह का इंटर्नशिप होता था और उसी हिसाब से भत्ता मिलता था। लेकिन 2016 से साढ़े पांच साल का कोर्स और एक साल का इंटर्नशिप का प्रावधान किया गया।

प्रदर्शन करते वेटनरी कॉलेज के छात्र। ● फोटोन न्यूज

फर्जी राशन कार्ड बनवाते पकड़ा गया मुर्शिदाबाद का राजमिस्त्री

ग्रामीणों ने गांव छोड़ने की दी चेतावनी, आदिवासी युवती से कर ली है शादी

PHOTON NEWS MANOHARPUR: पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर में फर्जी तरीके से राशन कार्ड बनवा रहे मुर्शिदाबाद के एक राजमिस्त्री को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। इस मामले को लेकर ग्रामीण काफी गंभीर होकर ग्राम सभा कर ग्रामीणों ने राजमिस्त्री को तुरंत गांव छोड़ने का फरमान सुनाया है।

जानकारी के अनुसार, पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर प्रखंड अंतर्गत जराइकेला थाना क्षेत्र के मकरंडा गांव में एक सीएससी सेंटर से फर्जी तरीके से राशनकार्ड में नाम एंट्री कराने वाले मुर्शिदाबाद के राजमिस्त्री मो.मोजीबुर रहमान को पकड़ लिया। इसे लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश देखा गया। इस मामले को लेकर मंगलवार की सुबह ग्रामीणों ने मकरंडा गांव के चबूतरा में ग्राम मुंडा की अध्यक्षता

बैठक करते ग्रामीण ● फोटोन न्यूज

में एक बैठक कर तुरंत ही उसे अपने सभी फर्जी दस्तावेजों को जमा कर गांव छोड़ने की चेतावनी दी है।

ग्रामीणों ने बताया कि मो.मोजीबुर कुछ वर्षों से यहां रहकर राजमिस्त्री का काम कर रहा था। इसी दौरान उसने गांव की उर्मिला भूमिज के साथ शादी कर ली और उसके घर में ही रहने लगा। सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के चक्कर में मंगलवार को सीएससी में राशन कार्ड बनवाने की फिराक में था। इसकी जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने इसका विरोध किया। ग्राम सभा आयोजित की गई। राशन कार्ड के लिए दिए गए आवेदन को तुरंत निरस्त करने को कहा गया है। इसके साथ अपनी पत्नी को लेकर यहां से अपने गांव चले जाने का निर्णय सुनाया।

बैनर लगा दो व्यक्ति की हत्या करने की दी चेतावनी

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिला में चक्रधरपुर प्रखंड के बांझीकुसूम-केरा मुख्य सड़क मार्ग पर एक बबूल के पेड़ में बैनर लगाकर दो व्यक्तियों की हत्या करने की चेतावनी दी गई है। इससे आसपास रहने वाले लोगों में दहशत का माहौल है। मंगलवार को बैनर में असामाजिक तत्वों द्वारा लाल रंग के एक कपड़े में चेतावनी देते हुए दो लोगों का मर्डर करने के संबंध में लिखा गया है, जिसमें एक ड्राइवर और दूसरा इलेक्ट्रिक मिस्त्री लिखा हुआ है। समाचार लिखे जाने तक बबूल के पेड़ पर बैनर लगा हुआ था। इस संबंध में थाना प्रभारी राजीव रंजन से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन बात नहीं हो सकी।

बरसात में पंप रोड का हो रहा कालीकरण लोगों ने किया विरोध

CHAKRADHARPUR : शहर की पंप रोड का निर्माण करीब दो साल पहले एक करोड़ की लागत से किया गया था, लेकिन इसी बीच वह जर्जर हो गया। नगर परिषद ने छह महीने पहले पंप रोड में सड़क की कालीकरण का टेंडर निकाला। केडी शाह कंस्ट्रक्शन को करीब 72 लाख रुपये में एनएच 75 (ई) से सेक्रेड हार्ट इंग्लिश स्कूल तक कालीकरण का काम मिला। इसका शिलान्यास 16 मार्च को किया गया था। अब जब छह महीने बीतने को है और क्षेत्र में बारिश हो रहा है। ऐसे समय में ठेकेदार द्वारा सड़क का कालीकरण करना शुरू किया गया है। इसका स्थानीय लोगों ने पुरजोर विरोध किया, क्योंकि बारिश की वजह से गिट्टी में अलकतरा चिपक नहीं रह रहा है। मंगलवार को स्थानीय लोग एकजुट होकर विरोध करने लगे और ठेकेदार को काम बंद करने की चेतावनी दी। हालांकि ठेकेदार ने उक्त गड़बड़ी को ठीक करने का आश्वासन दिया, लेकिन लोग नहीं माने। उधर, जानकारी मिलने पर सांसद जोबा मांझी ने संवेदक को फटकार लगाते हुए सड़क निर्माण कार्य तत्काल बंद करने को कहा। सांसद ने कहा कि जब बारिश बंद हो जाए, तो गुणवत्तापूर्ण तरीके से सड़क का निर्माण किया जाए।

पीएम के आगमन को लेकर जीएम ने किया कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

प्रधानमंत्री 15 को टाटानगर से 10 वंदेभारत ट्रेनों को दिखाएंगे झंडी

PHOTON NEWS JSR: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 15 सितंबर को जमशेदपुर आगमन होने वाला है। इस दौरे के दौरान वे टाटानगर रेलवे स्टेशन से टाटा-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। प्रधानमंत्री के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम को लेकर रेलवे प्रशासन ने युद्धस्तर पर तैयारी शुरू कर दी है। मंगलवार को एक बार फिर साउथ ईस्टर्न रेलवे के महाप्रबंधक (जीएम) अनिल कुमार मिश्रा ने टाटानगर रेलवे स्टेशन का दौरा किया और संबंधित अधिकारियों के साथ प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियों का निरीक्षण किया। जानकारी के मुताबिक, प्रधानमंत्री 15 सितंबर की सुबह लगभग 10.30 बजे टाटानगर रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे और टाटा-पटना वंदेभारत एक्सप्रेस को झंडी दिखाएंगे। इसके साथ ही, अन्य 10 नई वंदेभारत ट्रेनों को भी वे टाटानगर से ही ऑनलाइन हरी झंडी दिखाएंगे।

टाटानगर स्टेशन का निरीक्षण करते जीएम व अन्य ● फोटोन न्यूज

आज आएगी एसपीजी की 40 सदस्यीय टीम

प्रधानमंत्री के आगमन के पूर्व उनकी सुरक्षा को लेकर एसपीजी (स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप) का 40 सदस्यीय टीम बुधवार को जमशेदपुर पहुंच जाएगी। यहां आने के बाद टीम रेलवे एवं जिला प्रशासन की ओर से की गई तैयारियों का जायजा लेगी साथ ही अधिकारियों के साथ बैठक करेगी। एसपीजी की टीम को ठहराने की व्यवस्था सर्किट हाउस में की गई है। सुरक्षा की दृष्टि से आरपीएफ भी मुस्तैद है। वह बुधवार को एसपीजी की टीम के साथ भी बैठक करेगी।

प्रधानमंत्री टाटानगर रेलवे स्टेशन में ही कृषि मंत्रालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। इसके बाद बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान में जनसभा को संबोधित करेंगे। जीएम अनिल मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी तैयारी 14 सितंबर तक पूरी कर ली जाएं। इस दौरान स्वच्छता पखवाड़ा के तहत 14 सितंबर से 1 अक्टूबर तक टाटानगर स्टेशन पर विशेष सफाई अभियान भी चलाया जाएगा। रेलवे द्वारा केंद्र सरकार के निर्देशानुसार इस अभियान को पूरी गंभीरता से निभाया जाएगा और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए लगातार प्रयास जारी रहेंगे।

समाचार सार

गोविंदपुर-परसुडीह मेन रोड का निर्माण शुरू

JAMSHEDPUR : सांसद बिद्युत बरण महतो ने गोविंदपुर-परसुडीह मुख्य सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। सांसद ने कार्य भी प्रारंभ करा दिया। क्षेत्र की जिला परिषद सदस्य कुसुम पूर्ति व जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र के भाजपा नेता बिमल बैठा ने कहा कि हम सभी का प्रयास रंग लाया है। इस अवसर पर कई भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे।

एबीवीपी के एलबीएसएम इकाई अध्यक्ष बने कृष्ण

JAMSHEDPUR : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की जमशेदपुर महानगर इकाई की ओर से मंगलवार को एलबीएसएम कॉलेज इकाई का विस्तार किया गया। के तहत कृष्ण कुमार यादव को कॉलेज अध्यक्ष और करण पटेल को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। कॉलेज परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जमशेदपुर महानगर मंत्री अभिषेक कुमार, प्रांत खेलो भारत सह प्रमुख अमन ठाकुर, महानगर कार्यालय मंत्री अभिजीत कुमार समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कागलनगर में खुला नि:शुल्क क्लीनिक

JAMSHEDPUR : रोटरी क्लब ऑफ जमशेदपुर फेमिना ने कागलनगर पार्क, रोड न. 1 में एक निःशुल्क मदर एंड चाइल्ड केयर क्लीनिक खोला है, जिसका उद्घाटन मंगलवार को असिस्टेंट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर निभा मिश्रा ने किया। क्लीनिक में स्त्री रोग विशेषज्ञ, दंत चिकित्सक और फिजिशियन द्वारा रविवार को मरीजों के स्वास्थ्य की जांच निःशुल्क की जाएगी। इस मौके पर अध्यक्ष सीमा कुमार, सचिव श्वेता सिंह, पसम आडेसरा, शशि गाडिया, डॉ. रेणुका चौधरी, गीता दुबे, तजिंदर कौर भामरा व कंचन प्रसाद उपस्थित थीं।

टेल्को थाना के तीन पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

JAMSHEDPUR : टेल्को थाना के तीन पुलिसकर्मी को लाइन हाजिर किया गया है। यह कार्रवाई थाना परिसर में बीते दिनों भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ अभद्र व्यवहार को लेकर एसएसपी किशोर कौशल ने की है। उन्होंने तत्काल प्रभाव से दो एएसआई और एक आरक्षी को लाइन हाजिर कर दिया।

सौमित्र मजूमदार बने दपू रेलवे के नए एजीएम

JAMSHEDPUR : दक्षिण पूर्व रेलवे जोन के नए एडिशनल जनरल मैनेजर सौमित्र मजूमदार बनाए गए हैं। उन्होंने मंगलवार को कोलकाता गार्डेनरीच में पदभार ग्रहण कर लिया। 1989 बैच के अधिकारी सौमित्र मजूमदार इसके पहले प्रिंसिपल चीफ कर्मशियल मैनेजर, इंडियन रेलवे ट्रैफिक सर्विस, इस्टर्न रेलवे में चीफ पब्लिक रिलेशन ऑफिसर, चीफ पैसेंजर ट्रांसपोर्टेशन मैनेजर और साउथ इस्टर्न रेलवे में चीफ ट्रैफिक प्लानिंग मैनेजर भी रह चुके हैं।

ऊर्जा खपत पैटर्न में 'कठोर' व 'तत्काल' परिवर्तन की जरूरत : प्रो. चेतन सिंह

● सीएसआईआर-एनएमएल में 'जलवायु परिवर्तन और सुधारात्मक कार्रवाइयों की 6-बिंदु की समझ' विषयक व्याख्यान आयोजित

PHOTON NEWS JSR: बमार्माइंस स्थित सीएसआईआर-एनएमएल में मंगलवार को 'जलवायु परिवर्तन और सुधारात्मक कार्रवाइयों की 6-बिंदु की समझ' विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें आईआईटी बॉम्बे के प्रोफेसर तथा एनर्जी स्वराज फाउंडेशन के संस्थापक प्रो. चेतन सिंह सोलंकी ने कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की। प्रो. सोलंकी ने इस बात पर जोर दिया कि क्योटो प्रोटोकॉल और

वैज्ञानिकों को संबोधित करते प्रो. चेतन सिंह सोलंकी ● फोटोन न्यूज

पेरिस समझौते जैसे अंतरराष्ट्रीय समझौतों, अनेक सीओपी बैठकों और दुनिया भर के हजारों संगठनों के सामूहिक प्रयासों के बावजूद, जलवायु परिवर्तन न तो रुक रहा है और न ही धीमा हो रहा है, बल्कि यह और तेजी से बढ़ रहा है। प्रो. सोलंकी ने लंबी ऊर्जा स्वराज यात्रा के अनुभव साझा किए। उनके व्याख्यान का प्राथमिक उद्देश्य शत-प्रतिशत सौर ऊर्जा से चलने वाली जीवनशैली की वकालत करने वाले एक सार्वजनिक आंदोलन को उत्प्रेरित करना था, यह पहचानते हुए कि कार्बन आधारित ऊर्जा स्रोतों का उपयोग समस्या का मूल कारण है। उन्होंने कुछ सुधारात्मक कार्रवाइयों का भी सुझाव दिया, जो जलवायु परिवर्तन को कम करने में मदद करेंगी।

नाला में डूबने से चार वर्षीय बच्ची की मौत

MANOHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर थाना क्षेत्र में नहाने के दौरान नाला में डूबने से एक 4 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार मनोहरपुर थाना क्षेत्र के बाचमगुटु निवासी दुनू हेंब्रम की पत्नी शांति हेंब्रम 4 वर्षीय पुत्री आरुषि हेंब्रम के साथ नाला में नहाने गई थी। जहां गांव की अन्य महिलाएं और बच्चे नहा रहे थे। इस दौरान आरुषि हेंब्रम बच्चों के साथ पानी में खेलने लगी. जबकि उसकी मां कपड़ा धो रही थी। जब उसकी मां की नजर अपने पुत्री पर पड़ी तो वह कहीं भी दिखाई नहीं दी। बाद में उसकी खोजबीन की गई तो देखा की बेटी नाला में डूबी हुई है। शांति ने इसकी जानकारी परिजनों को दी और उसे तुरंत मनोहरपुर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

उरांव समाज की कन्याओं ने नदी में किया स्नान, करमा की तैयारी

नदी में स्नान करते उरांव समाज के लोग ● फोटोन न्यूज

CHAIBASA : आदिवासी उरांव समाज का महान त्योहार करमा पर्व 14 सितंबर को मनाया जाएगा। इसे लेकर तैयारी शुरू हो गई है। चाईबासा के सातों अखाड़ा में सोमवार को जावा जागरण किया गया। रतजगा कर मंगलवार की सुबह सूर्योदय होने से पहले कुंवारी लड़कियां उपवास में रोरो नदी शमशान काली मंदिर से टोकरी में बालू उठाकर नाच-गान करते हुए पाहन पुजारी के घर लेकर आईं' इसके बाद उस बालू में जावा मिलकर पांच दिन तक पाहन पुजारी के घर हर रोज सुबह-शाम धूप-धुआं दिखाकर एवं नृत्य संगीत कर सेवा करेंगी' इसके पांच दिन बाद 14 सितंबर को उरांव समुदायों का महान त्योहार भादो एकादशी पर करम पूजा बहुत ही हर्षोल्लास व पारंपरिक नृत्य संगीत एवं श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। इस मौके पर बान टोला के मुखिया लालू कुजूर, पाहन पुजारी फागु खलखो, मंगरू टोप्पो, चमरू लकड़ा, शम्भू टोप्पो, सीताराम मुंडा, राजेंद्र कच्छप, जगरनाथ लकड़ा आदि उपस्थित रहे।

सीएम के कार्यक्रम पर सवाल उठाने वाले ग्राम प्रधान नजरबंद

JAMSHEDPUR : सरायकेला-खरसावां जिला के चांडिल स्थित डोबो के ग्राम प्रधान शंकर सिंह को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को अवैध घोषित करना भारी पड़ गया। मंगलवार की सुबह एसडीओ शुभ्रा रानी के निर्देश पर कपाली थाना की पुलिस ने शंकर सिंह को हिरासत में लेकर नजरबंद कर दिया। उन्हें दोपहर 2 बजे तक नजरबंद रखा गया। हालांकि, कपाली ओपी प्रभारी ने उन्हें हिरासत में लिए जाने की बात से इन्कार करते हुए कहा कि शंकर सिंह स्वेच्छा से ओपी पहुंचे थे।

शंकर सिंह ने बताया कि एसडीओ ने सुबह उनसे ग्राम प्रधान से संबंधित दस्तावेज की मांग की। उसके बाद कपाली पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। बता दें कि सोमवार को

ग्राम प्रधान शंकर सिंह

शंकर सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी किया था। उसमें उन्होंने कपाली के डोबो काजू बगान में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को अवैध बताया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि ग्राम सभा की अनुमति के बिना कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसमें हानिकारक स्लैग का प्रयोग हो रहा है, जिससे पर्यावरण और खेतों को नुकसान पहुंचेगा।

सोशल मीडिया पर सुसाइड नोट लिखकर नाबालिग चार दिनों से लापता

JAMSHEDPUR : सोनारी थाना अंतर्गत झाबरी बस्ती निवासी 17 वर्षीय नाबालिग सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम और वाट्सएप पर सुसाइड नोट लिखकर लापता हो गई। वह 6 सितंबर को दोपहर लगभग 2 बजे घर से निकल गई। परिजन 6 सितंबर से ही सोनारी थाना के चक्कर लगा रहे हैं, पर पुलिस ने कोई मदद नहीं की। थाने में सुनवाई नहीं होने पर परिजनों ने भाजपा नेता विकास सिंह से मदद मांगी। विकास सिंह ने सोनारी थाना प्रभारी से संपर्क किया, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया। नाबालिग ने अपने नोट में लिखा 'सॉरी मम्मी-पापा, हम खुद से सुसाइड करने जा रहे है। क्योंकि हमको एक लड़का ब्लैकमेल कर रहा है, मेरे फोटो को लेकर, माफ कर देना, प्लीज पापा'। इधर, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बन्ना गुप्ता का खासमखास है शक्तिनाथ हत्याकांड का मुख्य अभियुक्त : सरयू राय

जमशेदपुर पुलिस पर राजनीतिक दबाव के कारण अपराध नियंत्रण नहीं हो पा रहा

PHOTON NEWS JSR: विधायक सरयू राय ने कहा है कि हाल ही में मानगो में हुए शक्तिनाथ सिंह हत्याकांड के अपराधियों को स्वास्थ्य मंत्री का सीधा संरक्षण प्राप्त है। बन्ना गुप्ता के साथ इन अपराधियों की बड़ी-बड़ी होर्डिंग मानगो के चौक-चौराहों पर लगी हुई है। मानगो फ्लाई ओवर के पहले पिलर के शिलान्यास के दिन भी उस व्यक्ति के ही होर्डिंग चारों ओर लगी थी, जिसे पुलिस ने शक्तिनाथ सिंह हत्याकांड का मुख्य अभियुक्त मानकर गिरफ्तार किया है। यह व्यक्ति ईश्वर सिंह है, जो मानगो मंडल कांग्रेस का अध्यक्ष और बन्ना गुप्ता का खासमखास है। राय ने कहा है कि पक्का सबूत होने और प्रत्यक्षदर्शी का बयान होने के बाद भी ईश्वर

विधायक सरयू राय

सिंह को पुलिस ने चार दिन तक गिरफ़्तार नहीं किया। एक अन्य आरोपी चंदन सिंह का नाम अभियुक्त सूची से बाहर कर दिया। चार दिन बाद ईश्वर सिंह गिरफ्तार हुआ, तो उसे जेल के बदले एमजीएम अस्पताल भेज दिया गया। आखिर गिरफ़्तार होते ही ईश्वर सिंह को कौन सी बीमारी हो गई, जिसका इलाज जेल के अस्पताल में वहां के डॉक्टर नहीं कर सकते हैं। इसके लिए स्वास्थ्य मंत्री सीधे जिम्मेदार हैं। वे अपराध का संरक्षण कर रहे हैं। राय ने इस मामले की जांच मेडिकल बोर्ड से कराने की मांग की है। शहर में अपराधिक घटनाएं पुलिस-प्रशासन के नियंत्रण से बाहर हो गई हैं। ऐसा नहीं कि जमशेदपुर पुलिस में योग्य और कर्मठ अधिकारियों की कमी है, लेकिन राजनीतिक दबाव का माहौल बन जाने से वे अपनी पूरी क्षमता का प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा है कि जमशेदपुर के चुनिंदा अपराधी गिरोहों को सत्ताधारी समूह का संरक्षण मिल रहा है। झारखंड सरकार के स्वास्थ्य एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री बन्ना गुप्ता की भूमिका इसमें अग्रणी है।

माइकल जॉन ऑडिटोरियम में विश्व आत्महत्या निवारण दिवस पर विशेषज्ञों ने रखे विचार

'आत्महत्या रोकी जा सकती है और अवसाद का इलाज संभव है'

PHOTON NEWS JSR : मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और आत्महत्या को रोकने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, 'जीवन', जो मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या रोकथाम के लिए समर्पित एक संगठन है, ने बिष्टुपुर के माइकल जॉन ऑडिटोरियम में विश्व आत्महत्या निवारण दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम 'बिफ्रेंडर्स वर्ल्डवाइड' के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें यह संदेश दिया गया कि 'आत्महत्या रोकी जा सकती है और अवसाद का इलाज संभव है।' इस कार्यक्रम में जागरूक नागरिकों, मानसिक स्वास्थ्य के समर्थकों और स्वयंसेवकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि

मंच पर उपस्थित जेमिपोल के एमडी पीके घोष व डॉ. जैन ● फोटोन न्यूज

जेमिपोल के प्रबंध निदेशक पीके घोष ने विशेष रूप से कार्यस्थलों में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने यह भी बताया कि संगठनों को उन कर्मचारियों के लिए समर्थन प्रणाली प्रदान करनी चाहिए, जो मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं। उन्होंने स्थानीय प्राधिकरणों द्वारा संकटग्रस्त व्यक्तियों को परामर्श और सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से सहायता प्रदान करने के प्रयासों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर ज्योति पांडे ने मुख्य वक्तव्य दिया, जिसमें उन्होंने भावनात्मक समर्थन की महत्ता, अवसाद के लक्षणों की पहचान और मानसिक स्वास्थ्य पर खुले संवाद को बढ़ावा देने पर मूल्यवान जानकारी साझा की। 'जीवन' ने विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर स्कूल और कॉलेज स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।

जीवन ईसीजी ग्राफ है, उतार-चढ़ाव से घबराना नहीं : एमडी

विश्व आत्महत्या निषेध दिवस पर हुई कार्यशाला

JAMSHEDPUR : विश्व आत्महत्या निषेध दिवस पर मंगलवार को टेल्को स्थित शिक्षा निकेतन स्कूल में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें सातवीं से 12वीं कक्षा तक के अनेक छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टाटा मोटर्स के एचआर हेड मोहन गंटा ने छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच सफलता प्राप्त करने जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह जीवन एक ईसीजी ग्राफ है, जिसमें उतार-चढ़ाव के साथ सफलता हासिल करना होता है। विशिष्ट अतिथि टाटा कमिंस के प्लांट हेड रामफल नेहरा ने छात्र-छात्राओं को कई उदाहरण के माध्यम से सफलता के

टिप्स दिए। मुख्य वक्ता टाटा मोटर्स अस्पताल के सीनियर मनोचिकित्सक डॉ. अर्नब भट्टाचार्य ने तनाव कम तथा खुदकुशी की प्रवृत्ति कम करने की जानकारी दी। लाइफस्टाइल में खानपान, पढ़ने, सोने, घूमने समेत सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हुए तनाव कम करने से संबंधित फैक्ट फाइल बताया। शहर की तनाव निवारण सामाजिक संस्था मुस्कान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में संस्था के महासचिव काउंसलर बिजेंद्र कुमार ने किया, जबकि संचालन मुस्कान के लक्ष्मण प्रसाद एवं स्कूल की छात्र जसप्रीत कौर ने किया। इस दौरान टाटा मोटर्स के एडमिन हेड वीएन सिंह भी उपस्थित थे।

कॉलेजों के संविदा शिक्षकों ने बिल बनाने की प्रक्रिया पर जताई चिंता

JAMSHEDPUR : झारखंड राज्य विश्वविद्यालय संविदा शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश कुमार पांडेय ने कहा कि झारखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों में कार्यरत लगभग 600 आवश्यकता आधारित शिक्षकों को मानदेय के लिए बिल बनाकर जमा करना पड़ता है, जो अव्यवहारिक है। उन्होंने बताया कि महाविद्यालयों में प्रिंसिपल कक्षाओं की निगरानी करते हैं, और बायोमीट्रिक एटेंडेंस भी उपलब्ध रहता है। बावजूद अलग से बिल बनाकर जमा कराना सरकार मानसिक प्रताड़ना के समान है। पांडेय ने कहा कि हाल ही में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग ने आवश्यकता आधारित शिक्षकों के लिए चार पन्नों का एक नया फार्म जारी किया है, जिसे भरना महाविद्यालय और विश्वविद्यालयों के लिए एक

कठिन कार्य बन गया है। यह प्रक्रिया शिक्षकों के लिए अत्यंत समस्याग्रस्त है और इससे वे परेशान हैं। उन्होंने कहा है कि संघ के प्रतिनिधिमंडल जल्द ही राज्यपाल से मिलकर आवश्यकता आधारित शिक्षकों के लिए बिल बनाने की प्रक्रिया समाप्त करने का आग्रह करेगा। साथ ही शिक्षा मंत्री और सचिव से एकमुश्त तय मानदेय राशि को महीने की पहली तारीख को सीधे अकाउंट में भेजने के निर्देश देने की भी मांग की जाएगी।

BRIEF NEWS

जेब में मोबाइल फोन विस्फोट, युवक घायल

NAWADA : मंगलवार को नवादा में एक अजीब घटना हुई है, जहां एक शख्स की जेब में रखा मोबाइल ब्लास्ट कर गया। इस हादसे में पीड़ित के पैर बुरी तरह झुलस गये हैं, जिसके बाद आनन-फानन में उसे नवादा के अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि ये मोबाइल वीवो कंपनी का था, जो जेब में ही अचानक ब्लास्ट कर गया। फिलहाल इस हादसे के बाद पीड़ित को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जख्मी शख्स नवादा जिले के नेमदारगंज थाना क्षेत्र के राजादेवर गांव का निवासी बताया जा रहा है। पीड़ित शख्स की माने तो उसकी पॉकेट में मोबाइल था, जो अचानक ब्लास्ट कर गया। साथ ही उसने कहा कि इस घटना के बाद अब ये तय हो गया है कि मोबाइल फोन भी पूरी तरह से सुरक्षित नहीं है।

मोतिहारी पुलिस ने चार क्विंटल गांजा किया जब्त

CHAMPARAN : जिले के मुफस्सिल व पिपराकोठी थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ (गांजा) की एक बड़ी खेप को पकड़ा है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को मिली गुप्त सूचना के बाद सोमवार देर शाम पीपरा कोठी थाना क्षेत्र में एनएच 28 किनारे एक झोपड़ी में छुपा कर रखे लगभग 27 बंडल गांजा जिसका वजन करीब चार क्विंटल है,उसे छापेमारी कर बरामद किया गया। जिसकी कीमत करोड़ों रुपये आंकी गयी है।हालांकि इस दौरान तस्कर भागने में सफल रहे।जिनकी पहचान कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।छापेमारी टीम में सदर 2 डीएसपी जितेश कुमार पाण्डेय व प्रशिक्षु डीएसपी सह मुफस्सिल थानाध्यक्ष शिप्रा राजपुत व मुफसिल व पीपराकोठी थाना के पुलिस पदाधिकारी व जवान शामिल थे।

दबंग ने युवक को खंभे से बांधकर बेरहमी से पीटा

BHAGALPUR : जिले के सनोखर थाना क्षेत्र के सिलहन खजुरिया गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां गांव के ही एक दबंग व्यक्ति ने एक युवक को खंभे से बांधकर बुरी तरह पीटा। इस अमानवीय घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, सिलहन गांव निवासी स्वर्गीय राजेन्द्र साह के पुत्र निशिकांत साह से किसी बात को लेकर विवाद होने के बाद खजुरिया गांव निवासी मटरू यादव के दबंग पुत्र निक्कू यादव ने अपनी ताकत का दुरुपयोग करते हुए उसे घसीटते हुए अपने घर खजुरिया ले गया। इसके बाद उसे खंभे में रस्सी से बांध दिया। युवक को बेरहमी से पीटने लगा। घटना का वीडियो वहां मौजूद किसी शख्स ने बना लिया और सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। वीडियो के वायरल होते ही पुलिस भी हरकत में आ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि निक्कू यादव गांव में अक्सर शराब पीकर आते हैं और इसी प्रकार की हरकतें करता रहता है। वह कई बार जेल भी जा चुके हैं। लोग उसके खिलाफ डर से बोलना नहीं चाहता है।

कर्मा-धर्मा पर्व के दौरान हुआ हादसा, परिवारों में मची चीख-पुकार

बांका में चार बच्चियों की डूबकर मौत, एक को लोगों ने बचाया

AGENCY BANKA : मंगलवार को जिले के चांदन प्रखंड अंतर्गत आनंदपुर थाना क्षेत्र के चांदवारी पंचायत अंतर्गत बेहरार गांव में मंगलवार सुबह दर्दनाक घटना ने पूरे चांदन प्रखंड को झकझोर कर रख दिया है। इस घटना में पोखर में कर्मा-धर्मा पर्व को लेकर नहाने गयी पांच बच्चियों में से चार की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। वहीं एक बच्ची की हालत गंभीर है, जिसका सिमुलतला में इलाज चल रहा है।

इस हृदय विदारक घटना से पूरे गांव में सन्नाटा छा गया है। सभी मृतक बच्चियों के घर से सिर्फ रोने की आवाजें सुनाई पड़ रही हैं। मृतक बच्चियों की पहचान पुनम कुमारी उम्र 12 वर्ष पिता शंकर यादव, ज्योति कुमारी उम्र 10 वर्ष पिता बजरंगी यादव, निशा कुमारी उम्र 10 वर्ष पिता संजय यादव, पुष्पा कुमारी उम्र 11 वर्ष पिता बिनोद यादव के रूप में हुई है। वहीं पिरोती कुमारी उम्र आठ वर्ष को बेहोशी की हालात में इलाज कराया जा रहा है। कर्मा धर्मा पर्व को लेकर गई थी नहानेः चारों बच्ची की पानी में डूबने की जानकारी गांव के लोगों को मिलते ही पूरा गांव उस पोखर पर जमा हो गया। कुछ स्थानीय युवकों की मदद से सभी को बाहर निकाला गया। जिसमें से चार की लाश मिली और एक बेहोशी की हालत में मिली। घटना की जानकारी पर चांदन थानाध्यक्ष विष्णुदेव कुमार घटनास्थल पर पहुंचे।

घटना के बाद विलाप करते परिजन।

नदी में डूबकर मां-बेटे की गई जान

NALANDA : मंगलवार की सुबह नालंदा जिले सिलाव थानाक्षेत्र के केसरी विगहा गांव में नदी में डूबने से मां बेटे की कि मौत हो गयी। मृतकों की पहचान केसरी गांव निवासी कमलेश प्रसाद का 49 वर्षीय पत्नी सरित देवी और बेटा सौरभ 12 वर्षीय पुत्र के रूप में की गयी है। घटना के संबंध में बताया जाता हैकि दोनो मां बेटा धान की निकलनी करने नदी की ओर खेत में गयी थी जब दोपहर तक वापस नही आया तो परिजन खोजबीन करने लगे तो नदी के किनारे दोनों का शव उपला हुआ था परिजनों ने आशंका जाहिर किया है कि नदी पार करने के क्रम में वह नदी की तेज धारा में बह गया डुबने से उसकी मौत हो गयी। घटनाक्रम की जानकारी सिलाव थाना पुलिस को दी गयी। पुलिस मौके पर जाकर घटना की जांच करते हुए शव को वरामद कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बिहारशरीफभेज दिया है।

चंपारण की कछुआ नदी में स्नान करने गए दो किशोर डूबे, मातम

AGENCY CHAMPARAN : जिला के पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र में डूबने से दो किशोर की मौत हो गई। जिसकी पहचान चोरमा पंचायत के बंगला टोला वार्ड नंबर तीन के रहने वाले ताहिर हुसैन के 17 वर्षीय पुत्र इरफान हुसैन और साहेब हुसैन के 14 वर्षीय पुत्र मोहम्मद दिलशाद के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे गांव में कोहराम मचा है। बताया गया कि दोनो किशोर कुछ अन्य बच्चों के साथ गांव के पास कछुआ नदी में स्नान करने गए थे। इसी दौरान इरफान और दिलशाद गहरे पानी में चले गये और डूबने लगे। जिसके बाद बच्चों ने शोर मचाना शुरू किया,जिसे सुन ग्रामीण दौड़कर आए और नदी में डूबे बच्चों की तलाश शुरू की लगभग आधा घंटे की मशक्कत के बाद नदी में से दोनों किशोर को बाहर निकाल कर पकड़ीदयाल अनुमंडलीय लाया गया।जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों किशोर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पकड़ीदयाल इंस्पेक्टर शकुंतला कुमारी ने बताया कि सोमवार को दो किशोर की डुबने की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंच कर दोनों बच्चों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों की तरफ से कोई आवेदन नहीं मिला है। फिलहाल इस घटना को लेकर अग्रेतर कारवाई की जा रही है।

केंद्र और बिहार की डबल इंजन सरकार नहीं कर रही कोई काम : तेजस्वी

आभार यात्रा को संबोधित करते तेजस्वी व मौजूद कार्यकर्ता।

- बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष व पूर्व डिप्टी सीएम ने समस्तीपुर से शुरू की आभार यात्रा

AGENCY SAMASTIPUR : मंगलवार को बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने समस्तीपुर में अपनी आभार यात्रा के दौरान कहा कि केंद्र और बिहार की डबल इंजन सरकार कोई काम नहीं कर रही है। अपनी आभार यात्रा की शुरूआत समस्तीपुर से करते हुए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राजग गठबंधन पर निशाना साधा है।

उजियारपुर लोकसभा क्षेत्र के कार्यकर्ता संवाद कार्यकम से पहले समस्तीपुर परिसदन में पत्रकारों से बातचीत में तेजस्वी यादव ने कहा कि केंद्र और बिहार की डबल इंजन सरकार कोई काम नही कर रही है। जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार और सम्राट चौधरी द्वारा आभार यात्रा को ग्राहक खोजो यात्रा बताए जाने पर तेजस्वी यादव ने कहा कि वे लोग और क्या बोलेंगे,,सिर्फ लालू जी और मुझको गाली देने का काम ही कर रहे है। तेजस्वी यादव ने कहा कि जदयू और भाजपा में यह होड़ मचा है कि हमलोगों को कौन कितना ज्यादा गाली दे सकता है। सब लोगो को पता है कि जो भी भाजपा का विरोध करता है उसके पीछे केंद्रीय एजेंसियों को लगा दिया जाता है, जबकि उनके साथ आ जाने पर सभी दोष मुक्त हो जाते है।

तेजस्वी यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव में भले उन्हें कम सीट मिला परन्तु वोट प्रतिशत काफी बढ़ा है इसलिए आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी कार्यकताओं से फीडबैक लेने और संगठन को मजबूत बनाने के लिए हर जिले में लोकसभा वाइज कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम शुरू किया गया है। तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर आरोप लगाते हुए कहा कि बिहार में अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर है लेकिन वे चुप बैठे है। सीएम सिर्फ दो चार लोगों से घिरे हुए है।जाति आधारित गणना, आरक्षण में क्रीमीलेयर, वक्फ बोर्ड मुद्दे पर भी सीएम चुप हो गए है।

नीतीश ने हमारे घर हाथ जोड़कर मांगी थी माफी

आरजेडी नेता और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव आज से कार्यकर्ता संवाद के कार्यक्रम पर निकले हुए हैं। पहले चरण में वो समस्तीपुर पहुंचे। इस दौरान मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होने एक बार फिर से सीएम नीतीश कुमार पर हमला बोला है। तेजस्वी ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि महागठबंधन में शामिल होने के लिए वो गिड़गिड़ा रहे थे, हमारे घर जब आए तो हाथ जोड़कर माफी मांगी थी, वो भी सभी विधायकों के सामने, सब गवाह हैं। हमारे पास तो फुटेज भी हैं। तेजस्वी ने कहा कि सदन में कितनी बार हाथ जोड़कर माफी मांग चुके हैं, कि हमसे गलती हो गईष पत्रकारों के सामने कितनी बार बोले हैं। कि हमसे गलती हुई, अब भाजपा के साथ नहीं जाएंगे। कहते थे कि केंद्र सरकार कोई काम करता है। यही बात बोलते थे। तेजस्वी ने कहा कि जब नीतीश कुमार हम लोगों की तरफ आते तो 1973 से संबंध रहता है। उधर जाते हैं तो 1995 से संबंध रहता है।

अभिनेत्री अक्षरा सिंह के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट

AGENCY PATNA : मंगलवार को मशहूर भोजपुरी फिल्म अभिनेत्री अक्षरा सिंह के खिलाफ गिरफ्तारी का आदेश जारी हुआ है। खगड़िया व्यवहार न्यायालय के प्रथम श्रेणी के दंडाधिकारी हिम शिखा मिश्रा ने यह आदेश जारी किया है। इसको लेकर न्यायिक दंडाधिकारी ने गैर जमानती वारंट जारी करने का आदेश दिया है।

वर्ष 2018 में अक्षरा सिंह समेत चार पर खगड़िया कोर्ट में एक टेंट हाउस के मालिक शुभम कुमार ने परिवाद दायर किया था। जिसमे आरोप लगाया गया था कि सांस्कृतिक कार्यक्रम में अक्षरा सिंह के नहीं पहुंचने के कारण कार्यक्रम स्थल पर आगजनी और तोड़फोड़

हुई थी। जिसमें लाखों का नुकसान हुआ था। शहीद किशोर कुमार मुन्ना के याद में जेएनकेटी मैदान में वर्ष 2018 में कार्यक्रम आयोजित था। लेकिन अक्षरा सिंह कार्यक्रम नहीं पहुंची। इधर आवेदक के वकील अजिताभ सिन्हा ने बताया कि दायर परिवाद पर कोर्ट ने संज्ञान लिया। इसको लेकर सम्मन भी भेजा गया।

नालंदा में पुलिस टीम पर जानलेवा हमला, छह पुलिसकर्मी हुए घायल

NALANDA : नालंदा जिलान्तर्गत चेरो थाना क्षेत्र में अवैध शराब के विरुद्ध चलाए गए छापेमारी अभियान के दौरान पुलिस बल पर उपद्रवियों नें सोमवार की देर शाम हमला कर दिया, जिसमें छह पुलिसकर्मी चोटिल हो गये, जिन्हें इलाज क लिए मंगलवार की सुबह जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जाता है कि चेरो ग्राम स्थित रामाश्रय पासवान के पुराने मकान में कुछ लोग शराब का सेवन कर रहे हैं।ओपी थानाध्यक्ष ने बताया कि जैसे ही छापेमारी दल रामाश्रय पासवान के पुराने मकान के पास पहुंचा मकान के एक कमरे में चार व्यक्ति शराब पीते हुए पाए गए और पुलिस टीम को देखते ही वे लोग शराब की बोतल और गिलास फेंककर भागने लगे।

आत्महत्या करने के लिए रेलवे ट्रैक पर लेट गई लड़की

AGENCY CHAMPARAN : मंगलवार की सुबह जिले में चकिया से हैरान करने वाला वाक्या सामने आया है। जहां एक छात्रा ट्रेन के सामने कूद गई। हालांकि ट्रेन चालक ने सुझबुझ दिखाते हुए इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोक दिया और छात्रा की जान बच गई। छात्रा को जब हटाने गयी कुछ महिला पहुंची तो छात्रा एकबार फिर उन महिलाओ का हाथ छुड़ा कर आत्महत्या करने की जिद पर अड़ी रही। हालांकि कुछ देर मशक्कत के बाद लड़की को रेलवे ट्रैक से खींच कर हटा लिया गया। फिर ट्रेन आगे बढ सकी। पूरा मामला जिले के चकिया पावर हाउस और गर्ल्स स्कूल के समीप बने आउटर

सिग्नल के पास की है। जहां से गुजर रही ट्रेन संख्या 15556 संख्या के आगे कूद कर छात्रा ने आत्महत्या करने की कोशिश की है। बताया जा रहा है कि छात्रा ट्रेन की पटरी पर लेट गई थी, वहीं जब लोको पायलट ने छात्रा को देखा तो उसने बड़ी ही सूझ-बूझ से इमरजेंसी ब्रेक लगाकर छात्रा की जान बचा ली। छात्रा ट्रेन रुकने के बाद भी रेलवे ट्रैक पर सोई रही।

जमीन सर्वे का काम टालना चाह रही बिहार सरकार : प्रशांत किशोर

PATNA : जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर की जमीन सर्वे पर की गयी भविष्यवाणी सच होती दिखाई दे रही हैं। जमीन सर्वे को लेकर बिहार के लोगों में व्यापक तौर पर गुस्सा दिखाई दे रहा है। इसी जमीनी हकीकत को देखते हुए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि बिहार सरकार जल्द ही जमीनों के सर्वे को टाल सकती है। मीडिया में इसको लेकर चर्चा चल रही है। प्रशांत किशोर ने शुरूआत से ही बिहार सरकार द्वारा शुरू किये गए जमीन सर्वे के तरीके पर सवाल उठाया है। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा है कि जिस तरह से इसको लागू किया जा रहा है उससे अगले 6 महीने में हर घर, हर गांव-पंचायत में जमीन के मालिकाना हक के लिए झगड़े होंगे। प्रशांत किशोर ने कहा कि इस सर्वेक्षण को बिना किसी तरह की तैयारी और संसाधन की व्यवस्था किए शुरू किया गया है।

कोई कुछ कर ले, जमीन सर्वे होकर रहेगा : मंत्री

AGENCY PATNA : बिहार सरकार के मंत्री दिलीप जायसवाल ने बिहार में हो रहे जमीन सर्वे को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि बिहार में भू माफिया इस तरह का माहौल बना रहे हैं कि भूमि का सर्वे का काम रुक जाए, लेकिन ऐसा कुछ होने वाला नहीं है। गांव का कोई भी आदमी किसी तरह के विवाद की बात नहीं बोल रहा है।

पटना में नेता लोगों को बैठे-बैठे कोई काम नहीं है तो इसी तरह की बात बोलते हैं। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि वह माफिया जो सरकारी जमीन पर अपना कब्जा जमाए हुए हैं, निश्चित तौर पर सर्वे के बाद उनके हाथ से वह जमीन खिसकने का डर है। इसीलिए पटना में बैठकर कुछ भूमाफिया साजिश के तहत कई तरह के

मंत्री दिलीप जायसवाल।

अफवाह उड़ा रहे हैं, लेकिन इससे उन्हें कोई फायदा होने वाला नहीं है। बिहार में भूमि का सर्वे हो रहा है और आगे भी होते रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि पटना में बैठकर कुछ भू माफिया इस सर्वे को लेकर कुछ से कुछ बयानबाजी कर रहे हैं। सर्वे होने पर सरकारी जमीन जिसका अतिक्रमण किया गया है या माफियाओं द्वारा अवैध कब्जा किया गया, वही लोग लॉबी बनाकर इस तरह की बात करते हैं।

चिराग का साथ छोड़ फिर जेडीयू में लौटे नवल शर्मा

PATNA : मंगलवार को चिराग पासवान की लोजपा (आर) का साथ छोड़ नवल शर्मा दोबारा नीतीश कुमार की जेडीयू में शामिल हो गए हैं। जिसे वो अपनी घरवापसी बता रहे हैं। जदयू के प्रदेश कार्यालय, पटना में मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें नवल शर्मा, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी सुरेंद्र पासवान के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग जेडीयू के साथ जुड़े। नवल शर्मा को जदयू के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वशिष्ठ नारायण ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता दिलाई। इस मौके पर जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, राष्ट्रीय महासचिव मनीष कुमार वर्मा समेत पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे। आपको बता दें नवल शर्मा पहले भी जदयू में प्रवक्ता के पद पर चुके हैं। लेकिन 2021 में वो चिराग की एलजेपी (आर) में शामिल हो गए थे।

कोचिंग क्लास रूम में छात्र ने की फायरिंग

मजाक-मजाक में लड़की को मारी गोली, इलाजरत

AGENCY MUZAFFARPUR : बीते दिनों बिहार के सुपौल में एक निजी स्कूल के नर्सरी के छात्र ने तीसरी क्लास में पढ़ने वाले बच्चे को गोली मार दी थी। उसके बाद से सवाल उठने लगे की आखिर बच्चों को हथियार कैसे मिल रहे हैं? इस सवाल के कई अलग-अलग जवाब भी मिल चुके हैं, लेकिन ऐसे मामले रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। ऐसा ही एक और मामला मुजफ्फरपुर जिले के सकरा थाना क्षेत्र के एक कोचिंग संस्थान से सामने आया है। छात्र कोचिंग पढ़ने के दौरान सिर्फ पिस्तौल लेकर ही नहीं पहुंचा, बल्कि एक छात्रा को मजाक मजाक में गोली मार दी है। उक्त कोचिंग में दसवीं कक्षा की पढ़ाई संचालित हो रही थी। इस दौरान

अस्पताल में भर्ती छात्रा।

कक्षा का ही एक छात्र घर से लोडेड पिस्तौल लेकर पहुंच गया था। जैसे ही कक्षा समाप्त हुई और बच्चे जाने की तैयारी में थे तभी हंसी मजाक में छात्र ने अपने बैग से पिस्तौल निकाल ली। इस दौरान छात्र ने मजाक-मजाक में गोली चला दी जो एक छात्रा को लग गई। छात्रा बेहोश होकर गिर गई। इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

फिर बिहार यात्रा पर निकल सकते हैं नीतीश

PATNA : बिहार में अगले साल विधानसभा चुनाव होना है। विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी यात्रा पर निकलने वाले हैं। मुख्यमंत्री की यात्रा को लेकर कई विभागों को तैयारी करने का निर्देश दिया गया है। जानकारी के अनुसार सीएम नीतीश इस बार महिलाओं से संवाद करेंगे। इसको लेकर मंत्री लेसी सिंह ने कहा कि हमारे नेता सिर्फ चुनाव के समय नहीं बल्कि पूरे पांच साल यात्रा करते हैं। बता दें कि मुख्यमंत्री की यात्रा को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कार्यक्रम फाइनल होने के बाद मुख्यमंत्री की यात्रा की तिथि भी जारी होगी। जो जानकारी मिल रही है मुख्यमंत्री इस बार महिलाओं से संवाद करेंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री जब यात्रा पर निकले थे तो जीविका दीदियों से संवाद किया था, लेकिन इस बार आम महिलाओं से संवाद कर फीडबैक लेंगे।

यहां भगवान राम ने भी अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए किया था तर्पण

पिंडदान का प्रथम द्वार है पटना का पुनपुन घाट

AGENCY PATNA : पटना जिले से सटे पुनपुन नदी घाट की कई पौराणिक कथाएं हैं। गरुड़ पुराण में इसे आदि गंगा कहा जाता है। कहा गया है कि भगवान राम कभी अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए इसी पुनपुन नदी घाट पर माता जानकी के साथ आए थे। उन्होंने पहले पिंड का तर्पण यहीं किया था। जिसके बाद गया में जाकर पिंड का पूरा तर्पण किया, जिस वजह से इसे मोक्ष का प्रथम द्वार माना जाता है। 15 दिनों तक होगा पितरों का तर्पणः हिंदू धर्म की मान्यता के अनुसार आश्विन माह के कृष्ण पक्ष में 15 दिनों तक पितरों का तर्पण और श्राद्ध किया जाता है। इस बार 17 सितंबर को पुनपुन पितृपक्ष मेला 2024 की शुरूआत होगी, जो 2

अक्टूबर तक चलेगा। जिसको लेकर प्रशासन की ओर से जोर-शोर से तैयारी की जा रही है।

यहां होती है पितरों को मोक्ष की प्राप्तिः पितृपक्ष में पिंडदान को पूरा तर्पण संपन्न माना जाता है। ऐसे में सरकार ने पुनपुन घाट की ख्याति को देखते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय पितृपक्ष मेला के रूप में मान्यता प्रदान की है। प्रत्येक साल जिला प्रशासन की ओर से पुनपुन घाट पर पितृपक्ष मेला का आयोजन किया जाता है। पुनपुन पंडा समिति के सचिव रिंकू पांडे ने बताया कि पुनपुन नदी घाट पर तर्पण करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। पुनपुन पांडा समिति के पूर्व अध्यक्ष तारिणी मिश्रा ने बताया कि पुनपुन नदी जिसे आदि गंगा कहते हैं उसके बारे में कहा गया है पुनः पुनः सर्व नदीषु पुण्या सदावहा स्वच्छ जला शुभ प्रदा यानी पितृ पक्ष में पहला पिंड पुनपुन नदी के ही तट पर विधान है। सारे संसार के हिंदू पुनपुन में ही पहले पिंड का तर्पण करते हैं, जहां कभी भगवान राम ने पहले पिंड का तर्पण किया था, इसलिए पुनपुन नदी घाट पिंडदान का प्रथम द्वार है। पुनपुन नदी जो झारखंड के पलामू से निकलकर पटना जिले में प्रवेश करती है और यह गंगा में मिल जाती है।

क्यों पिंडदान है जरूरी

पुनपुन पांडा समिति के सचिव रिंकू पांडे ने बताया कि हिंदू धर्म में शख्स की मृत्यु के पश्चात उसे पितृ की संज्ञा दी गई है, मान्यता के अनुसार मृतक का श्राद्ध या तर्पण न करने से पितरों की आत्मा को शांति नहीं मिलती है, जिससे घर में पितृ दोष लगता है। इससे घर पर कई तरह की समस्याएं उत्पन्न होती है। वहीं जिनके घर के पितृ प्रसन्न रहते हैं उनके घर पर कभी भी कोई मुसीबत नहीं आती है।

गया के 52 वेदी पर पिंडदान

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार पुनपुन घाट पर कभी भगवान राम ने माता जानकी के साथ अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पहले पिंड का तर्पण किया था। इसके बाद ही गया के फल्गु नदी तट पर पूरे विधि विधान के साथ तर्पण किया जाता है। प्राचीन काल से पुनपुन नदी घाट पर पिंडदान और तर्पण करने के बाद गया के 52 वेदी पर पिंडदान और तर्पण करने की परंपरा रही है।

फॉरएवर मिस इंडिया 2024 के लिए चयनित हुई बिहार की बेटी सृष्टि शर्मा

AGENCY MUNGER : बिहार की बेटियां हर क्षेत्र में अपना जलवा दिखा रही हैं। पढ़ाई के साथ लगातार वो अन्य क्षेत्रों में भी अपना लोहा मनवा रही हैं। कभी खेल के क्षेत्र में तो कभी अफसर बिटिया बनकर अपने परिवार के साथ अपने गांव, जिले और राज्य का नाम रौशन कर रही हैं। इसी कड़ी में मुंगेर की बेटी सृष्टि शर्मा फॉरएवर मिस इंडिया 2024 के लिए बिहार से चयनित हुई हैं।

बता दें कि आने वाले दिसंबर महीने में जयपुर शहर में आयोजित होने वाले फॉरएवर मिस इंडिया में बिहार का नेतृत्व मुंगेर की बेटी सृष्टि शर्मा करेंगी। जबकि इससे पहले भी मुंगेर की कई बेटियों ने मॉडलिंग में नेशनल स्तर पर मुंगेर सहित बिहार का नाम रौशन कर चुकी हैं। देश भर से आई प्रतिभागियों के बीच जयपुर में

दिसंबर माहीने में फॉरएवर मिस इंडिया 2024 का फाइनल सलेक्शन होगा। फॉरएवर मिस इंडिया 2024 में सृष्टि शर्मा बिहार को रिप्रजेन्ट करेंगी। जिससे सृष्टि शर्मा और उनके परिजन काफी उत्साहित हैं। सृष्टि शर्मा ने बताया कि शुरू से ही उन्हें फैशन डिजाइनिंग का शौक था। उनके माता-पिता और बहन ने भी हमेशा उनका साथ दिया। उन्होंने मुंगेर में प्रारंभिक शिक्षा नोट्रेडैम एकेडमी से हासिल की और अब नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी दिल्ली में फैशन डिजाइनर का कोर्स कर रही हैं। मुंगेर शहर के मकससपुर निवासी लाइसेंसी आर्म्स कारोबारी दिलीप शर्मा और उनकी गृहिणी पत्नी रीना शर्मा अपनी बेटी की इस कामयाबी पर काफी प्रसन्न हैं। सृष्टि के माता-पिता पूर्ण आश्वस्त हैं कि उनकी बेटी फॉरएवर मिस इंडिया अवश्य चयनित होगी।

दो माह पूर्व किया था अप्लाई

इस बीच फॉरएवर मिस इंडिया 2024 में ऑडिशन के लिए अप्लाई किया। दो महीने पहले जिसमें आडिशन के बाद बिहार से फॉरएवर मिस इंडिया के लिए उनका चयन हुआ। बिहार से चयनित होने पर उत्साहित सृष्टि कहती है कि जयपुर में दिसंबर में होने वाले सेलेक्शन में इंडिया से भी वह फॉरएवर मिस इंडिया जरूर चयनित होगी।

महिलाओं के खिलाफ अपराध और उसके मूल कारणों की पहचान

कोलकाता में महिला डॉक्टर से बलात्कार और उसकी हत्या की घटना की विभिन्न माध्यमों के जरिये व्यापक रूप से निंदा की गई। इसमें सामूहिक सभा, मार्च, वीडियो, सोशल मीडिया पोस्ट आदि शामिल हैं। छेड़छाड़ और बलात्कार हमारी माताओं, बहनों और बेटियों के खिलाफ जघन्य अपराध बन गया है। कभी-कभी आवाज उठाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। हमें पहले अंतर्निहित कारणों को समझना चाहिए और सिस्टम व समाज में आवश्यक समायोजन का प्रयास करना चाहिए। इसके कई कारण हैं, लेकिन प्राथमिक कारण शिक्षा प्रणाली है। प्राचीन काल में जब हम गुरुकुल शिक्षा प्रणाली का पालन करते थे, तब कितने बलात्कार के मामले दर्ज किए गए थे। हो सकता है कि कुछ हों, लेकिन वर्तमान में प्रतिघंटे बलात्कार की संख्या बहुत अधिक है। ब्रिटिश शासन के बाद से हम जिस शिक्षा प्रणाली का पालन कर रहे हैं, वह मैकाले द्वारा तैयार की गई एक पश्चिमी शिक्षा प्रणाली है। इस स्कूल प्रणाली ने कभी भी चरित्र विकास, नैतिकता और नैतिक शिक्षा या शोध और विकास क्षमताओं पर ध्यान केंद्रित नहीं किया। मैकाले की शिक्षा का प्राथमिक लक्ष्य एक लालची रवैया पैदा करना है, जो केवल भौतिकवादी जीवन पर केंद्रित है, जिसमें स्वार्थ प्रेरक के रूप में और समाज और राष्ट्र अंतिम प्राथमिकता के रूप में है। इस शैक्षिक प्रणाली ने अवांछनीय विशेषताओं और लक्षणों के साथ कृत्रिम मशीनों का निर्माण करना जारी रखा है। पश्चिमी संस्कृति महिलाओं को सिर्फ एक वस्तु के रूप में देखती है और हमारे देश में कई दशकों से उनकी शिक्षा प्रणाली का पालन किया गया है इसलिए हमारा दृष्टिकोण उसी तर्ज पर विकसित हुआ है, जैसा कि बॉलीवुड फिल्मों और बिग बॉस जैसे दैनिक टीवी धारावाहिकों से पता चलता है, जिन्हें बड़ी संख्या में दर्शक देखते हैं। पहली और सबसे महत्वपूर्ण बात जो एक स्कूल बच्चे के कच्चे और मासूम दिमाग से कर सकता है, वह है नैतिक मूल्यों, सामाजिक व्यवहार और राष्ट्र के लिए देशभक्ति की भावनाएं सिखाना और उनमें पैदा करना, बजाय इसके कि केवल भौतिकवादी जीवन पर ध्यान केंद्रित किया जाए। नैतिक मूल्यों के साथ जीवन कौशल चरित्र विकास के लिए शैक्षिक प्रणाली का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और जब हमारे बच्चों को महान भौतिकवादी अवसर प्रस्तुत भी किए जाते हैं, तब भी नैतिक मूल्य अपरिहार्य हैं। भौतिकवादी विशेषताएँ शिक्षा के बाद के चरणों में आसानी से सीखी और समझी जाती हैं। शिक्षा का यह रूप कैसे दिया जा सकता है। जब हम गुरुकुल प्रणाली को देखते हैं, तो हम देख सकते हैं कि बच्चे के पूर्ण विकास के लिए प्राचीन ज्ञान के साथ-साथ विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार को भी प्राथमिकता दी जाती थी। शिक्षा प्रणाली में आध्यात्मिक और समसामयिक ज्ञान दोनों को शामिल किया जाना चाहिए, ताकि एक समग्र मानसिकता और एक नैतिक चरित्र का निर्माण हो, जिसमें एक महिला को प्राचीन प्रथाओं के अनुसार देवी के रूप में देखा जाता है। भगवद् गीता को प्रबंधन गुरु के रूप में जाना जाता है, क्योंकि इसमें मन, बौद्धिक, स्मृति, अहंकार और चेतना के स्तर पर किसी भी मुद्दे को हल करने का रहस्य निहित है। महिलाओं के खिलाफ भयानक अपराध, एक भ्रष्ट मानसिकता और एक आत्म प्रथम, राष्ट्र अंतिम दृष्टिकोण को देखते हुए,श नई शिक्षा नीति 2020 की तत्काल आवश्यकता है। यह महत्वपूर्ण है कि समाज का हर तत्व, विशेष रूप से हमारी महिला शक्ति, हमारी सभी राज्य सरकारों, विश्वविद्यालयों, स्कूलों और कॉलेजों पर नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को प्रभावी ढंग से, कुशलतापूर्वक और तेजी से लागू करने के लिए दबाव डाले। पश्चिम बंगाल, जहां महिला डॉक्टर के खिलाफ भयानक अपराध हुआ, उस राज्य ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने से इनकार कर दिया है। तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, पंजाब और कुछ और राज्यों ने इसे अपनाने से इनकार कर दिया। जब गंदी राजनीति और गंदी मानसिकता लाखों युवाओं के उज्ज्वल भविष्य से अधिक महत्वपूर्ण हो जाती हैं, तो समाज को जागना चाहिए और कानूनी और सामाजिक रूप से इस खतरे के खिलाफ लड़ना चाहिए, जो हर सामाजिक क्षेत्र और राष्ट्र के लिए अच्छी चीजों को नष्ट कर रहा है। शिक्षा नीति 2020 को मोदी सरकार ने डिजाइन किया था, लेकिन विपक्षी दलों को चुनाव और वोट बैंक की रणनीति के आधार पर इसकी आलोचना और विरोध नहीं करना चाहिए। जब राजनीतिक दल, खासतौर पर वंशवादी राजनीतिक दल, समाज की भावनाओं से खेलते हैं और ऐसी व्यवस्था का विरोध करते हैं, जो भविष्य की पीढ़ियों की भलाई के लिए अनिवार्य रूप से बेहतर है, तो समाज के लिए जागने और सभी को एकजुट करने का यही सही समय है, ताकि एकजुट लड़ाई समाज और राष्ट्र के हित में किसी भी नीति या व्यवस्था के क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त करे। युवा और समाज का विकास करने के लिए भगवद् गीता और वैदिक ज्ञान के साथ-साथ एनईपी को लागू करने पर जोर दिया जाना चाहिए, जिसकी हर देश को चाहत है। जो राज्य एनईपी को चरणबद्ध तरीके से लागू कर रहे हैं, उन्हें कार्यान्वयन की गुणवत्ता और गति पर ध्यान देना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का विरोध करने वाले हमारी माताओं, बहनों, बेटियों तथा वर्तमान और भावी पीढ़ियों के विरोधी हैं। समाज को इन राजनेताओं, संस्थाओं और संगठनों के बारे में जानकारी बढ़ानी चाहिए तथा किसी भी परिस्थिति में इनका समर्थन नहीं करना चाहिए। स्वतंत्रता के बाद भी सांस्कृतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक पतन अत्यंत दुखद और विचलित करने वाला है। जब केंद्र की वर्तमान सरकार सही दिशा में व्यवस्था में सुधार के लिए कड़ी मेहनत कर रही है, तो सकारात्मक बदलाव का विरोध क्यों। शिक्षा प्रणाली प्रत्येक राष्ट्र की नींव होती है, जो कोमल मन के बच्चे को पूर्ण चरित्र में बदल देती है। यदि शिक्षा प्राचीन ज्ञान और वर्तमान तकनीक पर आधारित हो, तो राष्ट्र सभी पहलुओं में उत्कृष्ट होगा, लेकिन हम जो देख रहे हैं, वह मैकाले की शिक्षा प्रणाली के कारण गुलाम मानसिकता का निर्माण है।

भारतीय शिक्षा परंपरा और शिक्षक

ANALYSIS

हृदयनारायण दीक्षित

तुलसीदास ने गाया है- बिन गुरू होंहि कि ज्ञान। इसी तरह शिक्षा के लिए शिक्षक की महत्ता है और ज्ञान के लिए गुरु की। शिक्षा का शिखर सर्वोत्तम ज्ञान है। ज्ञान का प्रारंभिक चरण शिक्षा है। शिक्षक का शिखर विकास गुरुत्व है। गुरुत्व विकास का मध्यवर्ती चरण शिक्षक है। गुरु होना हरेक शिक्षक की संभावना है। शिक्षक महत्वपूर्ण है। गुरु को भी शिक्षक होकर ही गुरुत्व मिलता है। बीते 5 सितंबर को देश में शिक्षक दिवस था। विश्व प्रख्यात भारतीय दार्शनिक डॉ. राधाकृष्णन की जन्मतिथि (5 सितंबर) शिक्षक दिवस के रूप में मनाई जाती है। भारत में शिक्षक को गुरु भी कहा जाता है। शिक्षक की भारतीय अनुभूति यही है। उत्तरवैदिक काल अनूठा है। इस काल में तमाम ज्ञान है, कर्मकांड भी हैं। कर्मकांड विरोधी अनेक चिंतन धाराएं भी हैं। चिंतन और दर्शन का विकास ध्यान देने योग्य है।

सर्वोत्तम हमारी सर्वोत्तम मनोकामना है। सर्वोत्तम हमारी गहन अभिलाषा है। यही अभिलाषा भिन्न-भिन्न रूपों में प्रकट होती है। प्रतिस्पर्धा में प्रथम होने की इच्छा। धनसंग्रही होने की अभिलाषा। लोकसंग्रही होने की आकांक्षा और यश अभीप्सा। शिक्षा हमारे उत्तम को उभारती है और सर्वोत्तम में प्रकट करती है। लेबनानी चिंतक खलील जिब्रान की सुंदर पुस्तक है- प्राफेट। लिखा है, शिक्षक ने पूछा कि शिक्षा के विषय में बताओ। उसे बताया गया। कोई व्यक्ति तुम्हारे सामने वही उद्घाटित कर सकता है, जो तुम्हारे भीतर हो। शिक्षा हमारे ही सुप्त ज्ञान प्राप्ति का उपकरण है। ज्ञान के लिए चाहिए गुरु। तुलसीदास ने गाया है- बिन गुरू होंहि कि ज्ञान। इसी तरह शिक्षा के लिए शिक्षक की महत्ता है और ज्ञान के लिए गुरु की। शिक्षा का शिखर सर्वोत्तम ज्ञान है। ज्ञान का प्रारंभिक चरण शिक्षा है। शिक्षक का शिखर विकास गुरुत्व है। गुरुत्व विकास का मध्यवर्ती चरण शिक्षक है। गुरु होना हरेक शिक्षक की संभावना है। शिक्षक महत्वपूर्ण है। गुरु को भी शिक्षक होकर ही गुरुत्व मिलता है। बीते 5 सितंबर को देश में शिक्षक दिवस था। विश्व प्रख्यात भारतीय दार्शनिक डॉ. राधाकृष्णन की जन्मतिथि (5 सितंबर) शिक्षक दिवस के रूप में मनाई जाती है। भारत में शिक्षक को गुरु भी कहा जाता है। शिक्षक की भारतीय अनुभूति यही है। उत्तरवैदिक काल अनूठा है। इस काल में तमाम ज्ञान है, कर्मकांड भी हैं। कर्मकांड विरोधी अनेक चिंतन धाराएं भी हैं। चिंतन और दर्शन का विकास ध्यान देने योग्य है। इस काल में तैत्तिरीय आरण्यक के सातवें, आठवें और नवें अध्याय

को तैत्तिरीय उपनिषद कहा जाता है। उपनिषद प्रारंभ होती है-शिक्षा व्याख्यास्यमः से। यहां शिक्षा की अतिसंक्षिप्त परिभाषा है। कुल तीन छोटे वाक्य हैं। पहला है- वर्णः स्वर। वर्ण स्वर का बोध शिक्षा है। दूसरा वाक्य पढ़ते हैं- मात्रा बलम्। मात्रा का ज्ञान, इन पर बल देने की जानकारी। तीसरा है-साम संतानः। गीता प्रेस के अनुवाद में साम का अर्थ वर्णो का समवृत्ति से उच्चारण है और संतान का अर्थ संधि है। फिर अंतिम वाक्य है-शिक्षा अध्याय समाप्त हुआ। शब्द ज्ञान श्रेय है, पर वही अंतिम नहीं। शब्द संसार के ध्वनि प्रतिनिधि हैं। यहां प्रत्येक वस्तु, पदार्थ के लिए शब्द है। इसलिए वे स्वयं एक विराट विश्व हैं। संसार में वन, उपवन, पर्वत और नदी समुद्र हैं। तो शब्द संसार में वन, उपवन आदि शब्द हैं। लेकिन, वे प्रत्यक्ष वन, पर्वत आदि नहीं हैं। केला, आम या अंगूर वास्तविकता में सुस्वाद फल हैं। इनके नाम केवल संज्ञा हैं। हमारे संज्ञान में वे मूल पदार्थों के प्रतिनिधि स्वर-वर्ण मात्र हैं। आम खाकर मिठाई का बोध होता है। आम कहकर स्वाद नहीं मिलता। वे केवल नाम हैं। नाम से रूप समझना शिक्षा है और देखकर रूप नाम बोलना भी। नाम, रूप, गुण, व्यवहार आदि का ज्ञान शिक्षा से होता है। शिक्षक यही बोध देते हैं। वे संसार का साधारण परिचय कराते हैं। तैत्तिरीय के ऋषि ने शिक्षा की ठीक परिभाषा की है। ऐसा ज्ञान दुखमुक्ति का उपकरण नहीं हो सकता। गांधीजी ने पीड़ा व्यक्त की है कि गणित, भूगोल, इतिहास आदि जानकर मुझे क्या मिला। गांधी सत्यप्रिय थे। सत्यधर्मान महान व्यक्ति। विश्व मानव। यह शिक्षा उनके काम नहीं आ रही थी। वे आगे बढ़े, सत्य के साथ हो गए। मैंने सम्मानित शिक्षकों से विज्ञान पढ़ा। मातृभाषा पढ़ी। माननीय शिक्षकों ने अंग्रेजी भी पढ़ाई। वह मातृभाषा है नहीं सो मात्र-अंश ही समझ में आई। अर्थशास्त्र पढ़ा एमए तक। उत्तम अंक मिले, ज्ञान गंध तो मिली, लेकिन तत्व ज्ञान नहीं मिला। दुखिया मन और दुखिया रहा। योरोपीय विद्वान और उन जैसे भारतीय विद्वानों ने भारत के प्राचीन साहित्य को धार्मिक आस्था वाला बताकर षड्यंत्र किया था। वैदिक साहित्य विज्ञान और दर्शन की अनुभूतियों से भरा-पूरा है। यूरोपीय विद्वानों ने भारतीय दर्शन चिंतन को कमतर बताया है। अंग्रेजी सभ्यता ने राष्ट्रजीवन को आत्महीन बताया। अब अंग्रेजी हमारी बुद्धि में है। सभी भारतीय भाषाएं हमारी मां, मां जैसी या मौसी लेकिन, अंग्रेजी सुपरिचित आत्मीय शत्रु। अंग्रेजी भारतीय अनुभूति के प्रकटीकरण में अक्षम है। शिक्षक श्रद्धेय हैं। उम्र में छोटे हों तो भी। मनुस्मृति की बड़ी निंदा होती है। इसमें शिशु दीक्षित के सम्मान में भी 50-60 वर्षीय वरिष्ठजनों को सम्मान में खड़े होने के सुझाव हैं। तुलसीदास का श्रीगुरु चरण सरोज रज,निज मन मुकुर सुधार दोहा है। इसका अंग्रेजी अनुवाद कठिन है। अंग्रेजी में गुरु का समानार्थी शब्द है नहीं। चरण के लिए शब्द है, लेकिन सरोज का क्या करें। उसका ठीक अनुवाद हो भी तो सरोज रज का अनुवाद असंभव। शिक्षक की कठिनाई है। वे सुयोग्य हैं, लेकिन शब्द ज्ञान से ही काम नहीं चलता। डॉ. राधाकृष्णन- भारतीय दर्शन की गहन समझ से भरे-पूरे थे। उनकी पुस्तक ह्यईंडियन फिलॉस्फीह्ण ने सारी दुनिया को भारतीय चिंतन की जानकारी दी। गीता का अंग्रेजी अनुवाद असंभव है। उन्होंने इसे संभव बनाया। उन्होंने अनुवाद में अपना कोई दृष्टिकोण नहीं जोड़ा। भारतीय शिक्षा और शिक्षकों में राष्ट्रीय आत्मा की सुवास रही है। शिक्षा अच्छे मनुष्य की निर्मिति है। अच्छा मनुष्य आदर्श मनुष्य होना चाहिए। भारतीय आदर्श का अच्छा मनुष्य लोकमंगल अभीप्सु मानव है। आत्मबोध में वह संपूर्ण विश्व का अंश है। शिक्षक पर ऐसा ही मनुष्य गढ़ने की जिम्मेदारी है। आदर्श मनुष्य गढ़ना आसान नहीं। शिक्षा मनुष्य के सर्वोत्तम को प्रकट करती है। इसके लिए ध्यान चाहिए। ध्यान यानी एकाग्रता। विवेकानंद ने कहा है, एकाग्रता ही वह विधि है, जिसके द्वारा ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। मन की एकाग्रता ही शिक्षा का सार तत्व है। जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने का यही सर्वोत्तम साधन है। विचारों की एकाग्रता के अभाव में ही मनुष्य भयंकर भूलें करता है। जो मनुष्य प्रशिक्षित होता है या जिनका मन एकाग्र होता है, वह भूल नहीं करता। मनुष्य के चित्त की एकाग्रता के अनुपात में भिन्नता के कारण ही मनुष्यों में अंतर होता है। महान व्यक्ति का चित्त एकाग्र और साधारण व्यक्ति का मन कम एकाग्र या चंचल होता है। हरेक मनुष्य अनूठा है। अद्वितीय है। उस जैसा दूसरा मनुष्य है ही नहीं। दूसरा हो भी नहीं हो सकता। इसलिए उसके अंतस को उसी स्वरूप में, उसकी निजता और वैशिष्ट्य में सर्वोत्तम तक विकसित करने का काम कठिन है। परिश्रमी शिक्षक भी संगीत प्रिय छात्र को अर्थशास्त्र का विद्वान नहीं बना सकता। शिक्षक और छात्र का संबंध महत्वपूर्ण है। शिक्षा देना आसान है, लेकिन छात्र का ग्राह्यता स्तर मापना कठिन है। उत्तर वैदिक काल में आचार्य और शिष्य साथ-साथ प्रार्थना करते थे- सहनोभुनक्तु, सहनाववतु शब्द आज भी जीवंत हैं। शिक्षा में संसार की उपेक्षा नहीं थी। तैत्तिरीय उपनिषद में शिक्षा की संक्षिप्त व्याख्या के बाद आचार्य और शिष्य प्रार्थना करते हैं- हम दोनों का यश साथ-साथ बढ़े। हम दोनों का तेज एक साथ बढ़े। हम लोक जानें। ज्योतियां जानें। विद्या (मुक्ति संधान) जानें और प्रकृति रहस्य भी। पृथ्वी पूर्व वर्ण है, अंतरिक्ष उत्तर वर्ण हैं। आकाश संधि है। वायु योजक हैं। आदि। यहां शिक्षा का विस्तार अंतरिक्ष तक है। जहां तक शिक्षा है, वहां तक शिक्षक का भी विस्तार है। इसलिए शिक्षक को आचार्य कहा गया। आचार्य अपने आचार से शिक्षा देते थे। गुरु इसी शिक्षक चेतना का विकास है। शिक्षक दिवस गुरु उत्सव ही है।

(लेखक उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

कैसे बने अहिंसक विश्व समाज

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। विकसित बुद्धि, भाषा विकास, सीधे खड़े होने की सामर्थ्य और उंगलियों की विशिष्ट बनावट के चलते ही मनुष्य अन्य पशु समुदाय से अधिक विकसित हो सका है अन्यथा बहुत-सी पशु वृत्तियां मनुष्य में भी विद्यमान हैं। हर मनुष्य और मनुष्य समाज सुख-शांति से रहना चाहता है। तमाम भौतिक सुख-सुविधाएं पैदा करने के बावजूद पशु वृतियों के चलते हिंसक और लालची व्यवहार से मनुष्य एक दूसरे को कष्ट पहुंचा कर दुखी करता आया है। इसी कारण स्वयं भी दुखी होता आया है। शायद इसी पशु वृत्ति जनित दुख निवारण के लिए धर्मों का अविष्कार मनुष्य समाज ने किया होगा, जिसमें कुछ आत्म नियमन द्वारा पशु वृतियों के दमन की अपेक्षा करके समाज को सुखी बनाने की चेष्टा की गई है, किंतु पशु वृतियां धर्मों पर भी हावी हो गईं। धीरे-धीरे यह विचार आने लगे कि मेरा ही धर्म श्रेष्ठ है, इसलिए दूसरे के धर्म को निकृष्ट बता कर उसे समाप्त या नियंत्रित करने के प्रयास शुरू हो गए। इससे एक नए प्रकार की भयानक हिंसा का जन्म हो गया। चले थे हरि भजन को, ओटन लगे कपास- कहावत को चरितार्थ करते हुए सुख और शांति की दिशा में बढ़ने के नाम पर बड़ी हिंसा का शिकार हो गए। कबीलाई समाज के समय जब मनुष्य समाज उतना विकसित नहीं था, तब हिंसा छोटे स्तर पर छोटी-छोटी बातों पर होती थी। खाना तलाशने, शिकार के इलाके पर आधिपत्य को लेकर एक कबीला दूसरे से टकरा जाता था। जैसे-जैसे मनुष्य विकसित होता गया, वैसे-वैसे उसकी आवश्यकताएं बढ़ती गईं। फिर टकराव के मौके भी बढ़ते गए। टकराव के शस्त्रास्त्र भी बढ़ते गए। यानी सुख शांति से जीने के हालात कम होते चले गए। पहले लाठी-डंडों से झगड़े निपट जाते थे, फिर भाले तीर, तलवारों की नौबत आ गई और अब महाविनाशक अणुबमों के खतरे में जीने को अभिशप्त हैं। दर्द बढ़ता ही गया, ज्यों-ज्यों दवा की- यह कहावत चरितार्थ होने लगी। अनेक धर्मों, पंथों ने साधना और धार्मिक नियमन से व्यक्तिगत तौर पर अहिंसक व्यवहार में पारंगत महामानवों को पैदा किया, किंतु सामूहिक स्तर पर अहिंसा का प्रयोग बहुत नगण्य रहा, जिसमें शायद महात्मा गांधी एक अपवाद हैं, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ स्वतंत्रता आंदोलन में अहिंसा को एक उपकरण की तरह उपयोग करने का साहस किया। बड़े पैमाने पर सफलता भी हासिल की, किंतु उसमें भी बहुत से लोग इस उपकरण को मान्यता देने में संकोच करते हैं और इस बहस में फंसे रहते हैं कि आजादी अहिंसक आंदोलन से मिली या क्रांतिकारी आंदोलन और नेताजी सुभाष बोस के सैनिक प्रयास से। यहां मकसद यह तय करना नहीं है कि किसके प्रयास से आजादी मिली, सबके ही प्रयास महत्वपूर्ण रहे हैं, किंतु मूल प्रश्न है कि अहिंसा के उपकरण को व्यक्तिगत स्तर से आगे बढ़ कर सामूहिक स्तर तक उपयोगी कैसे बनाया जाए, ताकि अंतरराष्ट्रीय मामलों को सुलझाने के लिए युद्धों के अलावा अहिंसक उपाय किए जा सकें और सुख-शांति पूर्ण जीवन संभव हो सके। इस दिशा में यह भी देखा जाना चाहिए कि देशों में युद्धों के मुख्य कारण क्या रहे हैं। इतिहास के अध्ययन से हमें ज्ञात होता है कि बहुत से संघर्ष आर्थिक प्रभुत्व के लिए हुए हैं या फिर अपनी धार्मिक विचारधाराओं के जबरदस्ती प्रचार की भूख के कारण हुए हैं। कोई यह बोले कि मेरे रास्ते से स्वर्ग या जन्नत मिलना तय है, तो भाई आप स्वर्ग या जन्नत के मजे लूट लो, दूसरे को क्यों परेशान करते हो कि आप भी मेरे रास्ते चलो। जिस धर्म का उद्भव या विकास मानव समाज को सुखी करने के लिए हुआ था, उसी के कारण दुनिया में कितना हिंसक वातावरण बना है और सब तरफ दुख ही फैलने का कारण बन गया है। इस तरह के हालात में अहिंसक शक्ति को कैसे सर्वोपरि बनाया जा सकता है। वरना हिंसा और प्रतिहिंसा के दुश्चक्र में धर्म तो गायब ही हो जाता है। जो मनुष्य समाज दूसरे को दुखी करेगा, वह स्वयं भी दुखी होगा ही, क्योंकि हर क्रिया की प्रतिक्रिया तो प्रकृति का नियम ही है। इतनी बात समझ आ जाए तो आगे का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। आर्थिक कारणों से होने वाली हिंसा भी दो तरह की है। एक तो अभाव जनित है। अभाव दूर करके इसका निराकरण किया जा सकता है। दूसरी है लालच जनित। इसके बारे में गांधीजी ने कहा था कि प्रकृति के पास सबकी जरूरतें पूरा करने के लिए पर्याप्त है, किंतु किसी की लालच की पूर्ति के लिए कुछ भी नहीं। यानी लालच प्रकृति की शक्ति पर अनचाहा भार है और समाज में अन्याय का कारण भी। गांधीजी का आत्मनिर्भर समाज का सिद्धांत इस दृष्टि से उपयोगी हो सकता है, यदि इसे वैश्विक स्तर पर भी लागू किया जा सके। जब सभी देश आत्मनिर्भर होने के लक्ष्य से काम करेंगे तो अनंत साधन और शक्ति हथियाने की जरूरत समाप्त हो जाएगी। व्यापारिक मंडियों पर कब्जे की जरूरत ही नहीं रहेगी। अंतरराष्ट्रीय हिंसा का बड़ा कारण सीमाओं की रक्षा भी है। जैसे आर्थिक विस्तारवाद खराब है, वैसे ही सीमाई विस्तारवाद भी है। इसके लिए सशक्त विश्व मंच की जरूरत है, जो सीमाओं के संरक्षण की गारंटी दे सके। क्या संयुक्त राष्ट्र संघ उस दिशा में विकसित किया जा सकता है। यदि सीमाओं की सुरक्षा सलाह-मशविरे से संभव हो जाए, तो हिंसा का बड़ा कारण समाप्त हो जाएगा। फिर आप सेनाओं और भयंकर शस्त्रास्त्रों पर खर्च राशि को बहुत घटा सकते हैं और समाज के सुख-समृद्धि पर खर्च कर सकते हैं। काश! ऐसा हो पाए।

Social Media Corner

सच के हक में...

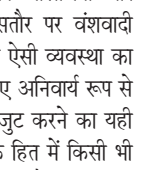

जाति जनगणना अब एक अजेय विचार है। यह महत्वपूर्ण प्रश्न कि क्या हमारी 90 प्रतिशत आबादी का भारत की संस्थागत संरचना-अर्थव्यवस्था, सरकार, शिक्षा-में सार्थक प्रतिनिधित्व है-एक उत्तर की मांग करता है। इसके मूल में, यह निष्पक्षता और न्याय का मुद्दा है। आर्थिक और संस्थागत सर्वेक्षण के साथ-साथ व्यापक जाति जनगणना से कम कुछ भी अस्वीकार्य है।

(राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)

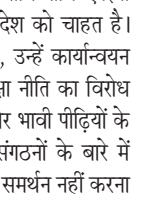

चांडिल में पूर्वी सिंहभूम, सराईकेला-खरसावां और पश्चिम सिंहभूम जिले के लाभुकों के बीच आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम हेतु आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुआ। सभी को अनेक-अनेक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार।

(सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

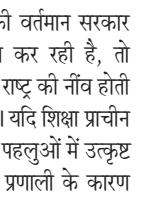

साहिबगंज जिले में एक आदिवासी बेटी की ईलाज के अभाव में असामयिक मृत्यु की सूचना हृदय विदारक है। धिक्कार है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था की स्थिति इतनी बदतर है। एयर एंबुलेंस का हवा-हवाई जुमला फेंकने वाले हेमंत सोरेन आदिवासी बेटी के मलेरिया का ईलाज नहीं करा पाए। जब यह आदिवासी बेटी ईलाज के अभाव में तड़प-तड़प कर अपने पिता की गोद में दम तोड़ रही थी, तब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हेलीकॉप्टर में बैठ कर चिल्ला तोड़ने का वीडियो बनवा रहे थे और अपने चमचों के माध्यम से शेयर करवा रहे थे।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

भारत की छवि को हो रही धूमिल

अमेरिका यात्रा पर पहुंचे राहुल गांधी ने प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए फिर से कुछ ऐसी बातें कहीं, जिन पर विवाद होना ही था। इस पर आश्चर्य नहीं कि भाजपा नेताओं ने उनके बयान पर आपत्ति जताई और उन पर विदेश में देश को बदनाम करने का आरोप लगाया। यह तय है कि इससे राहुल गांधी पर कोई असर पड़ने वाला नहीं है। उन्होंने भारत में राजनीति में प्यार, सम्मान और आदर के अभाव पर चिंता व्यक्त की, लेकिन यह किसी से छिपा नहीं कि वह खुद अपने राजनीतिक विरोधियों और विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति किस तरह अपनी नफरत व्यक्त करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। वह यह काम विदेश में भी जारी रखते हैं। इस बार भी उन्होंने ऐसा ही किया। इसी क्रम में उन्होंने कई ऐसी बातें कहीं, जो उनकी राजनीतिक संकीर्णता को प्रकट करने वाली हैं। उन्होंने एक बार फिर भारत को अमेरिका की तरह

राज्यों का संघ बता दिया। वह यहीं पर नहीं रुके। उन्होंने यह मनगढ़ंत आरोप उछाला कि भारत में विविधता का निरादर हो रहा है। इससे भी खराब बात यह रही कि पता नहीं कैसे वह इस नतीजे पर पहुंच गए कि भारत में तमिल, तेलुगु, मलयालम आदि भाषियों पर हिंदी थोपी जा रही है और उनकी संस्कृति, खान-पान आदि को कमतर बताया जा रहा है। यह एक शरारत भरी बात है कि भारत में हिंदी और दूसरी भारतीय भाषाओं के बीच संघर्ष जारी है। आखिर कौन है, जो राहुल गांधी को यह समझा रहा है कि भारत में ऐसा हो रहा है, क्योंकि देश में कोई भी किसी भाषा या उसकी संस्कृति को कमतर नहीं बता रहा है। गैर हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी की लोकप्रियता स्वतः बढ़ रही है और इस कारण बढ़ रही है, क्योंकि एक तो वहां हिंदी भाषी बढ़ रहे हैं और दूसरे, गैर हिंदी भाषियों को हिंदी सीखने की आवश्यकता महसूस हो रही है। राहुल गांधी ने अमेरिका में जो विचार व्यक्त किए, उनसे यदि कुछ स्पष्ट होता है तो यही कि उन्हें भारत में कुछ भी अच्छा होता हुआ नहीं दिख रहा है। उनकी मानें तो भारत में सभी संस्थाओं और यहां तक किक्षन्यायिक तंत्र पर भी चंद लोगों यानी भाजपा और आरएसएस का कब्जा है। उन्होंने प्रवासी भारतीयों को यह समझाने की भी कोशिश की कि भारत में भाजपा और आरएसएस महिलाओं को दबाने में लगे हैं। उनके हिसाब से भारत में हुनरमंद लोगों को किनारे किया जा रहा है। इसमें संदेह नहीं कि उन्हें भाजपा, आरएसएस और मोदी सरकार रास नहीं आ रही है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि वह विदेश में देश को नीचा दिखाने में लग जाएं। वह पहले भी ऐसा करते रहे हैं और यहां तक कह चुके हैं कि भारत में लोकतंत्र खत्म हो गया है। अब वह इसमें यह भी जोड़ रहे है कि संविधान खतरे में है।

रेल सुरक्षा

ट्रेन को पटरी से उतारने की साजिश की जितनी निंदा की जाए, कम है। उत्तर प्रदेश के कानपुर में रविवार देर रात प्रयागराज-भिवानी कालिंदी एक्सप्रेस पटरियों पर रखे एलपीजी सिलेंडर से टकरा गई। यह तो अच्छा था कि सिलेंडर में विस्फोट नहीं हुआ। सिलेंडर टकराकर दूर चला गया और ट्रेन को पटरी से उतारने की साजिश नाकाम हो गई। पुलिस ने अपने स्तर से इस घटना को गंभीरता से लिया है और वह इसे बड़ी साजिश मान रही है, तो आश्चर्य नहीं। पुलिस को हर हाल में उस व्यक्ति या उन व्यक्तियों तक पहुंचना चाहिए, जिन्होंने ऐसे दुस्साहस को अंजाम दिया है। आजकल वैसे भी ट्रेनों की औसत गति काफी बढ़ गई है और पटरियों पर एक के पीछे एक इतनी ट्रेनें दौड़ रही हैं कि उन्हें समय से चलाना और गति के साथ चलाना अनिवार्य होता जा रहा है। कालिंदी एक्सप्रेस भी काफी तेज गति से आगे बढ़ रही थी। अगर उससे टकराकर सिलेंडर में विस्फोट होता, तो बहुत बड़ा नुकसान हो सकता था। फोरेंसिक टीम जांच में लग गई है। अपराधियों तक पहुंचना और उनके पूरे मनसूबे को जानना जरूरी है, ताकि सुरक्षा के प्रबंध को पुख्ता किया जा सके। ऐसे गंभीर मामलों में जांच एजेंसियों को लीपापोती से बचते हुए खतरों को देखने-समझने की कोशिश करनी चाहिए। रेल संचालन जितना महत्वपूर्ण है, उससे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है, ऐसे अपराधी तत्वों पर अंकुश। ध्यान रहे, 17 अगस्त को वाराणसी-अहमदाबाद साबरमती एक्सप्रेस के 22 डिब्बे कानपुर के पास ही पटरी से उतर गए थे, जब इंजन एक वस्तु से टकरा गया, जिसे लोको पायलट ने चट्टान बताया। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के पटरी से उतर जाने से चार यात्रियों की जान चली गई थी। कालिंदी एक्सप्रेस के साथ हुई ताजा घटना कितना गंभीर रूप ले सकती थी, यह हमें जरूर सोचना चाहिए।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

India-US relations need a reality check

THE Leader of the Opposition (LoP) in the Lok Sabha, Rahul Gandhi, is on a visit to the US. The visit has few precedents. The Biden administration is giving considerable importance to it, as was evident when US Ambassador to India Eric Garcetti met Congress president Mallikarjun Kharge on September 3 to discuss the details of this trip. Enjoying the status of a Cabinet minister as LoP, Rahul is expected to meet senior officials in the US administration, business and technology leaders, diplomats, academics and members of the Indian diaspora. Not many Cabinet ministers get such wide access.

Last year, PM Modi's state visit to the US in June had generated considerable excitement. President Biden had then described the India-US ties as "one of the most defining relationships in the 21st century". That visit had led to several major agreements about providing technologies for manufacturing F-414 jet engines in India, setting up of new semiconductor plant, sale of 31 MQ-9B SkyGuardian drones, cooperation in other critical and emerging, space technologies and other fields.Though it was clear even at that time that India and the US had differing positions on several issues, including the Ukraine conflict, as India had refused to criticise Russia directly in view of its close and historical ties. On the issue of human rights too, the two countries had different perspectives, though Biden had downplayed the issue when pointed questions were raised about the human rights record of the Modi government.However, during the G20 Summit in New Delhi in September 2023, both countries showed better cooperation as India, with support from the US, was successful in forging consensus on many difficult issues such as the Ukraine war, climate change, admission of African Union as a new member and a separate agreement on the India-Middle East-Europe Economic Corridor. The G20 had emerged as a robust platform against the prevailing pessimism where the developed, socialist and developing countries could come together to negotiate on complex problems.Serious differences, however, had begun to emerge between India and the US immediately after the summit. Biden had reportedly wanted to hold a joint press conference with PM Modi. But India was reluctant because of the possibility of Biden indulging in a veiled criticism of India's human rights policies following the arrest of some Opposition leaders earlier. India did not want to mar a successful summit with criticism of its human rights record before G20 leaders. Biden did his presser after reaching Hanoi but nursed a grievance that he was denied that opportunity in New Delhi.These differences on the issue of human rights deepened when Canadian PM Justin Trudeau claimed (without furnishing evidence) in September last year that there were 'credible allegations' of the Indian government's involvement in the murder of Hardeep Singh Nijjar, a Khalistani activist, who was killed outside a gurdwara in Surrey in June 2023. In November 2023, the US government said it had arrested Indian national Nikhil Gupta in Prague for allegedly conspiring to assassinate another Khalistani terrorist, Gurpatwant Singh Pannun, on American soil. The US claimed that Gupta, a businessman, had tried to hire a professional killer who turned out to be an undercover US drug enforcement agent, and was acting on the advice of an Indian government employee engaged in security and intelligence work.

Since the US allegations pointed to a nexus between organised criminals, gun-runners, terrorists and others, India agreed to set up a high-level inquiry committee to investigate the matter.

J&K deserves a govt that can deliver

Failed promises have been the hallmark of the Centre's administration of the UT

ON December 11, 2023, the Supreme Court directed that Jammu and Kashmir's statehood be restored 'as soon as possible'. The learned judges, led by none other than the Chief Justice of India, also noted that the Legislative Assembly elections need not await the restoration of statehood, and issued a direction that the polls be conducted before September 30, 2024. A simple reading of the judgment will amply demonstrate how the spirit of the law was conveniently circumvented by reliance on the letter of the law.In a telling statement in the concluding pages of his judgment, Justice Sanjay Kishan Kaul pleaded that the Union set up a "truth and reconciliation Commission" just like South Africa did after the apartheid era. "This Commission should be set up expediently before memory escapes. The exercise should be time-bound. There is already an entire generation of youth that has grown up with feelings of distrust and it is to them that we owe the greatest duty of reparation," he wrote. This was the voice of an anguished Kashmiri at what had become of his people, echoing what had been the demand of a former Chief Minister while in office — Omar Abdullah.

Now a Union Territory, the erstwhile state was brought through a Home Ministry notification under its administrative control to the extent of being as close to the Union Government's administration as is the UT of Delhi. And it is to the executive of this entity that elections will be underway soon, but without Ladakh, which is a separate UT without a legislature.

At issue in this election is the restoration of self-government to the people of J&K, a status enjoyed by the citizens of every state in India, ruled by governments of their choice through a system of elections envied by many of the world's democracies — from legislative assemblies down to the level of panchayats. The restoration of statehood is the centrepiece of the campaign of the Congress' Rahul Gandhi, Set against this is only a string of failed promises and outright flops that have been the hallmark of the Home Ministry's administration of the UTs of J&K and Ladakh. This is then the issue at the core of the campaign since the people across the two UTs will no longer countenance a government that cannot deliver.

In a remarkable pretence at restoring democracy, District Development Councils (DDCs), crafted with dexterity by talented bureaucrat BVR Subrahmanyam, then Chief Secretary of J&K, had been established in 2020. In an election swept by an alliance of UT parties, it was elected with no more authority than a cipher for the local police station house officer.The Smart City signage across Srinagar marks sites of sewage effluents, potholed roads, damaged culverts or open manholes, supposedly under repair but with not a labourer in sight, only harassed citizens. Yes, there has been much activity in road-building in the main streets of Srinagar, but these, including the fabled boulevard, have been rendered unmotorable. That's because wide pavements, used as I have seen for myself, by no strollers whatsoever, have been built along the roadside, strangling motor traffic, which now has to crawl nose to tail. A proud young Municipal Commissioner escorted me to the renovated upmarket Polo View market that bridges the Residency and Maulana Azad roads, which together pass off as

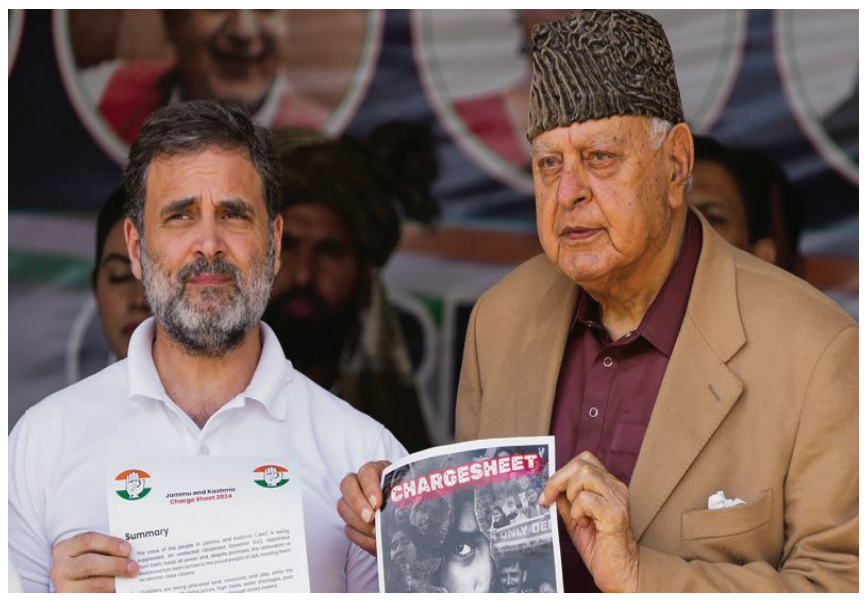

Srinagar's Connaught Place. Apart from the fact that the dashing young man was unable to step into the market without being surrounded by10 armed men in black with LMGs cocked, there were no customers in the market despite it being the high noon of the tourist season. And I was told that this frenetic building activity was being ably conducted by seasoned contractors from prosperous Gujarat, with migrant labour from UP, Bihar and West Bengal. So, what did the Kashmiris get out of this?Sadly, the tale is the same with every other promise, Rates of employment have fallen sharply despite the promise of jobs, with many of the vacancies filled both in Jammu and Kashmir divisions with recruits from elsewhere. The recent extension of Scheduled Tribe facilities to Pahari or Rajput communities in Jammu division amidst a loud proclamation by Home Minister Amit Shah has gone nowhere since there are no jobs to be had, reserved or otherwise. Medical facilities have suffered, with nursing homes shutting down and patients travelling to Delhi for remedies. The prestigious Sher-i-Kashmir Institute of Medical Sciences, instead of being restored to its heyday of the 1980s, when it was equipped with state-of-the-art facilities — and where I was pulled back from the brink of death after an accident in 1993 when I was the Divisional Commissioner of Kashmir — is now languishing under a junior bureaucrat.

This will also explain why Farooq Abdullah's National Conference (NC), in alliance with the Congress, has struck a chord with the people, be it his admirers or adversaries of yore. He is seen as the tallest regional leader who led his party to victory in Kashmir (winning two seats out of three) in the 2024 Lok Sabha elections; in Ladakh, the NC-backed independent candidate won. He also led the PAGD (People's Alliance for Gupkar Declaration) to a win in the DDC elections.

This also explains why there is such a proliferation of candidates, even those that have had a declared separatist outlook. State Congress head Tariq Qarra has complained on TikTok that this is a ploy by the ruling party at the Centre to divide the Opposition. The release of several former leaders of the banned Jamaat-e-Islami from prolonged detention in the recent past and their grudging willingness to consider participating in the electoral process would appear to offer such a view. It might be recalled that their foremost leader at the close of the 20th century was Ali Shah Geelani, the apostle of the stridently separatist Hizbul Mujahedeen.

Nevertheless, while the integration of a former Hurriyat leader like People's Conference chairperson Sajjad Lone into 'mainstream politics' was anything but painless, the success of Engineer Rasheed in the parliamentary elections, which he won from Baramulla — worsting none other than Omar Abdullah — has opened a door to dissidents, which in turn will open the way for universal participation in the electoral process, a process which to my mind holds the key to the ultimate resolution of the integration of J&K into India. Whether the upcoming election is looked upon as an exercise in futility as it will end up by forming a legislature with scant authority, the very fact of wide public participation will demonstrate that democracy has at last come into its own in J&K and give India the roadmap to its future with what was and hopefully will be 'the people of the state of J&K'.

The Kargil admission

Pakistan must do more to bridge trust deficit

PAKISTAN army chief Gen Syed Asim Munir has uttered the K-word. K stands for Kargil, not what the Rawalpindi Generals are perennially obsessed with — Kashmir. Addressing the Defence and Martyrs' Day event on Friday, Gen Munir mentioned the 1948, 1965, 1971 and Kargil wars — all in the same breath. This public acknowledgement of the 1999 conflict by none other than Pakistan's top military officer debunked the improbable theory that 'private freedom fighters' were solely involved in the intrusions. Even former PM Nawaz Sharif had stopped short of naming Kargil when he admitted earlier this year that Islamabad had violated an agreement with Delhi, signed by him and then PM Atal Bihari Vajpayee in February 1999.

It is common knowledge that the Kargil misadventure was orchestrated by then army chief Gen Pervez Musharraf. Smarting from the 1971 defeat, Pakistan tried to turn the tables on India but came a cropper. Why would Gen Munir mention it now, weeks after India

celebrated 25 years of the Kargil triumph? After all, the Pakistani military is firmly in the saddle, with the Sharif brothers under its control and the 'uncooperative' ex-PM Imran Khan behind bars. This could be an attempt to give the impression that Pakistan is finally coming to terms with its unpleasant past and is keen to learn from its historical blunders. Notably, PM Shehbaz Sharif said at the same event that his country desired peace with all neighbours.Despite these statements, coupled with overtures such as Pakistan's invitation to PM Narendra Modi to attend the SCO meeting in Islamabad next month, India has no reason to let its guard down. The trust deficit persists, with the Jammu region reeling under a spate of attacks linked to Pakistan-trained terrorists. Ironically, Pakistan is itself battling a surge in terrorism in Balochistan and Khyber-Pakhtunkhwa. Gen Munir would be well advised to clear the air about his military's role in terror attacks across the LoC.

Unreliable data inevitably leads to flawed conclusions

Appropriateness of the metric of a measurement is immensely important.

IN his January 2023 address, then UK Prime Minister Rishi Sunak had stated that the country needed to reimagine its 'approach to numeracy' since we live "in a world where data is everywhere and statistics underpin every job."

But should data always be trusted? In 2020, then Conservative UK PM Boris Johnson had stated that there were 1,00,000 fewer children living in poverty at the time than at the end of the previous Labour government's tenure. However, Labour leader Sir Keir Starmer claimed that 6,00,000 more children were living in poverty under Conservative rule. Interestingly, the government's statistics backed both claims, according to Georgina Sturge, statistician of the House of Commons Library. Thus, both were correct, but how?

Sturge's 2022 book Bad Data: How Governments, Politicians and the Rest of Us Get Misled by Numbers shows how crucial data, including that from the government, is riddled with inconsistencies, guesswork and uncertainty. Data disasters from recent political history, including some of Brexit's antecedents, are used to illustrate the book, which is upfront about the flaws and gaps in the data.

Sturge examines case studies of some of the most contentious topics, including gender disparity, immigration, Brexit, hate crimes, poverty and the state of education and healthcare. There is some dispute about what constitutes poverty, contributing to the discrepancy between Starmer's and Johnson's numbers. Sturge queries the definition of poverty. Is it a failure to provide for fundamental needs? And should television and access to the Internet be included among them? Also, should it cover the capacity, say, to pay an unexpected bill of a moderate amount?Neither the unemployment data in the 1980s nor the crime statistics of the 1990s or 2000s for the UK were reliable. The UK government has altered the definition of unemployment and the method for registering and counting unemployed people numerous times over the past 50 years. Once the union insurance claims were added to the claimant count, it was then expanded to include anyone who was 'actively seeking work'. Broader metrics are currently being used, and they account for those who are actively seeking employment as well as the larger group of people who are not, for various reasons. Sturge claims that nine 'significant' changes have been noted by the UK Office for National Statistics, making it impossible to compare the series over time.

Understandably, in such a scenario, it is difficult to assess whether the situation is getting better or worse, since we either do not count certain things or we do not count them consistently. According to Sturge, irregularities occur in the UK crime or health statistics since the same people who are responsible for reducing crime incident or disease numbers are responsible for recording those numbers. "We don't know... how many people died from Covid-19 or whether crime is going up or down," she wrote. Furthermore, disparities in the approach often distort the meaning. For instance, the data from telephone interviews used for the crime survey during the Covid-19 pandemic may not be comparable to the data from in-person interviews conducted before and after the pandemic.

Besides, if we don't know the underlying narrative, data just can't paint the whole picture. Sturge's book has the lovely historical anecdote of the origin of the term 'cobra effect'. Apparently, in 19th-century Delhi, a reward was offered for those who caught and killed the cobras that were overrunning the city. The public health risk posed by the venomous snakes,

however, persisted even after locals reported wheelbarrow loads of dead cobras to the authorities. It eventually became evident that many people had chosen to breed cobras with the intention of killing them and claiming a reward, and a significant number of these farmed cobras were escaping and attacking people.

Again, only data is not enough; the appropriateness of the metric of a measurement is immensely important. For example, rather than revealing general gender differences, the gender pay gap highlights the under-representation of women in top posts at firms. So, while helpful, this statistic is not very nuanced. In his 2019 book Bad Data: Why We Measure the Wrong Things and Often Miss the Metrics That Matter, Canadian urban designer Peter Schryvers drew attention to the drawbacks of data analysis and stressed the need to apply appropriate metrics before making key decisions in the environment, corporate and healthcare sectors.Economist Joseph Stiglitz, recipient of the 2001 Nobel Prize, once stated: "What we measure informs what we do. And if we're measuring the wrong thing, we're going to do the wrong thing." Of course, there are tons of other examples beyond those two books on bad data. The GDP, which is frequently criticised as an inappropriate indicator of growth, is a crucial one. A small number of wealthy individuals contribute far too much to the GDP. Besides, there are more flaws in the GDP calculation process. In mid-2013, the US Bureau of Economic Advisers had modified its GDP calculation methodology, resulting in an overnight growth of 3 per cent in the US economy. Ghana moved its base year from 1993 to 2006 in 2010, resulting in a GDP growth of 60 per cent and its transformation from a low to a lower-middle-income country. Similarly, Nigeria's GDP grew by 89 per cent all at once when this was 'rebased' in 2014; it surpassed South Africa to become Africa's largest economy. And all that magic happened without any additional economic action.Artificial intelligence (AI), too, is not always correct and unbiased. Bad training data or the intrinsic bias of the data used to train AI models is one of the primary reasons for that. Training data should be vetted to be free of racism, sexism and any other form of discrimination. However, it's almost impossible to guarantee that, particularly since AI requires massive amounts of training data.Therefore, statistical literacy is important for both our daily lives and politics, and data alone is insufficient for the purpose. However, the more general query still stands: Is it possible to draw any significant conclusions from data that seems flawed? Is no data preferable to bad data?

Explained: Why Paytm shares jumped 9% in early trade

New Delhi Paytm shares saw a strong rise of over 9% in early trading on Tuesday, hitting Rs 687.40 per share on the Bombay Stock Exchange (BSE).This marked the second day in a row that the stock gained momentum.

While the exact reason for the sharp increase is unclear, but many believe it could be due to the GST Council's decision not to impose any new GST rules on UPI transactions under Rs 2,000.It may be noted shares of One 97 Communications, Paytm's parent company, have been climbing steadily. In the past week, Paytm's share price has risen by more than 13%, and in the last month, it has gone up by over 30%. Over the last three months, Paytm's stock has jumped by more than 74%.

Paytm's share price is now almost 120% higher than its 52-week low of Rs 310, reached on May 9, 2024.

On August 28, Paytm announced that it received approval from the Ministry of Finance to invest in its payment services business.With this approval, Paytm Payments Services Ltd (PPSL) will move forward in resubmitting its payment aggregator application. Meanwhile, PPSL will continue providing online payment services to its existing partners.

What's next for Paytm shares?

Analysts say that Paytm shares are still looking strong. However, they caution that the stock might face resistance in the Rs 710 to Rs 730 range.

If it breaks through this level, the share price could reach Rs 800.Ganesh Dongre, Senior Manager at Anand Rathi told livemint.com that investors with a medium-term outlook could hold onto the stock, aiming for the Rs 800 target.He advised maintaining a stop-loss below the previous day's close and buying on dips if the stock drops significantly.

Narayana Murthy criticizes coaching classes, advocates for genuine learning and critical thinking

New Delhi. Narayana Murthy, co-founder of Infosys, has expressed strong reservations about the effectiveness of coaching classes, particularly those in high-pressure environments like Kota. Speaking at the launch of Paul Hewitt's 13th edition of Conceptual Physics in Bengaluru, Murthy argued that coaching centres are not the optimal solution for students aiming to excel in examinations.Murthy emphasized that the true purpose of education should be to cultivate critical skills such as observation, analysis, and hypothesis testing skills essential for addressing real-world problems. According to him, the reliance on coaching classes is indicative of a larger issue within India's education system, which often prioritizes rote memorization over meaningful learning.

He observed that many students resort to coaching centres because they do not fully engage with their school curriculum. This, coupled with parents' increasing dependence on these centres, highlights a troubling trend. "The growing coaching industry, now worth over Rs 58,000 crore annually and expanding at 19-20% per year, underscores a sstemic problem," Murthy stated.Murthy advocates for an educational approach focused on understanding and critical thinking rather than mere memorization. He reflected on a 1993 workshop at Infosys where he defined innovation as the pursuit of better, faster, and cheaper methods whether in daily tasks or complex problem-solving.

PLI scheme for chip: 20 requests pending

NEW DELHI. Nearly 20 applications are pending with the Ministry of Electronics and Information Technology for evaluation and approval for semiconductor under the production linked incentive scheme, a senior government official said on Monday.

As per Akash Tripathi, CEO of the India Semiconductor Mission, the country is expected to have more than 10 semiconductor units within the next decade to meet its domestic and global demand. "India should have at least 10 semiconductor units including fabs to meet the demand for chips both in India and worldwide," said Tripathi.The government announced an incentive of Rs 76,000 crore to develop semiconductor ecosystem in 2021. It has so far approved several semiconductor projects including a chip fabrication unit in Dholera, Gujarat, and four chip packaging units: three in Sanand, Gujarat, and one in Morigaon, Assam. The cumulative

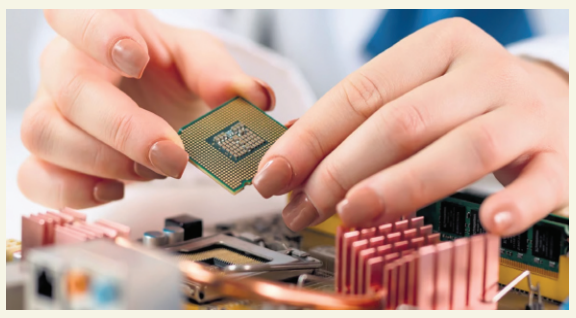

investment in these projects is Rs 1.50 lakh crore.

As the capital announced for the scheme is nearing exhaustion, the government is expected to announce a second tranche of incentives for semiconductor soon. Tripathi mentioned that if necessary, the government will increase the allocation to develop the semiconductor ecosystem in the country.

"When the mission was started, it was anticipated that at least 10 years of support would be needed until we become mature. If the funds need to be expanded, we will do it," said Tripathi.The government recently approved a Rs 3,307 crore proposal for an outsourced assembly and testing (OSAT) unit by Mysuru-based Kaynes Semicon. The OSAT unit will be set up in Sanand, Gujarat, with a total capacity of 6.3 million chips per day.Meanwhile, the Maharashtra government announced that it had approved a $10 billion chip plant to be jointly established by Israel's Tower Semiconductor and the Adani Group. Regarding this, Tripathi said Israel's Tower Semiconductor has submitted its application, but the Ministry of Electronics and Information Technology (MeitY) has requested more details including information about its technology partner and financial model.

US partners with India Semiconductor Mission

US has announced a collaboration with India's Semiconductor Mission to explore opportunities for expanding and diversifying the global chip ecosystem.

US, India join hands to expand semiconductor industry. All you need to know

The US Department of State will collaborate with the India Semiconductor Mission, under India's Ministry of Electronics and IT, to explore ways to grow and diversify the semiconductor ecosystem.

New Delhi The United States and India have taken a huge step towards expanding the global semiconductor supply chain.The US Department of State will collaborate with the India Semiconductor Mission, under the Ministry of Electronics and IT, to explore ways to grow and diversify the semiconductor ecosystem.

This initiative will be supported by the International Technology Security and Innovation (ITSI) fund, which was established through the CHIPS Act of 2022."The US Department of State will partner with the India Semiconductor Mission, Ministry of Electronics and IT, Government of India to explore opportunities to grow and diversify the global semiconductor ecosystem under the International Technology Security and Innovation (ITSI) Fund, created by the CHIPS Act of 2022 (CHIPS Act)," said a press release by US Department of State.This partnership aims to build a more resilient and secure global semiconductor value chain. The initial phase will involve a detailed assessment of India's current semiconductor ecosystem, looking at its regulatory framework, workforce capabilities, and infrastructure.Key stakeholders in India, such as state governments, educational institutions, research centres, and private companies, are expected to play a major role in this analysis.The collaboration between the US and India is part of a broader effort to ensure the global semiconductor supply chain remains strong amid increasing digital demands. Semiconductors are critical components

in a wide range of products, from vehicles to medical devices, making their reliable supply essential.The CHIPS Act, signed by US President Joe Biden in August 2022, was created to boost semiconductor manufacturing and research within the United States.It also established the ITSI Fund, which allocates USD 500 million over five years (USD 100 million per year) to support secure and trusted telecommunications technologies and semiconductor supply chains. This partnership with India is one of the first steps under this fund to enhance international cooperation in the semiconductor sector.The ITSI Fund will help the US and India strengthen their semiconductor industries, with both nations benefiting from the improved supply chain resilience. A comprehensive assessment will provide the groundwork for future joint initiatives to enhance this sector further.

Strengthening ties through technology

The growing partnership between the US and India reflects the increasing alignment of their strategic interests, particularly in the technology sector.Speaking at the US-India Strategic Partnership Forum, US Deputy Secretary of State Kurt Campbell highlighted the importance of this relationship, stating that expanding the US-India partnership is one of the most critical efforts of the Biden-Harris administration.Campbell mentioned that the cooperation between the two nations is set to reach new heights, with technology being at the core of their collaboration.

Elon Musk set to be world's 1st trillionaire, second could be an Indian: Report

New Delhi. Tesla CEO Elon Musk is on track to become the world's first trillionaire by 2027, according to a new report by Dubai-based Informa Connect Academy.With his wealth growing at an impressive annual rate of over 110%, Musk's fortune has reached a staggering $241 billion, as per Bloomberg's billionaire index.Following closely behind, Indian industrialist Gautam Adani is poised to be the second person to hit the trillionaire mark, potentially reaching the milestone by 2028.Adani's wealth has been increasing at a remarkable rate of 123% annually.

Other billionaires like Nvidia founder Jensen Huang, Meta CEO Mark Zuckerberg, and LVMH's Bernard Arnault are also expected to cross the trillion-dollar threshold by 2030.

India's wealth boom has been in the spotlight recently, with two reports underscoring the nation's rapid rise in wealth creation. A Fortune India report revealed that the combined wealth of the country's richest individuals has surged past $1 trillion, reaching $1.19 trillion (Rs 99.86 lakh crore), with 185 dollar billionaires.

Leading the pack are Gautam Adani and Mukesh Ambani, each with wealth exceeding Rs 10 trillion. Close behind are the Shapoorji Pallonji family, with a combined fortune of Rs 3,64,932 crore.According to the Hurun India Rich List 2024, India has been minting a new billionaire every five days throughout 2023, adding 1,539 ultra-wealthy individuals with fortunes of more than Rs 1,000 crore.Meanwhile, the Bloomberg real-time index places Ambani as the richest Asian, with $111 billion, followed by Adani at $99.6 billion

Sensex, Nifty open marginally higher on positive global cues; Paytm up 9%

Benchmark stock market indices opened marginally higher on Tuesday after a rally in global markets.The S&P BSE Sensex was down 47.27 points to 81,512.27, while the NSE Nifty50 shed 18.70 points to 24,917.70 as of 10:05 AM.Early trade in Nifty50 saw movements in both directions among top stocks. Leading the gainers was Divis Laboratories with an increase of 3.22%. Bharti Airtel also performed well, rising 1.51%.Axis Bank showed notable growth, climbing 1.16%. Power Grid Corporation and LTIMindtree rounded out the top gainers, advancing 1.08% and 1.00% respectively.SBI Life Insurance experienced the largest decline, dropping 3.10%. HDFC Life Insurance followed with a fall of 2.62%. Bajaj Finserv also faced losses, declining by 1.93%.

Shriram Finance and Bajaj Finance completed the list of top losers, dipping 1.86% and 1.44% respectively.The Nifty Midcap100 index led the gains, rising by 0.85%, while the Nifty Smallcap100 index also performed well, increasing by 0.74%, suggesting continued interest in smaller firms.

Meanwhile, the India VIX, often referred to as the fear gauge of the market, experienced a notable decline of 0.50%.Early trading session saw mixed performance across Nifty's sectoral indices. Several sectors posted gains, with Nifty Media leading the positive performers, rising 1.31%. Nifty Midsmall Healthcare also showed strong performance, increasing by 1.23%. Nifty Pharma gained 1.01%, while Nifty Healthcare Index rose 0.90%. Other sectors in the green included Nifty IT, up 0.53%; Nifty Consumer Durables, advancing 0.38%; and Nifty Realty, climbing 0.19%. Nifty Metal and Nifty PSU Bank saw minimal gains of 0.03% and 0.01% respectively.On the downside, Nifty Financial Services 25/50 experienced the largest decline, dropping 0.93%. Nifty Financial Services also struggled, falling 0.62%. The auto sector faced pressure with Nifty Auto decreasing by 0.31%. Nifty Oil & Gas dipped 0.33%, while Nifty FMCG fell 0.16%.

Suzlon Energy shares up 5%. Will positive momentum continue

Suzlon Energy shares were up nearly 5% after the company announced a major 1.17 GW order win from NTPC Green Energy.

New Delhi, Suzlon Energy shares surged nearly 5% on Tuesday, hitting Rs 78.05 per share, after the company announced a major 1.17 GW order win from NTPC Green Energy.The deal has boosted Suzlon's cumulative order book to almost 5 GW, marking its highest-ever tally. The order will see Suzlon install 370 wind turbine generators (WTGs) across projects for NTPC Renewable Energy and Indian Oil NTPC Green Energy in Gujarat.Morgan Stanley reiterated its "overweight" rating on Suzlon Energy following this contract, stating that the deal enhances earnings visibility for FY26 and FY27.The brokerage firm has set a price target of Rs 73.4, aligning closely with the stock's current trading levels.Suzlon, which had previously been ineligible to bid for public sector orders due to its negative net worth, has now secured a significant PSU deal after a long break.Additionally, nearly 0.3% of Suzlon's equity—equivalent to 3.7 crore shares—was exchanged in a

block deal at Rs 77 per share, with a total transaction value of Rs 272 crore. Suzlon's share price opened with a gain of 4.8%, reaching Rs 77.93.

Of the five analysts covering Suzlon Energy, three have given it a "buy" rating, while two suggest a "hold."

ICICI Securities holds the highest price target of Rs 80 per share, reflecting growing optimism for Suzlon's continued growth.It may be noted that India's wind energy market is expected to see a surge in the coming years, with hybrid renewable energy (RE) projects and round-the-clock (RTC) energy solutions becoming more prominent.

Suzlon's new WTG model, the S144, which boasts a hub height of 160 metres and can generate 40–43% more power than previous models, is key to capturing this growth. This technology makes low-wind sites viable, particularly as India transitions to fixed and dispatchable renewable energy (FDRE) tenders.

With a cash surplus of Rs 1,197 crore, analysts believe that Suzlon is well-positioned for timely capital expenditures, including investments in blade molds and other technological improvements.Analysts believe that if the company continues to capitalise on India's wind energy expansion, the stock could potentially break through its current resistance levels and move towards Rs 800.

Gautam Adani's $1.85 billion airport deal in Kenya hits legal roadblock

The deal faced opposition from various groups in Kenya, with a key legal challenge filed by the Kenya Human Rights Commission and the Law Society of Kenya

NEW DELHI. A recent legal ruling has halted a $1.85 billion deal between Adani Airport Holdings Ltd and the Kenyan government, which would have allowed the company to manage Nairobi's Jomo Kenyatta International Airport (JKIA) for the next 30 years.The Kenyan High Court has suspended the agreement until further legal discussions can take place, reported Financial Times,

The deal faced opposition from various groups in Kenya, with a key legal challenge filed by the Kenya Human Rights Commission and the Law Society of Kenya, reported Bloomberg.The plaintiffs argue that leasing the airport, considered a vital national asset, to a private company violates key constitutional principles like good governance, transparency, and responsible use of public resources. They believe the decision to lease JKIA was not in the best interest of the country.

Concerns over the deal

Faith Odhiambo, president of the Law Society of Kenya, expressed concern about the financial burden this deal could place on the country. She highlighted that the agreement could lead to job losses and place undue fiscal risk on the public, while providing little to no value for Kenyan taxpayers.

The opposition also claims that Kenya has the capacity to fund airport expansions without resorting to long-term leasing.

On the other hand, the Kenyan government defends the decision. It points to the urgent need for improvements at JKIA, which is currently operating beyond its capacity.Henry Ogoye, acting Managing Director of the Kenya Airports Authority, said that the deal would go through strict reviews to ensure it complies with public-private partnership regulations. He also mentioned that the investment required for JKIA's upgrades is significant, and

without private sector involvement, it would be challenging for the government to meet these financial needs.

Adani's expansion plans

Gautam Adani, who is Asia's second-richest person, has been rapidly expanding his airport business. Adani Enterprises already manages eight airports in India, handling 23% of the country's air traffic. JKIA would have been Adani's first airport venture outside India, marking an important step in the company's international expansion strategy.As part of the project in Kenya, Adani Airport Holdings plans to invest $750 million by 2029 to build a new terminal and taxiway. By 2035, the company aims to invest an additional $92 million for further upgrades. The long-term plan is to list the airport business on stock exchanges by the fiscal year 2028, which could help finance more global projects.

Opposition from workers and political figures

However, the proposed deal has sparked resistance within Kenya. The Kenya Aviation Workers Union, which represents about 10,000 employees, initially planned a strike over fears of job losses and the potential impact of the deal on their livelihoods. These concerns have added to the challenges facing the agreement.In India, opposition leaders from the Congress party have also raised concerns, with Jairam Ramesh warning that the protests in Kenya could lead to negative sentiments towards India. The ongoing backlash highlights the complexity of such international deals, especially when national assets are involved.

Trinamool debunks RG Kar's treatment claim on 28-year-old man's death

The Trinamool Congress disputed claims by Kolkata's RG Kar Hospital that a 28-year-old man who died there received timely treatment, instead citing the mother's testimony that alleges medical negligence and lack of doctors.

New Delhi. The Trinamool Congress (TMC) on Tuesday challenged the assertion by Kolkata's RG Kar Medical College and Hospital that a 28-year-old man, who died at the institution last week, received timely treatment. The party posted a video of the dead patient's mother confronting a senior doctor at the hospital and debunking his claims.

Bikram Bhattachajee, a resident of Konnagar in Hooghly, around 25 km from Kolkata, was admitted to the state-run hospital after being run over by a truck. He succumbed to his injuries on Friday, September 6.

Bikram's parents allege that his death was the result of a delay in treatment due to the absence of doctors in the emergency ward. The hospital, however, refutes these allegations.

Dr Punyabrata Guin, Convenor of the Joint Forum for Doctors, had earlier stated that Bikram Bhattachajee had received appropriate treatment on time, a claim now strongly contested by the grieving family.

In the video posted by TMC on X, Bikram's mother, Kabita, is seen speaking on the phone to a person who identifies himself as Dr Guin.

"I brought him to the hospital at 9 a.m. I was made to run around from one building to another until around 12:30 p.m. He received no treatment, why are you lying and saying otherwise?" she says.

"I have lost my child and you're making me out to be a liar," she says. Referring to the trainee doctor who was raped and murdered at the hospital, she adds, "Just like her parents want justice, I too demand justice for my son."

The person at the other end of the line asks her whether Bikram had received treatment in a hospital in Konnagar. She denies this and says he was brought straight to RG Kar as there weren't adequate facilities in their town.

The doctor reiterates that her son received treatment at RG Kar and this was confirmed by Dr Saptarshi Chatterjee, the Vice Principal. Kabita Bhattachajee disputes this and demands justice.

In another video shared by the party, she says, "I took my son to RG Kar in the hope that he would make a full recovery at a good facility. Unfortunately, my hopes were dashed."

The TMC took to social media to support the family's version of events. "One can barely fathom the agony of a mother who not only lost her child but is now forced to confront the misinformation surrounding his tragic demise," the party tweeted.

The Mamata Banerjee-led party said the young man's death was a "preventable loss" and urged doctors to return to work, as many lives were in the balance.

"This only reaffirms what Abhishek Banerjee rightly pointed out – the lives of innocent people must never be sacrificed at the altar of protests. We must never forget that the primary duty of healthcare professionals is to save lives, not let preventable deaths occur due to negligence!" the TMC tweeted.

TMC MP and national general secretary Abhishek Banerjee had blamed the young man's death on striking doctors. While acknowledging that the demands of the junior doctors were "both fair and valid", he urged them to protest without disrupting essential medical services. "Allowing a death due to PREVENTABLE NEGLECT is tantamount to CULPABLE HOMICIDE," Banerjee wrote on X (formerly Twitter). "If the protest has to continue, it should be done constructively, with empathy and humanity, ensuring no more lives are put at risk through inaction or neglect."

Maharashtra BJP chief's son was inside Audi, 2 other occupants were drunk: Cops

The Audi car owned by Chandrashekhar Bawankule's son hit several vehicles in Nagpur's Ramdaspeth, injuring two people.

Mumbai. The Nagpur Police on Tuesday confirmed that Maharashtra BJP chief Chandrashekhar Bawankule's son was inside the Audi car that rammed several vehicles in the city, injuring two people. There were two other occupants inside the luxury car, Arjun Havere and Ronit Chintanwar, who were found to be drunk, police said, citing their medical test reports.

The Audi car is registered in the name of Bawankule's son, Sanket. After the incident on Monday, Arjun and Ronit were taken into custody. The police are yet to conduct a medical examination on Sanket.

Addressing a press conference on Tuesday, Nagpur Police DCP Rahul Madne dismissed reports that there was political pressure and said Sanket had been called for questioning.

"Initially, it was not clear to us if Sanket Bawankule was in the car. Arjun and Ronit were taken into custody and from them, we came to know that Sanket was in that car last night. He has been called for questioning," the DCP said.

CPI(M) leader Sitaram Yechury on respiratory support, condition critical

The CPI(M) said in a statement that Yechury is admitted at the intensive care unit of the hospital and is being treated for an acute respiratory tract infection.

New Delhi. Communist Party of India (Marxist) general secretary Sitaram Yechury, who was admitted to the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS) in Delhi last month, is on respiratory support, the party said in a statement. The CPI(M) said in a statement that Yechury is admitted at the intensive care unit of the hospital and is being treated for an acute respiratory tract infection. "He is on respiratory support. A multi-disciplinary team of doctors is closely monitoring his condition, which is critical at this time," the party said in a statement on X. Yechury was admitted to the emergency department of the AIIMS on August 19 after he complained of a high fever.

A source was quoted as saying by news agency PTI that he was admitted to the hospital due to pneumonia and there was nothing serious.The CPI(M) leader had recently undergone cataract surgery.

Karnataka minister urged to mandate Kannada prescriptions for government doctors

The Kannada Development Authority (KDA) urged Karnataka Health Minister Dinesh Gundu Rao to mandate that doctors in government hospitals write prescriptions in Kannada.

Kannada Development Authority urges medical prescriptions in Kannada Proposal to honour doctors promoting Kannada Medical Education Minister supports the proposal

New Delhi. The Kannada Development Authority (KDA) on Monday urged Karnataka Health Minister Dinesh Gundu Rao to issue an order requiring doctors in government health centers and hospitals to write medical prescriptions in Kannada, the state's official language.

In a letter to Rao, KDA Chairperson Purushotham Bilimale proposed that the government recognise and honour doctors who promote Kannada in their work. He suggested that doctors be felicitated annually on Doctors' Day at the taluk, district, and state levels for their commitment to using the language.Bilimale also encouraged the minister to foster an environment where Kannada-loving doctors in private hospitals, along with hospital administrators, are motivated to use the language in their practice. Supporting the idea, Medical Education Minister Sharanaprakash Patil said, "There is nothing wrong with the proposal to issue prescriptions in Kannada. Most doctors know Kannada, but it is a matter of convenience. They should also learn how to write drug names in Kannada."

Domestic help found dead at Samajwadi Party MLA's home in UP, cops say suicide

The 17-year-old victim's family said she had been working at the MLA Zahid Beg's residence for the past six years.

New Delhi. A 17-year-old girl who worked as a domestic help at the residence of a Samajwadi Party MLA in Uttar Pradesh's Bhadohi district has been found dead. The police said it was a suspected case of suicide. According to the police, the body was found on Monday hanging inside a room on the terrace of MLA Zahid Beg's home.

Confirming the incident, Bhadohi Superintendent of Police, Meenakshi Katyayan said the victim died by suicide and as soon as information was received, a forensic team and senior officials reached the spot. "The body has been taken, and post-mortem proceedings are being carried out. An investigation is underway to determine what caused the victim to take the drastic step," Katyayan added.

The victim's family said she went to sleep after having dinner on Sunday night. She had been working at the MLA's residence for the past six years.

Historic flight by Vice Chiefs of Army, Navy and Air Force in Tejas fighter jet

New Delhi. The Vice Chiefs of the Indian Army, Navy, and Air Force made history by flying in the indigenously manufactured Light Combat Aircraft (LCA) Tejas on Monday.

Vice Chief of Air Staff, Air Marshal AP Singh, piloted the lead fighter, while Army Vice Chief, Lt Gen NS Raja Subramani, and Navy Vice Chief, Vice Admiral Krishna Swaminathan, flew in the Tejas twin-seater.

"Their joint participation in the exercise demonstrates the growing focus on cross-domain cooperation, with land, sea, and air forces working together to face modern challenges. This unprecedented joint flight, marking the first time when the three services Vice Chiefs have flown in one occasion, is a powerful testament to India's advancing integrated defence capabilities, commitment to self-reliance, and showcases not only their leadership

but also the seamless integration of India's armed forces," the Indian Air Force (IAF) stated in an official statement.

The flight took place over Jodhpur as part of Exercise Tarang Shakti 2024, India's first multinational exercise organised by the Indian Air Force. With a diverse range of participants, this IAF-led exercise aims to foster closer ties and enhance cooperation across various capacities. The inclusion of the Tejas in this mission underscores the crucial role indigenous platforms play in modernising India's defence infrastructure, it added.

"The flight of the Tejas, a symbol of India's indigenous defence manufacturing prowess, represents a significant moment for the nation's 'Make in India' initiative. Designed by Aeronautical Design Agency (ADA), developed and produced by Hindustan Aeronautics Limited (HAL), the Tejas is a state-of-the-art multi-role fighter designed to meet the needs of India's armed forces while reducing reliance on foreign imports. This opportunity was also utilised by three Vice Chiefs for interacting with the participating forces both from India and FFCs," reads the official statement.

Congress's Sam Pitroda says Lok Sabha polls not fair: I know too much about EVMs

While accompanying Congress MP Rahul Gandhi in the US, Sam Pitroda questioned the integrity of India's electoral process, particularly the reliability of electronic voting machines or EVMs.

New Delhi. Controversial Congress leader Sam Pitroda expressed scepticism about the fairness of the 2024 Lok Sabha elections, despite the incumbent BJP failing to secure a majority on its own.

Pitroda, who is currently coordinating Congress MP Rahul Gandhi's outreach trip to the US in his capacity as Chairperson of the Indian Overseas Congress, reiterated his concerns about the integrity of the country's electoral process.During an interaction in Virginia, Pitroda said, "I think the basic change after the elections is that the people of India voted for democracy. The people of India ensured that BJP does not get more than 400 seats. It was heartwarming to see how people voted."

However, he also questioned the transparency of the election process, particularly the reliability of electronic voting machines (EVMs).

"I am one of those who believe that the elections were not fair," he stated. "I know unfortunately little too much about the electronic voting machine process, the entire logistics, and what could go wrong and how it can be manipulated. It's not foolproof, no matter what anybody says."

Pitroda cited the Congress's financial difficulties leading up to the elections, after its bank accounts were frozen by the Income Tax department for alleged tax defaults. The party had previously called the move "a deep assault on India's democracy," arguing that it crippled their election campaign by restricting access to funds."In an environment where the Congress Party's bank accounts were frozen, institutions were captured... it is hard to get a fair election," Pitroda said.

Pitroda's comments come just months after his return to the Indian Overseas Congress chairmanship, a post he had resigned from following a massive controversy over his "racist" remarks in the midst of the Lok Sabha elections. He had suggested that Indians in the East resemble the Chinese, while those in the South look like Africans, sparking outrage.

The Congress leader later clarified that his resignation was voluntary, and he had stepped down because his words had been twisted by Prime Minister Narendra Modi during the election campaign.Pitroda is currently accompanying Rahul Gandhi on his three-day US visit aimed at engaging with members of the Indian community and American lawmakers. He said the agenda for the meetings on Capitol Hill includes interactions with Congressmen and think tanks.

News box

Biden lied, pulled out US forces from Afghanistan against military advice: Report

World US President Joe Biden was adamant on getting out of Afghanistan, and ignored the advice of the US military, the Afghanistan government and Nato. This was revealed in a House Foreign Affairs Committee's report, which was a result of a more than two-year investigation into America's Afghanistan withdrawal in August 2021, according to a report discussed by a report on September 8.“During his decades-long tenure as a Delaware US senator, eight years as Vice President of the United States and nearly four years as president, Mr Biden has demonstrated distrust of America’s military experts and advisors and has prioritised politics and his personal legacy over America’s national security interests,” the 350-page report revealed.

The involvement of Kamala Harris or any kind of blame has not been mentioned in the report.The sparse mention of Harris in the report led to the resignation of the senior investigator, Jerry Dunleavy, according to the New York Post.The report also added that the Biden administration constantly lied to the American people to get them to support its end to the 20-year-old war in Afghanistan, the review added.

Former US President Donald Trump's administration created and entered the Doha Agreement with the Afghan government and the Taliban regarding America's war in Afghanistan.But Biden did not pay attention to the terms of the agreement that the US would withdraw its troops from Afghanistan if its demands were heard.

Russian ‘spy whale’ was not shot, died due to stick stuck in mouth: Police

World. A beluga whale, believed to have been trained by Russia as a "spy," was not shot, according to a police investigation. The whale, named Hvaldimir, was found dead earlier this month, but police say it died because a stick got stuck in its mouth, not from human activity.

Hvaldimir became famous in 2019 when he was found in Norwegian waters wearing a camera. He was discovered floating near Risavika, on Norway’s southwest coast, on September 1st.Two animal rights groups, One Whale and Noah, had reported the whale's death, claiming he had been shot. They said there were visible bullet wounds on his body.Regina Haug, founder of One Whale, said she saw “multiple bullet wounds,” and photos shared by the group appeared to show these injuries.Noah's director, Siri Martinsen, called the wounds “alarming” and suggested the whale might have been killed intentionally.However, a police autopsy found a 35cm stick lodged in the whale's mouth, which likely caused his death. Other injuries on Hvaldimir's body were minor and not serious. The police confirmed, "There was no evidence suggesting that Hvaldimir was shot."Because of these findings, police decided not to continue their investigation. A full report will be released in two weeks.

Hvaldimir first gained attention in 2019 when he was spotted in Norwegian waters wearing a harness labeled "Equipment of St Petersburg," leading to speculation that he was trained by Russia for spying.

The whale's name is a mix of the Norwegian word for whale, "hval," and Russian President Vladimir Putin's first name.

Judge orders change of venue in University of Idaho student murder case

World An Idaho judge has ordered that the trial of Bryan Kohberger, the man accused of fatally stabbing four University of Idaho students, be moved to a different city.In an order issued on Friday, Idaho Second District Judge John C. Judge expressed concerns about Kohberger's ability to receive a fair trial at the Latah County courthouse in Moscow.He cited extensive media coverage and public statements implying the defendant’s guilt, as well as logistical issues, stating that "the courthouse isn’t large enough to accommodate the case, and the county sheriff's office lacks sufficient deputies to manage security." The judge did not specify the new trial location, as reported by Associated Press.Kohberger’s defence team requested the change, arguing that intense emotions within the tight-knit community, combined with relentless media coverage, would make it impossible to find an impartial jury in Moscow, where the killings occurred.

Prosecutors, however, suggested that any potential bias could be addressed by selecting a larger pool of jurors and rigorously questioning them.Kohberger, a former criminal justice student at Washington State University in nearby Pullman, is charged with four counts of murder in connection with the deaths of Ethan Chapin, Xana Kernodle, Madison Mogen, and Kaylee Goncalves.The students were found murdered in a rental house near the University of Idaho campus in the early hours of 13 November 2022.Police arrested Kohberger six weeks later at his parents' home in Pennsylvania, where he was spending his winter break.

Russia records lowest birth rate in decades, births in June dip below 100,000

Moscow Russia recorded its lowest birth rate since 1999 in the first six months of this year, according to official data published on Monday, with births in June below 100,000, marking their first monthly decline.

WHY IT'S IMPORTANT

The conjuncture of declining births and rising mortality has led to a decrease in Russia's population, posing an issue for the Kremlin as it wages a protracted war in Ukraine, which Moscow launched with a full-scale invasion in 2022.The Kremlin in July called Russia's low birth rates a disaster for the country.

BY THE NUMBERS

According to data published by the statistics service Rosstat, 599,600 children were born in Russia in the first half of 2024, which is 16,000 fewer than in the same period in 2023 and the lowest since 1999.In June, the number of newborns fell 6%, to 98,600, which is the first time the number fell below 100,000, Russian media reported.Russia's

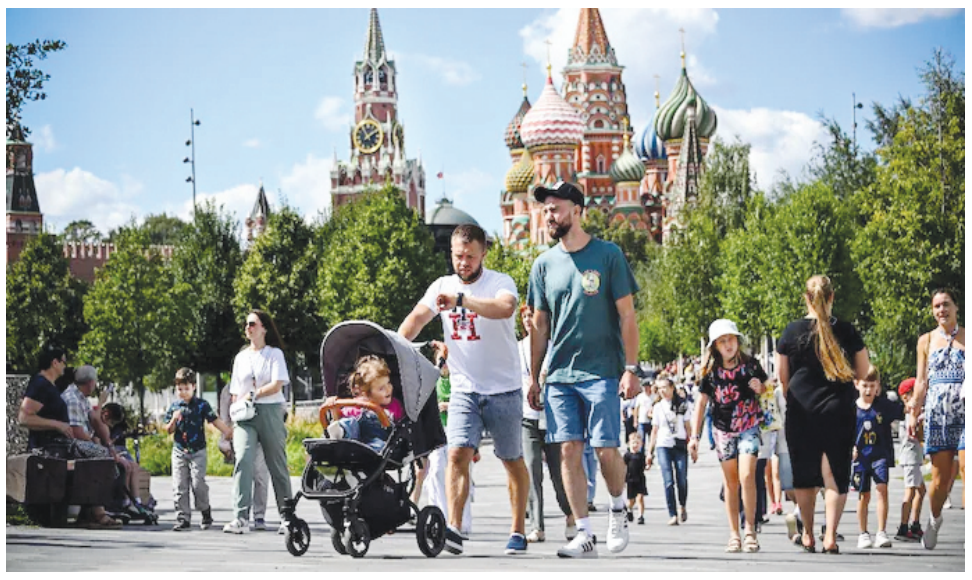

natural decline of population accelerated this year, with 325,100 deaths recorded between January and June, or 49,000 more than in the corresponding period of last year.

The population decline was somewhat offset by 20.1 per cent growth in migrants in January-June, data showed.

KEY QUOTES

"This is catastrophic for the future of the nation," Kremlin's spokesperson Dmitry Peskov said in July, according to Russian state news agencies.Nina Ostanina, the head of the Committee for the Protection of Families at the Duma, Russia's lower house of parliament, told the state RIA news agency that a "special demographic operation" is needed to improve the birth rate.

"We must organise ourselves and conduct another special operation," Ostanina said. "Just like a special military operation - a special demographic operation."

Moscow calls its actions in Ukraine "a special military operation," while Kyiv and its allies call it an unprovoked aggression to grab land.

Trump's rhetoric on elections turns ominous as voting nears in the presidential race

World With early voting fast approaching, the rhetoric by Republican presidential nominee Donald Trump has turned more ominous with a pledge to prosecute anyone who “cheats” in the election, in the same way, he believes they did in 2020, when he falsely claimed he won and attacked those who stood by their accurate vote tallies.

He also told a gathering of police officers last Friday that they should “watch for the voter fraud,” an apparent attempt to enlist law enforcement that would be legally dubious.Trump has contended, without providing evidence, that he lost the 2020 election only because of cheating by Democrats, election officials and other, unspecified forces.

On Saturday, Trump promised that this year those who cheat “will be prosecuted to the fullest extent of the law" should he win in November. He said he was referencing everyone from election officials to attorneys, political staffers and donors.

“Those involved in unscrupulous behaviour will be sought out, caught, and prosecuted at levels, unfortunately, never seen before in our Country,” Trump wrote in the post on his social media network Truth Social that he later also posted on X, the site once known as Twitter.The former President's warning - he prefaced it with the words “CEASE & DESIST” - is the latest increase in rhetoric that mimics that used by authoritarian leaders.Election experts and several state and local election officials were quick to condemn the former president's comment, which they viewed in part as an attempt at intimidation as offices are preparing for the start of voting.Barb Byrum, the clerk of Ingham County, Michigan, said she thinks Trump’s post is an attack on democracy aimed at driving election officials out of the profession.

“But I know that we are not going to be bullied,” said Byrum, a Democrat. “We are civil servants that signed up to make sure every qualified registered voter has the opportunity to exercise their right to vote, and we will do that.”To be clear, Trump lost the 2020 election to President Joe Biden in both the Electoral College and in the popular vote, where Biden received 7 million more votes. Trump's own attorney general said there was no evidence of widespread fraud, Trump lost dozens of lawsuits challenging the results and an Associated Press investigation showed there was no level of fraud that could have tipped the election.

Additionally, multiple reviews, recounts and audits in the battleground states where Trump contested his loss all confirmed Biden's win.Trump, who has spoken warmly of authoritarians and mused recently that "sometimes you need a strongman,” has already pledged to prosecute his political adversaries if he returns to power. His allies have drawn up plans to make federal prosecutors more able to target the president's opponents.

Kim Jong Un vows to increase North Korea's nuclear weapons exponentially

World. North Korea’s leader vowed to bolster his nuclear weapons capabilities exponentially and prepare his troops for combat as he accused the US and its allies of expanding a “nuclear-based military bloc” in the region.In a speech marking the 76th founding anniversary of his country, Kim Jong Un said he’ll get his nuclear force “fully ready for combat” and there’s no limit to how much he’ll expand his military muscle, official Korean Central News Agency reported on Tuesday.“We are now perfectly carrying out the policy on building the nuclear armed forces on increasing the number of nuclear weapons by geometrical progression,” Kim said, characterizing the task as a “duty and right to existence.”The pledge comes as Pyongyang seeks to counter South Korea’s moves to strengthen its defense partnership with the US and Japan after the three nations signed a pact on military training in July. The agreement built on a major trilateral summit hosted by President Joe Biden at Camp David in August of 2023.North Korea last month said it would deploy to frontline military units 250 new mobile launchers for ballistic missiles that can deliver nuclear strikes on its neighbor to the south and US forces stationed there, in one of its biggest displays of its rocket prowess under Kim. It followed the missile initiative by unveiling new suicide attack drones.North Korea may be considering a nuclear test near the time of the November US presidential election to raise its profile, South Korean President Yoon Suk Yeol’s national security adviser Shin Wonsik said in July, when he was serving as defense minister.In his remarks this week, Kim said North Korea “secured wonderful military strength by making important achievements.

In a first, Keralite in Australia cabinet

KOTTAYAM. Scripting history, a member of the Malayali community has been elected to the Australian cabinet for the first time.

Jinson Anto Charls, originally from Pathanamthitta and the nephew of Congress MP Anto Antony, has become a member of the new cabinet down under, an accomplishment that not only signifies a milestone for the Malayali community but also highlights the diverse talents and capabilities of individuals from Kerala on a global platform.

Jinson has been tasked with overseeing sports, arts, culture, disability, multicultural affairs, veterans and youth welfare departments in the Northern Territory State Parliament. His appointment to the eight-member cabinet in the initial phase is a testament to his dedication and leadership skills. Jinson, the son of Charls Antony, Anto’s brother, contested as the Labour Party candidate.He moved to Australia in 2011 to work in the nursing field and has since held positions such as director of Top End Mental Health for the Northern Territory Government. Currently, he is an adjunct lecturer at Charles Darwin University.“Jinson’s success has been a matter of great pride for the Malayali community in Australia. It is a proud victory for him considering he arrived there only 11 years ago. He successfully completed numerous management courses and currently holds the position of director at a prestigious hospital,” Anto told TNIE. The MP emphasised that migrants from approximately 35 countries make up 30% of Australia’s population, underscoring the significance of Jinson’s achievement for the country’s Malayali community.Anto also highlighted Jinson’s political experience, including serving as unit president of the Kerala Students’ Union at the Little Flower College of Nursing in Angamaly and working for him during the 2009 lok Sabha elections in Pathanamthitta, as instrumental in his efforts to support the Malayali community in Australia and to his victory.Anupriya John is Jinson’s wife. The couple has two daughters: Aimie Kaitlyn Jinson, 11, and Anna Isabel Jinson, 5.

'Israeli strike on tent camp in Gaza humanitarian zone kills at least 40 people': Palestinian officials

The Nasser Hospital in Khan Younis, one of three hospitals to receive casualties, said around two dozen bodies had been brought in from the strike.

DEIR AL-BALAH. An Israeli strike on a crowded tent camp housing Palestinians displaced by the war in Gaza killed at least 40 people and wounded 60 others early Tuesday, Palestinian officials said.

Israel said it targeted “significant” Hamas militants, allegations denied by the militant group.The Civil Defense, first responders operating under the Hamas-run government, said it had recovered 40 bodies from the strike in a designated humanitarian zone known as Mawasi and was still looking for people. It said entire families had been killed as they huddled in tents.An Associated Press cameraman saw three large craters at the scene, where first responders and displaced people were sifting through the sand and rubble with garden tools and their bare hands by the light of mobile phones after the predawn strike.The Nasser Hospital in Khan Younis, one of three hospitals to receive casualties, said around two dozen bodies had been brought in from the strike.The Israeli military said it had struck Hamas militants who were operating in a command-and-control centre. It said its forces had used precise munitions, aerial surveillance and other means to avoid civilian casualties.Israel says it has tried to avoid harming civilians throughout the 11-month war ignited by Hamas' Oct. 7 attack. It blames Hamas for their deaths because the militants often operate in residential areas and are known to position tunnels, rocket launchers and other infrastructure near homes, schools and mosques.Hamas released a statement denying any militants were in the area. Neither Israel nor Hamas provided evidence to substantiate their claims.The war has caused vast destruction and displaced around 90 per cent of Gaza’s population of 2.3 million, often multiple times. Israeli evacuation orders, which now cover around 90 per cent of the territory, have pushed hundreds of thousands of

people into Mawasi, a sprawling line of squalid tent camps along the coast.

Aid groups have struggled to provide even basic services in Mawasi, and Israel has occasionally struck targets there despite designating it as a humanitarian zone.

Gaza’s Health Ministry says over 40,000 Palestinians have been killed in Gaza since the war began. It does not differentiate between fighters and civilians in its count.Hamas-led militants killed some 1,200 people, mostly civilians, in their Oct. 7 attack. They abducted another 250 people and are still holding around 100 after releasing most of the rest in exchange for Palestinians imprisoned by Israel during a weeklong cease-fire last November. Around a third of the remaining hostages are believed to be dead.The main U.N. agency providing aid to Palestinians said the Israeli military stopped a convoy for more than eight hours on Monday, despite coordinating with the troops.

UNRWA head Philippe Lazzarini said the staffers who were held had been trying to work on a polio vaccination campaign in northern Gaza and Gaza City.

“The convoy was stopped at gunpoint just after the Wadi Gaza checkpoint with threats to detain UN staff,” he wrote on the social platform X. “Heavy damage was caused by bulldozers to the UN armoured vehicles.”

He said the staff and the convoy later returned to a U.N. base, but it was unclear if a polio vaccination campaign would take place Tuesday in northern Gaza.The Israeli military did not immediately respond to a request for comment.The vaccination drive, launched after doctors discovered the first polio case in the Palestinian enclave in 25 years.

Princess of Wales Kate says she completed chemotherapy and will return to limited public duties

The 42-year-old wife of Prince William on Monday released a video in which she appeared alongside her husband and children as she described how difficult the past nine months have been for her family.

LONDON. Kate, the princess of Wales, has completed chemotherapy and will make a limited number of public appearances in the coming months, bolstering Britain's royal family after it was rocked by the twin cancer diagnoses of the princess and King Charles III.The 42-year-old wife of Prince William on Monday released a video in which she appeared alongside her husband and children as she described how difficult the past nine months have been for her family and expressed "relief" at completing her course of treatment."Life as you know it can change in an instant, and we have had to find a way to navigate the stormy waters and road unknown," she said in the video, which was shot in a woodland near the family's summer home in Norfolk."The cancer journey is complex, scary and unpredictable for everyone, especially those closest to you. With humility, it also brings you face to face with your own vulnerabilities in a way you have never considered before, and with that, a new perspective on everything."The royal family has been buffeted by health concerns for much of this year, beginning with the announcement in January that the king

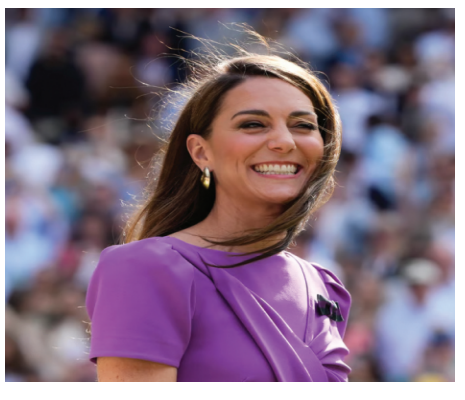

would receive treatment for an enlarged prostate and Kate would undergo abdominal surgery.In February, Buckingham Palace announced that Charles was receiving treatment for an undisclosed type of cancer.

Six weeks later, Kate said she, too, was undergoing treatment for cancer, quieting the relentless speculation about her condition that had circulated on social media since her surgery.While the announcements triggered an outpouring of good wishes for the ailing royals, they also put the royal family under tremendous pressure. Queen Camilla and Princess Anne, the king's sister, took on additional duties to cover the seemingly endless list of public events that make up the daily routine of the House of Windsor. William also took time off to support his wife and their three young children.Charles began his return to public duties in late April when he visited a cancer treatment centre in London.He is scheduled to make the first long-haul trip since his diagnosis when he travels to Australia and Samoa in the fall.Kate said Monday that while she had completed her chemotherapy treatment, the path to full recovery would be long and .

NEWS BOX

Afghanistan vs New Zealand Test in limbo due to poor facilities in Greater Noida

New Delhi. The much-anticipated one-off Test between New Zealand and Afghanistan at the Shaheed Vijay Singh Pathik Sports Complex in Greater Noida, Uttar Pradesh seems to be in limbo due to substandard infrastructure, including a poor drainage system, at the cricket ground. After the opening day of the Test match was washed out due to rain on Monday, September 9, the start of the second day's play was delayed on Tuesday morning due to a wet outfield.

The woeful facilities an

d drainage system at the Greater Noida stadium have come under severe scrutiny. Greater Noida has been witnessing persistent rain over the last few days. Afghanistan and New Zealand struggled to complete practice sessions in the lead-up to the Test due to the soggy condition of the outfield. Despite clear weather on

Monday morning, overnight rain had left the outfield wet.

The on-field umpires had as many as six inspections on Day 1 before calling it off.The field, particularly around the mid-on and mid-wicket areas, was rendered unplayable as large patches of soggy, muddy outfield posed a significant risk for players. Ground staff scrambled to manage the situation, resorting to covering the affected areas with sawdust. However, these makeshift efforts were far from adequate.On Tuesday, a concerning sight was the staff digging up sections of the outfield and filling them with dry soil and grass in a desperate attempt to make it playable. The affected area stretched around two-three feet, and even with these efforts, the outfield remained far from suitable for Test match conditions.Although rain began only late in the evening on Day 1, it worsened the already damp outfield. An inspection was scheduled for noon on September 10, but both teams, anticipating another delay, remained in their hotels.Ground staff, numbering around 20-25, including 15 outsourced workers, were seen battling the conditions with inadequate resources.

Despite the availability of five super soppers (two automatic and three manual), the drying process was slow and inefficient. Covers—three 30-yard and five larger 80x60 sheets—were in place.

Eyeing Worlds, wrestler Bajrang moves court to quash NADA suspension

CHENNAI: Wrestler Bajrang Punia has approached the Delhi High Court to quash the National Anti-Doping Agency's notice of charge and provisional suspension dated 21.06.2024 for apparent 'refusal' to give urine samples during the selection trials organised by the now defunct ad-hoc committee at Sonepat in March.

He has approached the Delhi High Court for an urgent hearing on the ground that he would be seeking participation at the World Championships in Albania next month.

Vidushpat Singhania, who is representing

Bajrang, said that they were requesting the Delhi High Court to quash the NADA provisional suspension order and also sought an enquiry into the use of expired kits for sample collection last year."Another point is why NADA has not filed its response to Bajrang's explanation since 11 July 2024 and not given a hearing to Bajrang," asked the lawyer.The lawyer said that the wrestler would be seeking to participate at the World Championships hence the request for an urgent hearing. The wrestler has termed the suspension arbitrary."…the Respondent (NADA) again sought to arbitrarily charge the athlete with an anti-doping rule violation by serving a Notice of Charge dated 21.06.2024 and provisionally suspended him for the second time…"Interestingly, the petitioner pointed out that a notification dated 23.04.2024 that suspended him for an alleged apparent anti-doping rule violation for refusing to submit to sample collection during the Wrestling Selection Trials was revoked by a NADA hearing panel on the ground that formal notice of charge was not filed.The NADA in June filed the formal Notice of Charge and said: you are formally charged with the following ADRV (anti-doping rule violation): Article 2.3 (evading, refusing or failing to submit sample collection by an athlete.

How realistic is Joe Root's threat to Sachin Tendulkar's record

England batter Joe Root is slowly closing in on Sachin Tendulkar in the list of leading run scorers in Test cricket. Here's a look at their numbers at different stages of their career.

New Delhi. Joe Root has been on a sensational run in Test cricket in recent times and has made a rapid rise in the list of leading run scorers of the format. The 33-year-old is currently the sixth-highest run-scorer in the history of cricket's oldest format with 12,402 runs to his name from 146 matches (267 innings) at an average of 50.62 with 34 hundreds and 48 fifties.He also has the sixth most hundreds to his name in Test cricket as he continues to climb up in the list full of legends such as Sunil Gavaskar, Alastair Cook, Brian Lara, Ricky Ponting, amongst others. Root's numbers didn't look as massive as they do now as he had 7,823 runs from 97 Tests till 2020 at an average of 47.99 with 17 hundreds and 49 fifties.

However, ever since 2021, he has been the best batter in the format accumulating 4579 runs from 49 matches (90 innings) at an average of 55.84 with 17 hundreds and 15 fifties. Root's sensational run has made him a top contender to surpass the legendary Sachin Tendulkar and become the leading run scorer in the history of Test cricket.The legendary batter is the highest run scorer in Test cricket with 15921 runs to his name from 200 matches at an average of 53.78 with 51 hundreds and 68 fifties. Root is 3,519 runs away from levelling Tendulkar at the top of the list and has six more Tests this year still to play, three in Pakistan and as many in New Zealand.Given his current form, he will be expected to shorten the gap between him and Tendulkar further as he's just 71 runs away from becoming England's all-time highest run scorer in Tests surpassing Alastair Cook (12,472 runs). With Root constantly closing the gap between him and Tendulkar, one must wonder where the legendary Indian batter was after 267 innings in his career.

Sachin's numbers after 267 innings

Notably, the Mumbai-born cricketer had 13091 runs to his name at an average of 55 with 44 hundreds and 54 fifties at the same stage where Root is currently at in his career. From there onwards, Tendulkar witnessed the last peak in international cricket where he plundered over 1601 runs in the next 23 innings and became the first batter to score 14000 runs in the format.

At the landmark 100th Test mark, there was a stark difference between the two players as Root had 8,507 runs at an average of 50.33 from 183 innings with 20 hundreds and 49 fifties. On the other hand, Tendulkar had 8405 runs from 160 innings after 100 Tests at an average of 57.96 with 30 hundreds and 34 fifties.With age on Root's side, Tendulkar's record is all set to be brokenThe numbers clearly show Root's low conversion rate early on in his career, which he has improved upon massively since 2021, having converted 17 out of his 32 fifties into centuries. Having an average of over 45 in seven out of the ten countries he's played in, Root is rated among the best performers all across the globe. The only major nation he's struggled while playing in is Australia, where he averages 35.68 from 14 matches, scoring 892 runs with the help of nine fifties.

On the other hand, Tendulkar has the feat of averaging over 40 in all the ten countries he's played in. Comparing the England star with the legendary batter would be sheer absurdity, as Tendulkar holds the edge over the England batter in several departments, be it consistency, better performance across the world and better conversion rates.

However, Root is far from done in his career and will turn 34 this December. Given his current form and the legacy he's created for himself, he's set to play for his country for at least three more years and has a great chance to leave Tendulkar behind in the all-time list if he continues his form.

More importantly, Joe Root is one of the busiest Test batters since the start of 2020, playing 57 matches. England are one of the busiest Test sides even after the advent of the World Test Championship cycle. Root has played 57 matches since the start of 2020, 11 more than his nearest rival Zak Crawley.

Root is far ahead of his contemporaries when it comes to the frequency of Test matches. Among the Fab Four of the modern era (Root, Virat Kohli, Kane Williamson and Steve Smith), the England batter has played the most number of Tests in the said period.FAB 4 SINCE 2020

Joe Root - 57 matches
Steve Smith - 37 matches
Virat Kohli - 29 matches
Kane Williamson - 22 matches

Root averages 12 Tests per year and he is increasingly becoming a Test specialist for England. However, it remains to be seen if Root can sustain his sensational form as he heads into the twilight period of his career.

New Zealand announce squad for women's T20 World Cup 2024, Rosemary Mair returns

New Zealand announced the squad for the women's T20 World Cup 2024 set to be played in UAE from October 3. Sophie Devine is set to lead the team for the final time in T20Is.

New Delhi. New Zealand announced their 15-member squad for the upcoming women's T20 World Cup 2024 on Tuesday, September 10. Veteran players Suzie Bates and Sophie Devine are all set to feature in their ninth edition of the T20 extravaganza having been a part of the tournament ever since its inception in 2009.Devine will also give up her T20 captaincy at the end of the tournament. Seamer Rosemary Mair has marked her return to the team following a back injury sustained during the home series against England. Off-spinner Leigh Kasperek will reinforce the spin attack alongside Melie Kerr, Fran Jonas and Eden Carson. On the other hand, wicket-keeper batter Izzy Gaze will be making her first appearance in the T20 World Cup.White Ferns head coach Ben Sawyer is delighted with the squad and congratulated everyone for making it to the team."Congratulations to all of the players named in this squad, it's a significant achievement to be selected to represent your country at a World Cup. I'm really pleased with this squad, I think these are our best 15 players to adapt to what will likely be varied conditions," said Sawyer in a media release.

T20 World Cup to start from October 3

Notably, the T20 World Cup is set to begin from October 3 and will be hosted in the UAE after the tournament was shifted from Bangladesh due to the political unrest in the country. New Zealand have been put in Group A alongside Australia, India, Pakistan and Sri Lanka.The Sophie Devine-led side will start their campaign with a couple of warm-up fixtures against South Africa and England on September 29 and October 1 respectively before playing their first Group Match against India on October 4. Ahead of the tournament, New Zealand will tour Australia for a three-match T20I series to prepare for the mega event beginning from 19th September.New Zealand women's squad for T20 World Cup 2024: Sophie Devine (C), Suzie Bates, Eden Carson, Izzy Gaze, Maddy Green, Brooke Halliday, Fran Jonas, Leigh Kasperek, Amelia Kerr, Jess Kerr, Rosemary Mair, Molly Penfold, Georgia Plimmer, Hannah Rowe, Lea Tahuhu.

Yash Dayal's father praises son's fighting spirit after maiden India call up

New Delhi Yash Dayal's father Chandrapal reflected on his son's long journey in cricket as he earned his maiden India call-up for the upcoming Test series against Bangladesh. Notably, Dayal has been picked in the 16-member squad for the first Test against Bangladesh set to begin from September 19 at MA Chidambaram Stadium, Chennai.

Reacting to his son's selection in the Indian team, Yash's father Chandrapal who has been a cricketer himself, said that it's a matter of pride for their family. He recalled the challenges his son had to face and praised his fighting spirit."First of all, it is a matter of pride for our family. When a kid starts playing, he dreams of representing the country. Now, he has earned a call-up to represent the nation. From a small city, he has come so far. There were many tough challenges in his life, but he kept fighting. He was always obsessed with cricket. When your focus is right, you will get success," Chandrapal Dayal told ANI.Further speaking ahead, Chandrapal hailed his son's progress as a player across different tournaments such as the Ranji Trophy and the IPL (Indian Premier League).

We kept motivating him and gave him positivity: Radha Dayal

"I was a cricketer myself, he saw me play as a kid. Though he could not play for UP in U19, he was selected in U23 back in 2018 and since then, he has not looked back. He has been progressing consistently since then, be it in the Ranji Trophy, IPL etc. This dream of playing for India has also come true," he added.Yash's mother Radha was also thrilled to bits following her son's selection in the national team and revealed how they motivated him to continue playing irrespective of the circumstances.

"It is a matter of happiness for us. This is a big deal for us. We are celebrating it all together. All family members have gathered and will be bursting firecrackers. We cannot express our happiness in words. This all took a lot of hard work. We kept motivating him and gave him positivity to go on no matter what," she said.

Yash Dayal's rollercoaster ride on cricket pitch

Dayal had a decent debut in the IPL playing for Gujarat as he scalped 11 wickets from nine matches in their victorious campaign of 2022.

Bangladesh rising pace sensation Nahid Rana confident and ready for India Test series

DHAKA. Having made an instant impact with his brilliant performance in the historic 2-0 triumph over Pakistan, Bangladesh rising speedster Nahid Rana has now set his eyes on the upcoming away Test series against India.The 21-year-old consistently hit 150 kph and stood out as the star performer, especially in the second innings of the final Test in Rawalpindi where he took 4/44 as Bangladesh secured a historic sweep."Obviously we are well prepared for the India series. We have started training. The more we are prepared the better we will be in execution during the matches," Rana said in a video shared by Bangladesh Cricket in 'X', formerly Twitter."India are a good team but the team that plays better cricket will win. We will see when we go there." The speedster, from Chapainawabganj, has emerged as a new sensation in Bangladesh cricket with his ability to bowl consistently fast over long spells.He made headlines by crossing the 150 kph mark on his Test debut against Sri Lanka in March this year.Then in Pakistan he established himself as a genuine fast bowling threat by making an immediate impact in the second Test. He dismissed Shan Masood with his third ball before scalping the prized wicket of Babar Azam in his next over."Before leaving, I had said that I wanted to achieve something for my country, and it feels great to have delivered on what was expected of me," he said.The first Test is slated in Chennai, a venue known for its bounce-friendly pitch.

Asked if he is ready to hit the 152 kph mark again, Rana said, "I will strive to give my best. Pace is something you can't always predict - it depends a lot on rhythm. Sometimes, it just clicks, and suddenly you find yourself hitting those speeds."

"I never set out to clock 152 kph or push past that. I just focused on executing the team's plan. My friends and folks back in the village are really happy of my achievement," he added.Rana's journey in cricket began when his brother enrolled him in an academy in 2020 after finishing college. He made his first-class debut in October 2021 and quickly made a mark, taking 32 wickets in the following season.

In the 2022-23 National Cricket League, Rana and Sumon Khan achieved a rare feat with both taking over 30 wickets, an accomplishment not seen in over 11 years for fast bowlers in the domestic first-class tournament.Determined to carve his own path, he said: "I don't want to be like anyone else.

Saina Nehwal hits back at trolls for belittling her 2012 Olympics bronze medal

India badminton star Saina Nehwal has hit back at her trolls for questioning her bronze medal win during the 2012 London Olympics. Nehwal became the first Indian shuttle to win a bronze medal.

New Delhi. India badminton star Saina Nehwal has hit back at her trolls for questioning her bronze medal win at the 2012 Olympic Games in London. Notably, Nehwal scripted history at the Games as she became the first Indian shuttler to win an Olympic medal.

The Haryana-born athlete was up against China's Wang Xin in the bronze medal match and ended up losing the first game by 18-21. She was further trailing in the second game as well by 0-1 before the Chinese athlete ended up twisting her right knee. As a result, she had to withdraw from the match and Nehwal was awarded the bronze medal.Nehwal's victory was recently questioned by some trolls on social media who alleged that she was gifted her bronze medal. Saina and her husband, Parupalli Kashyap recently addressed the issue in an interview.During the Paris Olympics she had said something and in the comments (on social media) I was seeing people saying that that she got gifted the bronze medal," said Kashyap in a conversation with RJ Anmol and actor Amrita Rao.

Nehwal hit back at her trolls asking them to at least qualify for Olympics first.

"Olympic level ke layak toh bano aap. Pehle Olympics ke liye qualify toh karke dikhao (Try and get yourself up to the level of the Olympics)," said Saina.Saina Nehwal's comments on Vinesh Phogat irked fans

Nehwal openly expressed her opinion during the recently concluded Olympic Games in Paris. Following wrestler Vinesh Phogat's disqualification from her gold medal match, Nehwal had stated that she was also responsible for the unfortunate turn of events.The comment didn't go down well with several social media users who began bashing her left, right and centre for her remarks. The badminton player also found herself in another controversy after she compared the fitness demands of cricket with other sports. The former world number one player was also subjected to trolling for her remark with people asking her to face Jasprit Bumrah once.

Meanwhile, Nehwal did not participate in competitive badminton since her Singapore Open appearance last year. As she battles arthritis, she is considering retirement as well by the end of the year.

Janhvi Kapoor's

Reaction To Varun Dhawan Taking Photos With Fans Is Hilarious

After Bawaal, the popular Bollywood actors Janhvi Kapoor and Varun Dhawan are collaborating once again on Shashank Khaitan's upcoming entertainer, Sunny Sanskari Ki Tulsi Kumari. The duo, who is busy shooting for their film, which is slated to be released in April 2025, was recently spotted at the Mumbai airport as they returned from Udaipur after completing their shooting schedule in the city.On Sunday, Janhvi and Varun were papped as they exited the Mumbai airport together. The duo opted for casual looks as their airport OOTDs. While the Bhediya wore a casual oversized shirt paired with distressed jeans and sneakers, Janhvi opted for an all-black athleisure wear. She kept her hair open and wore sneakers to completer her look. In several paparazzi videos, Varun was seen stopping on his way to click some pictures with his female fans. Meanwhile, his co-star proceeded to leave the airport. As Janhvi continued walking towards the exit, she was heard saying, "Main nikalti hun sumdi mein."

Not long ago, popular filmmaker Karan Johar posted a video on his Instagram account, offering a glimpse into the 'muhurat puja' of Sunny Sanskari Ki Tulsi Kumari, which he is producing. The video included some memorable moments from the event. Sharing which, KJo wrote, "JUST PURE LOVE!!!! Sunny Sanskari & Tulsi Kumari's shooting with their family begins. Send them love, blessings, and warm wishes for a journey filled with sunshine! #SunnySanskariKiTulsiKumari in cinemas, 18th April 2025!"

Till now, Janhvi has had an eventful 2024. The actress, who made her debut in 2018, had not one but three releases. At the beginning of this year, she made a special appearance in Shahid Kapoor and Kriti Sanon starrer Teri Baaton Mein Uljha Jiya. Then, she was seen in the films Mr. & Mrs. Mahi and Ulajh.

At present, Janhvi is gearing up for the release of his Telugu debut film, Devara: Part 1, alongside Jr. NTR and Saif Ali Khan. Ahead of its release on September 27, the Koratala Siva-directed film has already achieved a milestone. It has become the fastest Indian film to sell 15,000 tickets in the USA, that too, just days after the launch of pre-sale tickets.On the other hand, Varun made a cameo appearance in Shraddha Kapoor, Rajkummar Rao, and Pankaj Tripathi starrer Stree 2. He was seen as a 'bhediya' in the Amar Kaushik-directed film. Apart from this, he has Citadel: Honey Boney, Baby John, Ikkis, and Border 2 in the pipeline.

Sidharth Malhotra

Congratulates Deepika Padukone-Ranveer Singh For Their 'Little Blessings'

Deepika Padukone and Ranveer Singh have embraced parenthood and are on cloud nine. The couple has welcomed their first child baby girl on September 8. Well, wishes are coming in and today Sidharth Malhotra also wished the couple for their little blessing. He took to social handle and shared the wish.Sidharth Malhotra shared the official announcement post on his Instagram stories and wrote, "Huge congratulations, @ranveersingh and @deepikapadukone, on your little blessings! Sending all my love and wishes to you both and family." Deepika Padukone and Ranveer Singh officially shared the announcement on social media. Their heartfelt post read, "Welcome Baby Girl 8.9.2024. Deepika & Ranveer."

On the work front, Sidharth Malhotra was last seen in Yodha with Rashhii Khanna. Recently, it was reported that Sidharth Malhotra made a sudden exit from Balwinder Singh Janjua's upcoming film Mitti, just one month before the shoot was scheduled to commence. The news has gone viral. However, an official was never made for the film. Peeping Moon has reported creative differences as the reason.

Peeping Moon in its report mentions the reasons for his departure remain unclear, citing both creative differences with the director and concerns about the script itself. Other sources suggest Malhotra simply wasn't convinced by the project's direction, others claim his decision may have been influenced by a desire for more creative control on set. There's also speculation that the actor's recent box office struggles may have played a role, potentially making it difficult to secure funding for the film.Bollywood Hungama earlier reported that Mitti is an action film being shot in Uttarakhand. Not willing to speak much on the project, Janjua said, "It is an action drama set in Uttarakhand. It is a story about guilt, about living with the baggage of guilt. It is the story of saving your home and your zameen, your mitti. It is about family and relationships."

Vikas Sethi Funeral: Mom Inconsolable; Hiten Tejwani, Sharad Kelkar Attend Last Rites

Vikas Sethi's funeral took place on Monday evening. A video from the funeral has surfaced online in which Vikas' mother, Suraksha Sethi broke down seeing her son's mortal remains. Vikas was cremated in Mumbai a day after he died. He passed away on Sunday in Nashik following a heart attack.

The last rites was attended by his mother, his grieving wife and other family members. Vikas' Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi co-star Hiten Tejwani was also present at the funeral. He paid his last respects and met Vikas' family. Also present at the funeral was TV actor Sharad Kelkar. Watch the video below:Vikas Sethi's wife Jhanvi Sethi spoke to PTI after his death and shared details of his death. She revealed that the couple was in Nashik for a family event when he started vomiting and experiencing diarrhea. He didn't want to go to the hospital, so they called a doctor home.

After we reached my mother's house in Nashik, he had vomiting and loose motions. He didn't want to go to the hospital so we asked the doctor to come home," she said. When she checked on him, he had already passed away. "When I went to wake him up at around 6 am (on Sunday), he was no more. The doctor there told us he passed away last night in his sleep due to a cardiac arrest," she shared. His body has been sent to Cooper Hospital in Mumbai for a post-mortem.Vikas was best known for his role in Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi, Kahiin to Hoga and Kasautii Zindagi Kay (the old one). He also had a short but impactful role in Karan Johar's Kabhi Khushi Kabhie Ghum. The actor played the role of Robbie, Kareena Kapoor's boyfriend in the movie.

Rehnaa Hai Terre Dil Mein Re-Release Mints Over 3 Crore; Will It Outperform Its Original Collection?

Rehnaa Hai Terre Dil Mein, starring Dia Mirza and R Madhavan, was re-released in cinemas on August 30 and has once again grabbed audiences' attention. The romantic drama, known for its timeless love story and iconic soundtrack, is reportedly performing better at the box office compared to its original release. A fan favourite for decades, the film continues to win hearts.Rehnaa Hai Terre Dil Mein, grossed about Rs 5.36 crore during its original run. As per a Pinkvilla report, it has already earned Rs 3.2 crore in 10 days of re-release. Reportedly, the film's re-release is likely to outperform its original release. The publication mentioned that the film is particularly doing well in Pune, where the majority of its revenue has come from. Rehnaa Hai Terre Dil Mein has received roughly Rs 75 lakh in 10 days in the city, which is quite rare for most films.

Post the re-release of the film, Dia Mirza and R Madhavan resorted to social media to thank their fans for their support. They also held a live Instagram session, during which they discussed many topics. The duo uploaded a clip from their live session and wrote, "We just wanted to say a BIG thank you #RHTDM for all the love you have shown us over the last 23 years and the love you are giving the film in theatres right now." During the session, she also recalled their shooting day and mentioned, "We were travelling from one place to another for 14-18 hours, constantly going from one place to another. We would often catch up on our sleep on the flight. The film was also shot that way – we had shot in South Africa, New Zealand, Australia, and Mumbai. The film's release date was announced before we finished the bhaag daud

."Meanwhile, on the work front, R Madhavan was last seen in Shaitaan, co-starring Ajay Devgn. The film earned rave reviews from both fans and critics. He will next act in Shankara and De De Pyaar De 2, co-starring Ajay Devgn and Rakul Preet Singh. Dia Mirza was last seen in the film IC 814- The Kandahar Hijack which also starred Vijay Varma, Pankaj Kapur and others.